राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 88
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
बुधवार 12 अक्टूबर 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 दिल्ली महिला आयोग ने ट्रांसजेंडरों के लिए मुफ्त सेक्स रिअसाइनमेंट सर्जरी के प्रावधान के लिए दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया

पेज 5 ज्ञानवापी: 'शिवलिंग' की कार्बन डेटिंग जांच पर बहस पूरी, 14 अक्टूबर को आदेश की संभावना

पेज 7 सऊदी अरब को अंजाम भुगतने की धमकी क्यों दे रहा अमेरिका? इस वजह से हुआ आगबबूला

केरल में डॉक्टर दंपती ने दो महिलाओं की बलि दी

घर में धन-संपत्ति आए इसलिए गला रेत कर मारा, शव के टुकड़े कर दफनाया

त्रिरुवल्ला। केरल के त्रिरुवल्ला में अंधविश्वास में फंसे एक डॉक्टर और उसकी पत्नी ने दो महिलाओं की गला रेतकर हत्या कर दी। इसके बाद दोनों शवों के टुकड़े करके उन्हें दफना दिया। आरोपियों को भरोसा था कि ऐसा करने से उनके घर में धन-वैभव आने लगेगा। इस काम में एक तस्कर ने भी उनकी मदद की थी। घटना 27 सितंबर की है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को मंगलवार को गिरफ्तार किया।

त्रिरुवल्ला के रहने वाले डॉक्टर भागवत काफी समय से आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे। उनकी पत्नी लीला ने पेरुंबवूर में रहने वाले शिहाब से संपर्क किया। उसने कहा- मानव बलि देने से ही भगवान खुश होंगे। उसने दो महिलाओं की बलि देने को कहा। साथ ही यह भी बताया कि वही बलि के लिए महिलाओं का इंतजाम कर देगा।

लालच देकर महिलाओं को लाया था

लीला ने फेसबुक के जरिए शिहाब से कॉन्टैक्ट किया। शिहाब कलाडी और कदवंतरा की रहने वाली दो महिलाओं को पैसों और काम का लालच देकर त्रिरुवल्ला लाया। यहां से डॉक्टर दंपती और शिहाब दोनों महिलाओं को पथनामथिट्टा के एलंथूर ले गए। यहीं तंत्र साधना करके उनकी बलि दे दी। एलंथूर में ही दोनों महिलाओं को दफना दिया गया।

महिला के मोबाइल की लोकेशन से खुला राज

पुलिस कमिश्नर सीएच नागाराजू ने बताया- कदवंतरा से लाई गई महिला के परिजन ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस उसके मोबाइल की लोकेशन तलाशते हुए त्रिरुवल्ला पहुंची। वहां के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद महिला का डॉक्टर से संपर्क होने का पता चला। पुलिस ने डॉक्टर दंपती को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उन्होंने पूरा राज खोल दिया।

सीएम विजयन बोले- काला जादू सभ्य समाज के लिए खतरा

मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने घटना पर शोक जताते हुए कहा कि मानसिक बीमार लोग ही इस तरह के अपराध कर सकते हैं। इस तरह के काला जादू और जादू टोना सभ्य समाज के लिए खतरा है।

देश में कोरोना परीक्षणों की संख्या में हुई वृद्धि

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटे में 2,76,125 लोगों का कोरोना परीक्षण किए जाने के बाद, कोविड-19 संक्रमण के 1,957 नए आंकड़े प्राप्त हुए हैं, जो कि पिछले दिन की तुलना में कम हैं और कोरोना परीक्षणों की संख्या बढ़कर 89.74 करोड़ हो गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि सुबह सात बजे तक 219.04 करोड़ टीके लगाए गए। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के 1,957 नये मामले सामने आने के साथ ही इस बीमारी से प्रभावितों की संख्या बढ़कर 4,46,16,394 हो गयी है। पिछले 24 घंटे में कोविड-19 संक्रमण से 2,654 लोग स्वस्थ हुए हैं, जिससे अब कोरोना से निजात पाने वालों की कुल संख्या बढ़कर 4,40,60,198 हो गयी है और स्वस्थ दर 98.75 प्रतिशत है।
मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में कोरोना महामारी से पांच मरीजों की मौत हुई है जिसके बाद मृतकों की संख्या 528822 तक पहुंच गयी है। सक्रिय दर 0.06 प्रतिशत है और मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है।
उन्होंने बताया कि इसी अवधि में 12 राज्यों और एक केन्द्र शासित प्रदेश में कोराना वायरस (कोविड-19) महामारी के मामलों में वृद्धि हुई है और इसी अवधि में अन्य राज्यों तथा प्रदेशों में कोरोना के मामले में गिरावट आई है।
पिछले 24 घंटे में केरल में कोरोना के 359 संक्रमित मामले घटने के बाद सक्रिय मामले घटकर 5200 रह गए हैं और इस बीमारी से निजात पाने वालों की संख्या 6737381 हो गयी है और इस दौरान किसी मरीज की मौत नहीं होने से मृतकों का आंकड़ा 71267 पर बरकरार है जबकि महाराष्ट्र में कोविड-19 संक्रमण के 66 मामले बढ़कर 2432 हो गए हैं।

पंचतत्व में विलीन नेताजी

मुलायम को बेटे अखिलेश ने मुखाग्नि दी, राजनाथ-पवार-खड़गे समेत कई बड़े नेता मौजूद थे

लखनऊ। मुलायम सिंह यादव का मंगलवार को अंतिम संस्कार किया गया। बेटे अखिलेश यादव ने सैफई के मेला ग्राउंड पर उन्हें मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार के लिए मुलायम की पार्थिव देह पहली पत्नी मालती के मेमोरियल के पास बने प्लेटफॉर्म पर रखी गई थी।

राजकीय सम्मान के साथ हुए अंतिम संस्कार में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मौजूद थे। कई राज्यों के मुख्यमंत्री, उप-मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री भी पहुंचे। बेहद करीबी माने जाने वाले अमिताभ बच्चन के बेटे अभिषेक बच्चन मां जया के साथ पहुंचे। सहारा चीफ सुब्रत राय और उद्योगपति अनिल अंबानी ने भी अंतिम दर्शन किए।

अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे राजनाथ-रामदेव और 2 राज्यों के मुख्यमंत्री

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, यूपी के डिप्टी सीएम केशव मौर्य और बृजेश पाठक, बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, कांग्रेस नेता कमलनाथ, मल्लिकार्जुन खड़गे मौजूद थे। श्रद्धांजलि देने वालों में आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू, भाजपा सांसद रीता बहुगुणा जोशी और योगगुरु बाबा रामदेव भी थे।

गुरुग्राम में सोमवार सुबह हुआ था निधन

मुलायम सिंह यादव ने सोमवार सुबह 8 बजकर 16 मिनट पर गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में अंतिम सांस ली। 82 साल के मुलायम सिंह करीब 2 साल से ब्लड प्रेशर और यूरिन इन्फेक्शन जैसी बीमारियों से जूझ रहे थे। मुलायम सिंह यादव 2 साल से बीमार चल रहे थे।

इनके अलावा राकांपा चीफ शरद पवार, उनकी बेटी सुप्रिया सुले, भाजपा सांसद वरुण गांधी, मेनका गांधी, आरएलडी अध्यक्ष जयंत चौधरी, सहारा के चीफ सुब्रत राय सहारा, स्वामी प्रसाद मौर्य और अभिषेक बच्चन और उद्योगपति अनिल अंबानी भी अंतिम संस्कार में शामिल हुए।

मेलाग्राउंड में 5 साल पहले तक सैफई महोत्सव होता था। यहीं मुलायम के अंतिम संस्कार के लिए प्लेटफॉर्म बनाया गया था। बारिश के बीच 50 मजदूरों ने रातोंरात 30×30 फीट का प्लेटफॉर्म खड़ा किया। यह प्लेटफॉर्म मुलायम की पहली पत्नी मालती देवी के मेमोरियल के करीब ही बनाया गया। मालती देवी की 2003 में मृत्यु हो गई थी।

लाखों कार्यकर्ताओं ने लगाया नारा- नेताजी अमर रहें

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी में 3 दिन के शोक की घोषणा की है। वे सोमवार को ही सैफई पहुंचे थे और मुलायम के अंतिम दर्शन किए। बिहार में भी एक दिन का राजकीय शोक था।

मेदांता में सोमवार सुबह 8 :16 बजे निधन के बाद जब नेताजी का शव सैफई लाया गया तो घर पर हजारों कार्यकर्ता जमा हो गए। रात से लेकर सुबह तक नारे लगते रहे- नेताजी अमर रहें। फिर सुबह पार्थिव देह मेला ग्राउंड लाई गई ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग मुलायम सिंह के अंतिम दर्शन कर सकें। यहां लाखों की तादाद में लोग पहुंचे।

बिहार : पूर्णिया एसपी पर मनी लांड्रिंग के चार्ज, जब्त होगी संपत्ति

90 लाख की प्रॉपर्टी और 63 लाख की ज्वेलरी मिली, बिल्डर ने खपाई काली कमाई

पटना। पूर्णिया के एसपी दया शंकर बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार कर रहे थे। छापेमारी में 90 लाख की प्रॉपर्टी और 63 लाख की ज्वेलरी मिली। काली कमाई करने और उसे खपाने में कई लोग इनका साथ दे रहे थे।

जिसमें पूर्णिया सदर के थानेदार संजय कुमार सिंह, एसपी के रीडर नीरज कुमार सिंह, टेलिफोन ड्यूटी करने वाला कांस्टेबल सावन कुमार और पटना के बिल्डर संजीव कुमार शामिल हैं।

स्पेशल विजिलेंस यूनिट ने उनके पटना से लेकर पूर्णिया तक में कुल 7 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। मंगलवार को किए गए इस बड़ी कार्रवाई में SVU की टीम के हाथ काफी कुछ लगा। बड़े अधिकारी के अनुसार बिल्डर के साथ मिलकर एसपी दया शंकर मनी लांड्रिंग का खेल खेल रहे थे। आगे चलकर SVU इनकी संपत्ति को जब्त कर सकती है।

90 लाख की प्रॉपर्टी और 63 लाख की ज्वेलरी मिली

SVU की टीम ने दया शंकर के पूर्णिया में सरकारी आवास के साथ ही पटना में खरीदे गए इनके दो फ्लैट और एक दुकान को भी खंगाला। प्रॉपर्टी को इन्होंने खुद के, अपनी पत्नी और

बिल्डर संजीव कुमार के नाम पर खरीद रखा है। एक फ्लैट दानापुर के सिकंदरपुर में स्थित विनसम एम्पायर तो दूसरा पटना के रामजयपाल रोड में सुक्षा प्रेसीडेंसी अपार्टमेंट में है। प्रॉपर्टी खरीदने और उसे डेकोरेट करने पर करीब 90 लाख का इंवेस्टमेंट किए जाने की बात सामने आई है।

SVU के अनुसार IPS अधिकारी की पत्नी हाउस वाइफ हैं। इसके बाद भी दया शंकर और उनकी पत्नी के बैंक अकाउंट में कुल 18,15,939 रुपए जमा मिले हैं। जबकि, सरकारी नौकरी करते हुए दया शंकर की सैलरी के रूप में अब तक की कुल कमाई 1,09,47,691 रुपए है।

2016 से ही चल रहा काली कमाई का खेल

दया शंकर बिहार कैडर के 2014 बैच के IPS अधिकारी हैं। शुरुआत में ये भोजपुर जिले के जगदीशपुर और भोजपुर में SDPO रह चुके हैं। इसके बाद शेखपुरा के एसपी बने। वर्तमान में पूर्णिया के एसपी हैं। आरोप है कि ये साल 2016 से ही भ्रष्टाचार करते आ रहे हैं। इनके काले कारनामों की जानकारी जब SVU को हुई तो जांच शुरू हो गई। तब 71,14,666 रुपए के आय से अधिक संपत्ति का FIR नंबर 13/22, 10 अक्टूबर को दर्ज किया गया। इसके बाद आज छापेमारी हो गई।

देशमुख की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट की मुहर, ईडी की याचिका की खारिज

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) मामले में महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को जमानत देने के बम्बई उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका मंगलवार को खारिज कर दी।

न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने प्रवर्तन निदेशालय की याचिका पर यह कहते हुए विचार करने से इनकार कर कि उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं है।

पीठ ने हालांकि स्पष्ट किया कि चूंकि उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में सिर्फ इस तथ्य पर विचार किया कि देशमुख जमानत के हकदार हैं या नहीं। इस वजह से उच्च न्यायालय के आदेश का ईडी के मुकदमे या किसी अन्य कार्यवाही पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

पीठ ने कहा, हम स्पष्ट करते हैं कि वो मुकदमे या किसी अन्य कार्यवाही के गुण-दोष को प्रभावित नहीं करेंगे।

देशमुख और उनके कई सहयोगियों पर 2019-21 के दौरान हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच की जा रही है। वकील डॉ जयश्री पाटिल की एक शिकायत की प्रारंभिक जांच के निष्कर्षों के आधार पर सीबीआई ने देशमुख और अज्ञात अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। सीबीआई की इस प्राथमिकी के आधार पर बाद में ईडी ने देशमुख के खिलाफ पीएमएलए के मामला दर्ज किया। नवंबर 2021 में उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

जम्मू-कश्मीर के 8 जिलों में एनआईए की रेड

टेरर फंडिंग से जुड़े मामले में कार्रवाई, अल हुडा एजुकेशनल ट्रस्ट के ठिकानों की तलाशी

एजेंसी

श्रीनगर। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने मंगलवार को टेरर फंडिंग से जुड़े मामले में जम्मू-कश्मीर के 8 जिलों में छापेमारी की है। जांच एजेंसी ने राजौरी, पुंछ, जम्मू, श्रीनगर, पुलवामा, बडगाम, शोपियां और बांदीपोरा जिलों में कई ठिकानों की तलाशी ली।

एनआईए ने जम्मू-कश्मीर में अल हुडा एजुकेशनल ट्रस्ट की संदिग्ध गतिविधियों और टेरर फंडिंग से जुड़े मामले में यह कार्रवाई की है। जम्मू-कश्मीर पुलिस और CRPF के साथ मिलकर एनआईए के अफसरों ने ट्रस्ट के सदस्यों के घरों की तलाशी ली।

एनआईए ने राजौरी के अल हुडा एजुकेशनल ट्रस्ट के फंडिंग पैटर्न और

संदिग्ध गतिविधियों को संज्ञान में लेते हुए मामला दर्ज किया गया था। यह ट्रस्ट अलगाववादी संगठन जमात-ए-इस्लामी के फ्रंटल यूनिट के तौर पर काम करता है।

जमात-ए-इस्लामी को 2019 में यूएपीए के तहत एक गैरकानूनी संगठन घोषित किया जा चुका है। एनआईए की कई टीमों ने इनपुट के आधार पर ये छापेमारी की।

लोकल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एनआईए ने बांदीपोरा के प्रसिद्ध धार्मिक उपदेशकों दारुल उलूम रहीमिया, मौलाना रहमतुल्लाह कासमी और NIT श्रीनगर के प्रोफेसर समम अहमद लोन के घर पर छापेमारी की है। सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षा एजेंसियों को इनपुट मिला था कि अल हुडा एजुकेशनल ट्रस्ट को अरब देशों से हवाला के जरिए पैसा आ रहा है।

गडकरी ने हाईब्रिड फ्लैक्सी ईंधन वाहनों की पायलट परियोजना शुरू की

नयी दिल्ली। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हाईब्रिड आधारित फ्लैक्शी ईंधर के वाहनों से जुड़ी एक पायलट परियोजना की शुरुआत की है। गडकरी ने मंगवार को एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश में फ्लैक्सी-फ्यूल स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल्स-एफएफवी-एसएचईवी पर टोयोटा की अपनी तरह की पहली पायलट परियोजना की शुरुअत की गई है जो 100 फीसद पेट्रोल के साथ-साथ 20 से 100 प्रतिशत मिश्रित इथेनॉल तथा बिजली से चलेंगे। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लिए कृषि विकास दर में 06 से 08 प्रतिशत की वृद्धि आवश्यक है।

यूपी : बदायूं में वन स्टाप सेंटर से 3 किशोरियां लापता

ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर 3 महिला सिपाहियों को किया सस्पेंड, देर शाम तीनों बरामद

बदायूं। बदायूं के जिला महिला अस्पताल में स्थित 1 स्टॉप सेंटर में ठहरीं 3 किशोरियां सोमवार रात किसी वक्त लापता हो गईं। इसकी जानकारी तब हुई जब मंगलवार सुबह गिनती हुई। यह जानकारी सामने आते ही अधिकारियों के हाथ पैर फूल गए। आनन फानन में अधिकारियों को जानकारी दी गई। 3 किशोरियों को प्रशासन ने मंगलवार देर शाम बरामद कर लिया।

जानकारी मिलने के बाद डीएम दीपा रंजन और एसएसपी डॉ ओपी सिंह ने भी घटनास्थल का मुआयना किया। सुरक्षा में लापरवाही बरतने पर तीन महिला सिपाहियों को सस्पेंड कर दिया गया है। उनके खिलाफ ड्यूटी में लापरवाही का मुकदमा भी दर्ज किया

गया है। फिलहाल डीएम ने विभागीय जांच जिला राजस्व अधिकारी को सौंपी है।

दरअसल, शासनस्तर से जिला महिला अस्पताल में 1 स्टॉप सेंटर बनाया गया है। यहां बहलाकर ले जाई गई और रेप पीड़िताओं के ठहरने की व्यवस्था की गई है। पीड़िता की बरामदगी से लेकर अदालत में उसका बयान दर्ज कराने तक उसे इसी सेंटर में ठहराया जाता है। जिस थाने की पीड़िता होती है उनकी सुरक्षा में वहां की एक महिला सिपाही भी तैनात की जाती है।

अलग अलग इलाकों की हैं किशोरियां

लापता हुई किशोरियों में एक सहसवान, एक दातागंज तो एक वजीरगंज थाना क्षेत्र की रहने वाली हैं। इन्हें पिछले दिनों पुलिस ने बरामद किया था। सभी को बहलाकर ले जाने के मुकदमे संबंधित थानों में दर्ज हैं। ये सभी तकरीबन सप्ताहभर के भीतर यहां लाई गई थीं।

पहले भी हुई है घटना

पिछले दिनों अगस्त में नेकपुर मोहल्ले में बने शेल्टर होम से भी दो किशोरियां लापता हो चुकी हैं। इस घटना की रिपोर्ट शासन तक पहुंची तो शेल्टरहोम बंद कर दिया गया और बाकी की लगभग 24 किशोरी व युवतियां लखनऊ और मेरठ के शेल्टर होम भेजी गईं।

डीएम ने बताया कि सिपाहियों को सस्पेंड किया गया है। वहीं देर शाम तीनों किशोरियों को प्रशासन ने बरामद कर लिया है।

अमानवीय बर्ताव

आरोपी ने 15 दिन बंधक बनाकर रखा, मारपीट की; महिला का मिसकैरेज

कर्नाटक में 16 दलित मजदूरों के साथ अमानवीय बर्ताव

बेंगलुरु। कर्नाटक के चिकमगलूर में जगदीश गौड़ा नाम के शख्स पर 16 दलितों को बंधक बनाने और उनके साथ अमानवीय बर्ताव करने का आरोप लगा है। पुलिस के मुताबिक इन लोगों में शामिल एक महिला का मारपीट के चलते मिसकैरेज हो गया। महिला का फिलहाल जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

जगदीश गौड़ा और उसके बेटे तिलक गौड़ा के खिलाफ स्ट-स्ज्ञ एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। दोनों आरोपी फिलहाल फरार हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों भाजपा समर्थक हैं और ये मजदूर उनके पास कॉफी प्लांटेशन में काम कर रहे थे।

भाजपा ने आरोपी से खुद को दूर किया

भाजपा ने इस मामले से खुद को दूर कर लिया है। पार्टी प्रवक्ता ने जगदीश को भाजपा सदस्य या लीडर बताने वाले दावों को खारिज कर दिया है। वरसिद्धि वेणुगोपाल ने कहा, 'न तो जगदीश पार्टी कार्यकर्ता है और न ही सदस्य है। वह सिर्फ एक समर्थक है। वह किसी भी अन्य वोटर जैसा है।'

लोन नहीं चुका पाए तो जगदीश ने बंधक बना लिया

पुलिस के मुताबिक ये सभी दलित

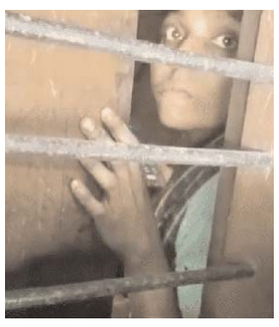

मजदूर कर्नाटक के जेणुगड्डे गांव में जगदीश के कॉफी प्लांटेशन में दिहाड़ी पर काम करते थे। इन्होंने जगदीश से 9 लाख रुपए का लोन लिया था। जब मजदूर लोन नहीं चुका पाए तो जगदीश ने उन्हें बंधक बना लिया।

15 दिन से कैद में थे 16 मजदूर

इस मामले की जांच कर रहे अफसर ने बताया कि जब वे कॉफी प्लांटेशन पहुंचे तो वहां उन्हें एक कमरे में कई लोग बंद मिले। उस जगह चार परिवारों के 16 लोगों को 15 दिनों से कैद करके रखा गया था। ये सभी मजदूर पिछड़ी जातियों के थे। पुलिस ने वहां से सभी लोगों को बाहर निकाला।

दो माह की गर्भवती का मिसकैरेज हुआ

अर्पिता नाम की महिला ने बताया कि जगदीश ने उसे एक दिन के लिए कमरे में बंद रखा। उनके साथ मारपीट की और गालियां दीं। जगदीश ने उसका फोन भी छीन लिया। उसने उसके पति और बेटी को भी मारा। इतना ही नहीं, अर्पिता दो महीने की गर्भवती थी, मारपीट के चलते उनका मिसकैरेज हो गया।

चिकमगलूर पुलिस की एसपी उमा प्रशांत ने बताया कि मजदूरों के परिवारों ने जो शिकायत लिखवाई है, उसके मुताबिक मजदूरों ने जगदीश से पैसे उधार लिए थे। कुछ मजदूर पैसे लेकर अपने घर चले गए, इसलिए जगदीश ने बाकियों को ताले में बंद कर दिया।

मुसीबत के समय एक दूसरे की मदद के लिए तंत्र विकसित करना जरूरी : मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को मुसीबत तथा आपदाओं के समय एक दूसरे की परस्पर मदद तथा सहयोग करने के लिए एक व्यवस्थित तंत्र बनाना चाहिए।
मोदी ने मंगलवार को हैदराबाद में आयोजित संयुक्त राष्ट्र विश्व भू-स्थानिक अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस को वीडियो कांफ्रेन्स से संबोधित करते हुए कहा कि इस सम्मेलन के विषय, ग्लोबल विलेज को भू-सक्षम बनाना: कोई भी पीछे न रहे को भारत द्वारा पिछले कुछ वर्षों में उठाए गए कदमों के रूप में देखा जा सकता है। उन्होंने कहा, हम अंत्योदय के विजन पर काम कर रहे हैं, जिसका अर्थ है मिशन मोड

में विकास के सिरे पर खड़े अंतिम व्यक्ति को सशक्त बनाना ।प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के 45 करोड़ लोग जिनके पास बैंकिंग सुविधा नहीं थी, उन्हें बैंकिंग नेट के तहत लाया गया है और 13 करोड़ से अधिक लोगों को बीमा सुविधा दी गयी है। भारत यह सुनिश्चित कर रहा है कि कोई भी पीछे न रहे।
प्रधानमंत्री ने प्रौद्योगिकी के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी और प्रतिभा दो स्तंभ हैं जो देश की विकास यात्रा की कुंजी हैं। प्रधानमंत्री ने सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जैम ट्रिनिटी का हवाला देते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी अपने साथ परिवर्तन लेकर आयी है और इससे 80 करोड़ लोगों को निर्बाध रूप से लाभ पहुंचा है। प्रौद्योगिकी ने ही देश को दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान को संचालित करने वाला तकनीकी प्लेटफार्म मुहैया कराया है। उन्होंने कहा, भारत में प्रौद्योगिकी अलगाव का नहीं, समावेश का माध्यम है। उन्होंने समावेश और विकास को आगे बढ़ाने में भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी की भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

शार्ट न्यूज

असम में तेज रफ्तार राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आए दो हाथी, दर्दनाक मौत

नई दिल्ली। असम के जोरहाट जिले में टीताबार के पास तेज रफ्तार राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से एक मादा हाथी और उसके बच्चे की मौत हो गयी। अधिकारियों ने कहा कि मादा हाथी 22 साल की थी और बच्चा हाथी की उम्र 10 महीना थी। इस घटना में एक अन्य हाथी भी घायल हुआ है। जिसकी हालत नाजुक बनी हुई है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार घटना रविवार रात की है लेकिन हाथियों की सोमवार को रात भर तड़पते रहने से मौत हो गई। वन विभाग के अधिकारियों का दावा है कि हाथियों की आवाजाही के बारे में स्थानीय रेलवे अधिकारियों को सचेत करने के लिए व्हाट्सएप संदेश भेजे गए थे। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के अधिकारियों ने कहा कि राजधानी एक्सप्रेस सिर्फ 50 किमी प्रति घंटे से थोड़ा अधिक की थी और लोको पायलट आपातकालीन ब्रेक लगाने के बावजूद हाथियों को नहीं बचा सके। उन्होंने यह भी कहा कि चूंकि घटना रात करीब 11 बजे हुई थी, इसलिए साफ तरीके से नजर नहीं आया। उधर, रेलवे विभाग ने अभी तक इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

कश्मीर में हल्का हिमपात

श्रीनगर। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर श्रीनगर-लद्दाख राजमार्ग पर जोजिला पहाड़ों सहित घाटी के ऊपरी इलाकों में हल्के हिमपात और मैदानी इलाकों में बारिश होने से मंगलवार को तापमान में गिरावट आई। मौसम वेधशाला के अधिकारी फैजान आरिफ ने बताया कि जोजिला पहाड़ों और गुलमर्ग के ऊंचे इलाकों में हल्का हिमपात हुआ है, जबकि पहलगाम, काजीगुंड, बनिहाल, गुलमर्ग और अन्य हिस्सों में बारिश हुई है। राजधानी श्रीनगर में बादल छाए रहने के साथ हल्की-हल्की ठंडी हवाएं चल रही हैं। डल झील के किनारे बुलेवार्ड रोड पर स्थानीय लोगों और पर्यटकों को ऊनी कपड़ों में देखा गया। मौसम विभाग ने बताया कि अगले 24 घंटों के दौरान, जम्मू-कश्मीर के कुछ स्थानों पर हल्की बारिश और गरज के साथ मुख्य रूप से शुष्क मौसम बना रहने के आसार हैं। आगामी 17 अक्टूबर तक मौसम में बड़े बदलाव के अनुमान नहीं है। श्रीनगर में मंगलवार को न्यूनतम 9.4 डिग्री सेल्सियस, गुलमर्ग में 3.5 डिग्री सेल्सियस और पहलगाम में पारा 6.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आईएएफ उधमपुर बुधवार को हवाई करतब दिखाने के लिए तैयार

जम्मू। जम्मू कश्मीर में उधमपुर वायुसेना स्टेशन की गौरवशाली हीरक जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय वायुसेना द्वारा बुधवार को आयोजित एयर शो में अपने करतब दिखाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उत्तरी कमान के रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल अभिनव नवनीत ने कहा कि वायुसेना मुख्यालय कमांडिंग जम्मू कश्मीर और लद्दाख मुख्यालय में हीरक जयंती मनाने के लिए अपनी तरह का पहला शो आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वायुसेना जम्मू कश्मीर और लद्दाख में चीन और पाकिस्तान से सटी सीमाओं पर दुर्गम इलाकों में अपनी क्षमता का प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि उधमपुर में फ्लाईपास्ट की योजना बनाई गई है जिसमें आम लोगों को भी आने की अनुमति दी जाएगी। इसमें अपाचे, एसयू30, एमआई 17, मिग 29, जगुआर, चिनूक और राफेल विमान अपना प्रदर्शन करेंगे। कर्नल नवनीत ने कहा कि हवाई करतब में परिवहन, हमला, निगरानी और बचाव अभियान का प्रदर्शन किया जाएगा और इसका मकसद मुख्यालय और क्षेत्र में इसके कार्य के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि एएफसी- 130जे सुपर हरक्यूलिस द्वारा डकोटा लैंडिंग भी प्रदर्शन का हिस्सा होगा।

नैनीताल जिले के सुदूरवर्ती 25 गांव जल्द जुड़ेंगे मोबाइल नेटवर्क से

नैनीताल। उत्तराखंड के नैनीताल जनपद के पर्वतीय क्षेत्रों के दूरस्थ गाँव जल्द ही मोबाइल नेटवर्क से जुड़ेंगे। शासन की ओर से फिलहाल 25 ग्रामों को शीघ्र ही मोबाइल नेटवर्क से जोड़ने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी धीरज सिंह गर्ब्याल ने बताया कि पर्वतीय क्षेत्रों के जिन दूरस्थ गांवों में मोबाइल कनेक्टिविटी उपलब्ध नहीं है उन्हें शासन की ओर से राइट ऑफ वे पालिसी के तहत मोबाइल नेटवर्क से जोड़ने की योजना है। उन ग्रामों में मोबाइल टावर स्थापित किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे गांवों का चिन्हीकरण कर लिया गया है। प्रथम चरण में सुदूरवर्ती रौखड़, अधौड़ा, पदमपुर काकोरे, पटरानी, कोंता, आमतोली, गोरिया देव, गडगड़िया रेंज, नाइसेला, भादुनी, अनरोडी, अमदाउ, पंगकटरा, बसानी, कुंडल, रिखोली, बहरीन रेंज, सिमली मल्ली, फागुनियाखेत गांवों में मोबाइल टावर स्थापित किये जायेंगे। शासन के निर्देश पर सभी उपजिलाधिकारियों को मोबाइल टावर के लिए 2000 वर्ग फीट भूमि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही भारत संचार निगम लिमिटेड को भी संबद्ध गांवों का स्थलीय निरीक्षण कर यथाशीघ्र मोबाइल टावर स्थापित किये जाने के निर्देश दिए गए हैं।

ग्राम विकास अधिकारी 40 हजार रूपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

उदयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने उदयपुर जिले की झाडोल तहसील की गोराणा ग्राम पंचायत के ग्राम विकास अधिकारी भेरूलाल को 40 हजार रूपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। ब्यूरो के उपहानिरीक्षक राजेन्द्र प्रसाद गोयल ने बताया कि परिवादी द्वारा ब्यूरो में शिकायत कि की उसकी पत्नी द्वारा ग्राम पंचायत गोराणा में आपूर्ति की गई निर्माण सामग्री के बिलो को ऑनलाईन दर्ज करवाने की एवज में ग्राम विकास अधिकारी भैरूलाल 60 हजार रूपए की रिश्वत की मांग की जा रही है। ब्यूरो टीम द्वारा शिकायत का सत्यापन करवाने के बाद आज ट्रैप की कार्यवाही करते हुये आरोपी ग्राम विकास अधिकारी भैरूलाल मेघवाल को परिवादी से 40 हजार रूपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है। आरोपी को कल न्यायालय में पेश किया जायेगा।

पंजाब के नदियों के पानी को लेकर भगवंत मान हरियाणा से कतई बात न करें : बादल

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल ने मुख्यमंत्री भगवंत मान को आगाह किया है कि वह पंजाब की नदियों के पानी के मामले को दोनों राज्यों पंजाब और हरियाणा के बीच बातचीत का मुद्दा बनाने की गलती न करें। शिअद के प्रधान सुखबीर बादल ने मंगलवार को यहां कहा कि हैरानी की बात है कि मुख्यमंत्री मान ने इस मामले पर हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के साथ बातचीत करने से पहले राज्य सरकार का रूख स्पष्ट नहीं किया। नदी जल को लेकर पंजाब का विशेष अधिकार है और हरियाणा को गैर रिपेरियन राज्य होने के नाते इस मामले में हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं। इसलिये नदी जल को लेकर हरियाणा के साथ चर्चा करने का सवाल ही पैदा नहीं होता। श्री बादल ने कहा कि कोई भी देश रिपेरियन अधिकारों के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत सिद्धांत के खिलाफ नहीं जा सकता है। यदि गैर-रिपेरियन हरियाणा को पंजाब के नदी जल में हिस्सेदारी मांगने की अनुमति दी जाती है तो तमिलनाडु , बंगाल, केरल को रावी सतलुज और ब्यास नदियों के पानी की मांग करने से कौन रोक सकता है।

जनता को सरकारी सेवाएं समय पर मिलें : खट्टर

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सभी प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सरकारी विभाग जनता से जुड़ी सभी सेवाओं को जल्द से जल्द ऑटो अपील सिस्टम में जोड़ें। उन्होंने कहा कि इस काम को तेजी से किया जाए ताकि आम जनता को ज्यादा से ज्यादा सुविधा मिल सके। जनता को सरकारी सेवाएं समय पर मिले यह सरकार और कर्मचारी दोनों का प्राथमिक दायित्व है। मुख्यमंत्री मंगलवार को सेवा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत ऑटो अपील सिस्टम से जुड़ी समीक्षा बैठक में बोल रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी सेवाओं को ऑटो अपील सिस्टम में जोड़ने के लिए सरकारी अधिकारी तत्परता से कार्य करें।

शिंदे को मिला ढाल के साथ दो तलवार का निशान

आदित्य ठाकरे बोले- 40 गद्दार हमारी पहचान छीनने की कोशिश कर रहे

मुंबई। शिवसेना में विवाद के बीच अब एकनाथ शिंदे को भी चुनाव आयोग से नया सिंबल मिल गया है। आयोग ने शिंदे गुट को ढाल के साथ दो तलवार नया चुनाव चिह्न प्रदान किया है। इसी सिंबल के साथ शिंदे गुट आगामी अंधेरी ईस्ट विधानसभा उपचुनाव में मैदान में उतरेगी। शिंदे गुट को सोमवार को ही शिवसेना (बालासाहेबांची) नाम मिल चुका है।

आदित्य बोले- बालासाहेब कई, ठाकरे एक ही

चुनाव आयोग से शिंदे गुट को शिवसेना नाम मिलने पर आदित्य ठाकरे ने हमला बोला है। एक इंटरव्यू में आदित्य ने कहा- बालासाहेब तो देश में बहुत सारे हैं पर उद्धव बालासाहेब ठाकरे देश में एक ही है, जो सबको जोड़ता है। आदित्य ने आगे कहा- शिवसेना के 40 गद्दार हमसे हमारा नाम और हिंदुत्व की पहचान छीनने की कोशिश कर रहे हैं।

उद्धव का सिंबल मशाल, तीर-कमान फ्रीज

चुनाव आयोग ने सोमवार को उद्धव गुट को शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे नाम और मशाल निशान दिया था। 8 अक्टूबर को आयोग ने दोनों गुट के बीच लड़ाई को देखते हुए तीर-कमान का सिंबल फ्रीज कर दिया। आयोग ने फैसले में कहा- शिवसेना के मूल नाम पर फैसला आने तक कोई भी गुट पार्टी के नाम का इस्तेमाल नहीं कर सकता है।

उद्धव ने आयोग को दिए थे ये तीन नाम और निशान

उद्धव ठाकरे ने जानकारी दी थी कि उप चुनाव के लिए उन्होंने चुनाव आयोग को तीन नाम और तीन निशान के विकल्प दिए थे। निशान में त्रिशूल, उगता सूरज और मशाल शामिल थे। वहीं, पार्टी के नाम शिवसेना बाला साहेब ठाकरे, शिवसेना बालासाहेब प्रबोधनकर ठाकरे, शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे दिए गए थे। वहीं शिंदे ने भी त्रिशूल, उगता सूरज और गदा चुनाव चिह्न मांगे थे। उन्हें आयोग ने इन तीनों में से कोई भी सिंबल नहीं दिए।

वजह ये कि उगता सूरज DMK का चुनाव चिह्न है, वहीं त्रिशूल और गदा को धार्मिक चिह्न बताते हुए आयोग ने देने से इनकार कर दिया।

3 नवंबर को है अंधेरी ईस्ट विधानसभा का उपचुनाव

महाराष्ट्र की अंधेरी ईस्ट सीट शिवसेना विधायक रमेश लटके के निधन के बाद से खाली है, इसलिए इस सीट पर उपचुनाव हो रहे हैं। चुनाव 3 नवंबर को होंगे। 14 अक्टूबर नामांकन की आखिरी तारीख है। 17 अक्टूबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। 6 नवंबर को रिजल्ट आएंगे। उद्धव ठाकरे गुट उपचुनाव लड़ रहा है। शिंदे गुट की सहयोगी भाजपा ने भी चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

एनआईए की छापेमारी में एएचईटी के अध्यक्ष गिरफ्तार

श्रीनगर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को राजौरी स्थित अल हुदा एजुकेशनल ट्रस्ट की संदिग्ध गतिविधियों से संबंधित एक मामले में जम्मू कश्मीर के 18 स्थानों पर छापेमारी की और एएचईटी के अध्यक्ष (निजाम-ए-अला) अमीर शमशी को गिरफ्तार किया।

एनआईए के अधिकारियों ने बताया कि ये छापेमारी राजौरी, पुंछ, जम्मू, श्रीनगर, पुलवामा, बडगाम, शोपियां और बांदीपोरा जिलों में की गई। एनआईए प्रवक्ता के अनुसार, एनआईए ने अल हुदा एजुकेशनल ट्रस्ट के फंडिंग स्वरूप और गतिविधियों पर स्वत संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया था, जो जमात-ए-इस्लामी जम्मू कश्मीर के एक फ्रंटल इकाई के रूप में काम करता है, जिसे 2019 में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) संशोधन अधिनियम के अंतर्गत गैरकानूनी संगठन घोषित किया गया था। प्रवक्ता ने कहा कि अमीर शमशी को एएचईटी, राजौरी की आपराधिक गतिविधियों से संबंधित मामले में गिरफ्तार किया गया है और जांच से पता चला है कि वह ट्रस्ट के मुख्य संरक्षक के निर्देश पर काम करता है।

एनआईए ने कहा कि जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) जम्मू-कश्मीर को यूएपी अधिनियम के अंतर्गत गैरकानूनी संगठन घोषित किया गया तब से वह अपने फ्रंटल संगठनों के माध्यम से अपनी गतिविधियों को अंजाम दे रहा है। एनआईए ने कहा कि छापेमारी के दौरान कई मोबाइल और फंडिंग, प्रॉपर्टी से जुड़े हुए दस्तावेज बरामद किए गए हैं और मामले की जांच चल रही है। सूत्रों के अनुसार, बांदीपोरा में दारुल उलूम रहीमिया के संस्थापक और प्रमुख धार्मिक विद्वान मुफ्ती रहमतुल्ला कासमी और राष्ट्रीय प्रशिक्षण संस्थान (एनआईटी) श्रीनगर के एक प्राध्यापक के घर पर भी छापेमारी की गई। हालांकि, कासमी के घर पर छापेमारी के संदर्भ में एनआईए का कोई आधिकारिक बयान अबतक सामने नहीं आया है।

ओडिशा में अर्चना नाग हनी ट्रैप मामले की सीबीआई जांच की मांग

भुवनेश्वर। ओडिशा भाजपा महिला मोर्चा ने मंगलवार को अर्चना नाग हनी ट्रैपिंग और ब्लैकमेलिंग मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग की है।

ओडिशा भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष स्मृति पटनायक ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) इस मामले को दबाने की कोशिश कर रही है क्योंकि इसमें पार्टी के कई नेता और मंत्री शामिल हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कई वर्षों से सत्तारूढ़ पार्टी के संरक्षण में प्रभावशाली लोगों को हनी ट्रैप और ब्लैकमेल करने का काम चल रहा है। पुलिस ने 28 वर्षीय अर्चना नाग को प्रभावशाली लोगों को ब्लैकमेल करने और उनसे करोड़ों रुपये वसूल करने के आरोप में पिछले छह अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। उसके घर से उसका मोबाइल, लैपटॉप, पेन ड्राइव और कंप्यूटर भी जब्त किया गया था। उड़िया फिल्म निर्माता ने उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया था और अपनी प्राथमिकी में आरोप लगाया था कि अर्चना ने धमकी दी है कि अगर उन्होंने उसे तीन करोड़ रुपये नहीं दिए तो उसके साथ एक लड़की की अश्लील तस्वीरों को वायरल करके उनके करियर और प्रतिष्ठा को खराब कर दिया जाएगा।

भाजपा नेता ने इस मामले में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, प्रभावशाली लोगों और नौकरशाहों के शामिल होने का आरोप लगाया।

लाखों रुपए कीमत की स्मैक सहित यूपी का तस्कर देहरादून में गिरफ्तार

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आह्वान पर राज्य पुलिस द्वारा संचालित अभियान में देहरादून पुलिस ने उत्तर प्रदेश के रहने वाले एक तस्कर को 124.80 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। बरामद स्मैक की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग 12 लाख रुपये है। पुलिस प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि सोमवार रात्रि लगभग नौ बजे चौकी प्रभारी आईएसबीटी के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा महाराणा पार्क हरिद्वार रोड के पास से चैकिंग के दौरान, शक के आधार पर एक व्यक्ति को रोककर चेक किया गया। आरिफ मलिक पुत्र अनवर मलिक निवासी बिहारीगढ़, ग्राम थापुल सहारनपुर, उ0प्र0, नामक इस युवक के पास से 124.80 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई।

लड़कियों की शादी मामले में केन्द्र, राज्य को जवाब देने के लिये मिला अंतिम मौका

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने लड़कियों की शादी की उम्र में असमानता, बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 में संशोधन करने और एक समान कानून की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर मंगलवार को सुनवाई करते हुए केन्द्र व राज्य सरकार को अंतिम मौका देते हुए 16 नवम्बर तक जवाब पेश करने को कहा है। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी व न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की युगलपीठ में हुई। इस मामले को यूथ बार एसोसिएशन आफ इंडिया की ओर से एक जनहित याचिका के माध्यम से चुनौती दी गयी है। याचिकाकर्ता की ओर से आज अदालत को बताया गया कि केन्द्र सरकार व राज्य सरकार इस मामले में जवाब पेश नहीं कर रही है।

अदालत ने इसे गंभीरता से लिया और दोनों को अंतिम मौका देते हुए 16 नवम्बर तक जवाब पेश करने के निर्देश दिये हैं। अदालत ने यह भी कहा कि यदि सरकार इस मामले में जवाब पेश नहीं करती है तो अदालत संबद्ध मामलों के सचिव को भी पेश होने का निर्देश देने में नहीं हिचकेगी। यूथ बार एसोसिएशन की ओर से इसी साल एक जनहित याचिका दायर कहा गया कि कुछ धर्मों में पर्सनल लॉ के नाम पर 18 साल के कम उम्र की लड़कियों को शादी की अनुमति है। अध्ययनों से साफ है कि लड़कियों की कम उम्र में शादी करने से अधिकांशत: मां व बच्चे के स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ता है।

ऐसे मामलों में शिशु मृत्यु दर भी अधिक देखेने को मिली है। याचिकाकर्ता की ओर से यह भी कहा गया कि एक ओर केन्द्र सरकार 18 साल से कम उम्र की लड़कियों के यौन शोषण को कूाननी अपराध मानती है और उसके खिलाफ यौन शोषण संरक्षण अधिनियम (पोक्सो) जैसा सख्त कानून बनाया गया है। दूसरी ओर पर्सनल लॉ के नाम पर 18 साल से कम उम्र की लड़कियों को शादी की अनुमति दी जा रही है।

सहायक अध्यापकों की भर्ती का रास्ता हुआ साफ, याचिकायें खारिज

नैनीताल। उत्तराखंड में सहायक शिक्षकों (एलटी) संवर्ग के शिक्षकों की भर्ती का रास्ता अब साफ हो गया है। उच्च न्यायालय ने इससे संबंधित सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया है जबकि दो याचिकाकर्ताओं के मामलों में अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को पुन: तीन सदस्यीय विशेषज्ञ समिति गठित करने के निर्देश दिये हैं। उच्च न्यायालय के इस कदम से भर्ती प्रक्रिया में लंबे समय से आये ठहराव को गति मिल सकेगी। दरअसल सुनीता सहित तीस याचिकाकर्ताओं की ओर से अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) के कदम को उच्च न्यायालय में चुनौती दी गयी। याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि आयोग की ओर से 13 अक्टूबर, 2020 को हिन्दी, शारीरिक शिक्षा और सामान्य विषयों के रिक्त पदों को भरने के लिये विज्ञप्ति जारी की गयी।

लिखित परीक्षा के बाद आयोग की ओर से उत्तर कुंजी जारी की गयी। साथ ही आयोग की ओर से उस पर आपत्तियां भी मांगी गयीं। इसके बाद आयोग की ओर से आपत्तियों को विशेषज्ञ समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। विशेषज्ञ समिति की संस्तुति के बाद नयी उत्तर कुंजी जारी दी गयी।

याचिकाकर्ताओं की ओर से दूसरी उत्तर कुंजी को चुनौती देते हुए कहा गया कि 14, 24, 30, 74 एवं 75वें प्रश्न के उत्तर पहले के मुकाबले दूसरी उत्तर कुंजी में गलत दर्शाये गये हैं। इससे उन्हें नुकसान उठाना पड़ रहा है। याचिकाकर्ताओं की ओर से प्रथम उत्तर कुंजी के आधार पर ही परीक्षा परिणाम जारी करने की मांग अदालत से की गयी। इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की एकलपीठ में हुई। दूसरी ओर आयोग के अधिवक्ता पंकज पुरोहित की ओर से तर्क दिया गया कि इस मामले में तय प्रावधानों का पालन किया गया है। प्रथम उत्तर कुंजी जारी होने के बाद आपत्तियां मांगी गयीं और उन्हें विशेषज्ञ समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया है और उसी के आधार पर अंतिम उत्तर कुंजी जारी की गयी है। इसलिये विशेषज्ञ समिति के निर्णय को गलत ठहराना यथोचित नहीं है। इस मामले में आयोग की ओर से उच्चतम न्यायालय के कई निर्णयों का हवाला भी दिया गया।

अदालत ने इससे पूर्व इन विषयों के परिणाम घोषित करने पर रोक लगा दी थी। अधिवक्ता वीरन्द्र रावत और ललित सामंत ने बताया कि अंत में अदालत ने विशेषज्ञ समिति के निर्णय को सही ठहराते हुए सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया और जयलक्ष्मी राणा और एक अन्य के मामले में प्रश्न पुस्तिका सीरिज बी के प्रश्न संख्या 30 तथा प्रश्न पुस्तिका सीरीज ए के प्रश्न संख्या 15 के मामले में आयोग को दो सप्ताह तीन सदस्यीय विशेषज्ञ समिति गठित करने और समिति को तीन सप्ताह में निर्णय लेने के निर्देश दिये हैं।

केरल में महंगाई और संसाधनों की कमी से लोगों की बढ़ रही मानसिक बीमारी

तिरुवनंतपुरम। एक सर्वेक्षण में खुलासा हुआ है कि केरल में बढ़ती मंहगाई और संसाधनों की कमी के कारण लोगों की मानसिक बीमारी बढ़ती जा रही है। मनश्चिकित्सा और व्यवहार चिकित्सा सहयोगी सलाहकार डॉ. मिगिता डिक्रूज़ ने बताया कि 2021 में प्रकाशित एक अध्ययन में राष्ट्रीय और राज्य स्तर के जनसंख्या सर्वेक्षणों के आंकड़ों को एकत्रित किया, जिसमें 2002 में एक लाख लोगों का सर्वेक्षण किया गया जिसमें 272 लोग मानसिक तौर पर बीमार थे और जब 2018 में दोबारा से एक लाख लोगों का सर्वेक्षण किया गया, तब चार सौ लोग मानसिक रोग से ग्रस्ति पाये गये। उन्होंने बताया कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस की इस साल की थीम मेक मेंटल हेल्थ एंड वेलबीइंग फॉर ऑल ए ग्लोबल प्रायोरिटी है, जो सामाजिक अलगाव, बीमारी तथा मृत्यु का भय और कोविड-19 से जुड़ी तनावपूर्ण सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों को दर्शाता है। लैंसेट में एक अध्ययन के अनुसार, दुनिया भर में प्रमुख अवसाद विकार के प्रसार में 27.6 प्रतिशत और चिंता विकारों में 25.6 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। डॉ डिक्रूज ने कहा कि एर्नाकुलम जिले में 2021 में किए गए एक अन्य अध्ययन में लॉक डाउन के दौरान 640 प्रतिभागियों के मानसिक स्वास्थ्य की जांच की गई, जिसमें 56.9 प्रतिशत अवसादग्रस्तता के लक्षण पाए गए।

तेजाब हमले की पीड़ितों को दिये गये 11.76 लाख रु

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने तेज़ाब के हमलों कारण अपाहिज हो गई औरतों को सितम्बर महीने तक 11.76 लाख रुपए वितरित किये हैं।

सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग के मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने आज यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार हर वर्ग के लोगों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इस योजना का उद्देश्य तेज़ाब के हमले के कारण अपाहिज हो चुकी औरतों को माहवार वित्तीय सहायता प्रदान करना है जिससे पीड़ित औरतों का जीवन आसान बनाया जा सके। डॉ कौर ने बताया कि इस स्कीम के तहत 40 प्रतिशत या इससे अधिक दिव्यांग औरतों के पुनर्वास और उनको आत्मनिर्भर बनाने के लिए आठ हजार रुपए प्रति महीना दिए जाते हैं। ये महिलाएं पंजाब राज्य की निवासी होनी चाहिए। इसके अलावा पीड़ित महिला द्वारा एफ.आई.आर/ शिकायत की कॉपी रजिस्टर्ड होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि तेज़ाब पीड़िता के लिए चालू वित्तीय वर्ष के दौरान 24.00 लाख रुपए का उपबंध किया गया है, जिसमें से 21 लाभार्थियों को सितम्बर तक 11.76 लाख रुपए की वित्तीय सहायता का भुगतान किया जा चुका है। एसिड अटैक पीड़ित योजना 100 प्रतिशत राज्य प्रायोजित है।

रिजॉर्ट कर्मियों का पुलिस सत्यापन न कराने पर आठ का चालान

पौड़ी/देहरादून। उत्तराखंड पुलिस के अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) कानून व्यवस्था वी मुरुगेशन के निर्देश पर, राज्य में चलाए जा रहे होटल और रिजॉर्ट के सत्यापन अभियान में मंगलवार को पौड़ी जिले के आठ रिजॉर्ट स्वामियों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई की गई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि प्रभारी निरीक्षक ,थाना लक्ष्मण झूला विनोद सिंह गुँसाई के नेतृत्व में चलाए अभियान में नीलकंठ रोड पर आठ ऐसे रिजॉर्ट मिले, जिनके कर्मचारियों का सत्यापन नहीं कराया गया था। इस कारण उनके विरुद्ध पुलिस अधिनियम के अंतर्गत धनराशि 1,50,000/- रुपये के न्यायालय सम्बन्धी चालानी कार्यवाही की गयी है।

सड़क निर्माण को भूमि अधिग्रहण, मुआवजे की प्रक्रिया आसान बनाने की कवायद

देहरादून। उत्तराखंड में सड़कों के भूमि अधिग्रहण तथा मुआवजे की प्रक्रिया को आसान बनाने की दिशा में कवायद शुरू हो गई है। इस सन्दर्भ में मंगलवार को अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने अपर सचिव न्याय एवं अपर सचिव राजस्व की एक कमेटी बनाने के निर्देश दिए हैं। यह समिति 15 दिनों में राष्ट्रीय राजमार्गो के अतिरिक्त अन्य सड़कों में भी भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया के सरलीकरण हेतु सुझाव देगी।

सचिवालय में लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) की समीक्षा के दौरान श्रीमती रतूड़ी ने राज्य में डम्पिंग जोन हेतु उचित भूमि की कमी की समस्या के समाधान के लिए इनोवेटिव तथा वृक्षारोपण जैसे पर्यावरण हितैषी उपायों की संभावनाओं पर गम्भीरता से अध्ययन करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए। उन्होंने लोनिवि की सड़कों पर शहरी क्षेत्रों में आवासीय मकानों एवं दुकानों के अतिक्रमण के कारण, रैम्प बनाये जाने से नाली निर्माण या मार्ग रख-रखाव में आ रही कठिनाइयों के समाधान हेतु नगर निकायो की कैपेसिटी बिल्डिंग तथा लोनिवि द्वारा निकायों को तकनीकी सहायता पर चर्चा की। नगर निकायों की सड़कों के रख-रखाव के लिए भी एक स्पष्ट और ठोस नीति निर्धारण पर त्वरित निर्णय की बात कही।

श्रीमती रतूड़ी ने इसके साथ निर्देश दिए कि लोनिवि की सड़कों पर अलग-अलग विभागों द्वारा कार्य सम्पादन हेतु बार-बार कटिंग करने से रख-रखाव में आने वाली समस्याओं के निस्तारण हेतु जिलाधिकारी स्तर पर नियमित बैठके की जानी चाहिए। बैठक में राज्य में वनभूमि हस्तान्तरण के प्रकरणों के सम्बन्ध में क्षतिपूरक वृक्षारोपण के लिए दुगुनी उपयुक्त भूमि की कमी के मुद्दें पर भी चर्चा की गई।

बैठक में प्रमुख सचिव आर के सुधांशु, प्रभारी सचिव दीपेन्द्र चौधरी, अपर सचिव विनीत कुमार, प्रदीप रावत, एमडीडीए के अधिकारी उपस्थित थे।

विलुप्त होती कलाओं को एक मंच प्रदान करने के लिए प्रदर्शनी का आयोजन

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में विलुप्त होती कलाओं को एक मंच प्रदान करने के लिए 15 अक्टूबर से दो दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया जायेगा।

सामाजिक कार्यकर्ता सुधीर माथुर ने आज यहां प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। श्री माथुर ने बताया कि कम्युनिटी ऑफ़ ड्रीमर्स की ओर से 15 और 16 अक्टूबर को इस प्रदर्शनी का आयोजन पिलवा गार्डन में किया जायेगा जहां प्रोफेशनल डिजाइनर्स के साथ इन कलाकारों को विशेष रूप से स्टाल दिया जायेगा। प्रोफेशनल डिजाइनर और बड़े व्यापारियों से इन कलात्मक कलाकारों को मिलवाने और आगे काम दिलवाने का भी यह एक मंच है। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता कल्पना सिंह पीलवा ने कहा कि कोरोना का भयावह समय हम सब ने देखा और अब सब सामान्य होने की राह पर है लेकिन फिर भी समाज का एक हिस्सा अभी भी रोजगार और काम को लेकर चिंतित है और ये लोग है कलाकार जो अलग अलग विधाओं में पारंगत है। लोक कलाकार जो गीतनृत्य से संबंधित है या वो कलाकार जिनके हाथों में हुनर है, हस्तकला के क्षेत्र में कार्य कर रहे है। इन लोगों को यह प्रदर्शनी एक मंच प्रदान करेगी। उन्होंने बताया कि इस समूह का पहला आयोजन जुलाई में आयोजित हुआ था और अब दीवाली से पूर्व यह दूसरी कड़ी है। यह प्रदर्शनी कोई व्यावसायिक परिकल्पना नहीं है, इसमें जुड़ा हर सदस्य एक दूसरे का सहयोग करता है। वोकल फ़ॉर लोकल की तर्ज़ पर कार्य करते हुए इनका उद्देश्य हमारी अपनी विलुप्त होती कलाओं को एक मंच प्रदान करना है, सरकार तो इन कलाकारों के लिए समय समय पर आयोजन करती है लेकिन कोई प्राइवेट संस्था पहली बार ये पहल कर इन सभी कला से जुड़े लोगों को मंच दे रहीं है । फ़ैशन डिज़ाइनर संध्या ने कहा कि फ़ैशन इंडस्ट्री दुनिया की दूसरी सबसे ज़्यादा प्रदूषण फैलाने वाली इंडस्ट्री बन गई है, ऐसे में कोशिश की जानी चाहिए कि ज़्यादा से ज़्यादा लोकल और ऑर्गैनिक फेब्रिक का इस्तेमाल करे। हाथ की कढ़ाई को बढ़ावा दे और हमारी नई पीढ़ी को हमारी कला और संस्कृति का परिचय दिया जाये। वह कम्यूनिटी ऑफ़ ड्रीमर्ज़ के माध्यम से ये डिज़ाइनर्ज़ और कलाकारों को एक मंच पर लाना चाहती है।

कांग्रेस पर मुस्लिमों को आगे नहीं बढ़ने देने, वोट बैंक समझने का आरोप

एजेंसी

कोटा। राजस्थान वक्फ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष एवं मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संयोजक अबु बकर नकवी ने कहा है कि आजादी के बाद से ही कांग्रेस द्वारा हाशिये पर धकेले गये अल्पसंख्यक मुस्लिम समाज को मुस्लिम राष्ट्रीय मंच देश की मुख्यधारा में लाकर उनमें राष्ट्रवाद का संवाहक बनेगा।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच की आज यहां सम्भागीय बैठक को सम्बोधित करते हुए श्री नकवी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा मुस्लिमों को अपना वोट बैंक बनाकर रखा और इस डर से कि कहीं मुसलमान पढ़ लिख कर समझदार हो गये तो उन्हें वोट नहीं देंगे इसलिए कभी भी आगे बढ़ने का मौका नहीं दिया।

मंच के प्रदेश संयोजक आबिद शेख ने कहा कि राज्य में गत विधानसभा चुनावों में जहां अल्पसंख्यक समुदाय ने बढ़चढ़ कर कांग्रेस को वोट दिया और उनकी सरकार बनवाई वहां चार साल बीतने और दूसरे चुनाव निकट आ जाने के बाद भी वक्फ बोर्ड, मदरसा बोर्ड,उर्दू अकादमी में राजनैतिक नियुक्तियां नहीं की गई हैं। यदि कांग्रेस मुसलमानों की इतनी ही खैरख्वाह है तो अब तक पढ़े-लिखे जहीन मुसलमानों को इन पदों पर मनोनीत क्यों नहीं किया गया ?

शार्ट न्यूज

ओल्ड एज पेंशन फिर शुरू कराने के लिए भाजपा विधायक मिले उपराज्यपाल से

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार द्वारा 2018 से ओल्ड एज पेंशन बंद किए जाने के विरोध में भाजपा विधायकों ने आज उपराज्यपाल श्री विनय सक्सेना से मुलाकात की। नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी के नेतृत्व में मिले विधायकों ने उपराज्यपाल को बताया कि 6 लाख से ज्यादा बुजुर्गों ने पेंशन के लिए आवेदन किया हुआ है लेकिन सरकार इन बेसहारा बुजुर्गों को पेंशन नहीं दे रही। उपराज्यपाल महोदय ने इस मामले को शीघ्र ही दिल्ली सरकार के समक्ष कार्रवाई के लिए भेजने का आश्वासन दिया है। रामवीर सिंह बिधूड़ी के साथ भाजपा के सभी विधायक सर्वश्री विजेंद्र गुप्ता, मोहन सिंह बिष्ट, ओमप्रकाश शर्मा, जितेंद्र महाजन, अनिल वाजपेयी, अजय महावर और अभय वर्मा आज सुबह राजनिवास पहुंचे। नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि बेसहारा और जरूरतमंद बुजुर्ग पिछले कई सालों से पेंशन की आस लगाए बैठे हैं, लेकिन सरकार उन्हें लगातार निराश कर रही है। यह स्थिति तो तब है जब मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पिछले चुनावों के दौरान यह वादा किया था कि उनकी सरकार न सिर्फ उन लोगों को पेंशन देगी जिन्होंने आवेदन किया हुआ है बल्कि भविष्य में आने वाले आवेदनों पर भी पेंशन जारी करेगी। सरकार अपना वादा पूरी तरह भूल चुकी है। नेता प्रतिपक्ष ने केजरीवाल सरकार से कहा है कि वह तुरंत ही इस बारे में फैसला ले। उन्होंने कहा है कि अगर एक सप्ताह के भीतर ही सरकार इस मामले में फैसला नहीं लेती तो फिर हजारों वरिष्ठ नागरिकों के साथ मुख्यमंत्री का घेराव किया जाएगा।

यमुना एक्सप्रेस वे : बस ग्रिल तोड़ 30 फीट नीचे गिरी, 1 की मौत दर्जनों घायल

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेस वे पर एक बस की दुर्घटना हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार, एक डबल डेकर बस यमुना एक्सप्रेस वे पर अनियंत्रित होकर ग्रिल तोड़ती हुई 30 फुट नीचे जाकर गिरी। यह बस आगरा से नोएडा जा रही थी। इस दुर्घटना में एक यात्री की मौत हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार, कुल दो दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए हैं। बस दुर्घटना के बाद रबूपुरा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बस में फंसे हुए 70 यात्रियों को बाहर निकाला। घायल यात्रियों को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है। यह घटना ग्रेटर नोएडा के यमुना एक्सप्रेस वे के पास की है। बस दुर्घटना में एक यात्री की मौत हो गई है।

किशोरी का अपहरण करने वाला आरोपी गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर बीटा दो कोतवाली पुलिस ने किशोरी का अपहरण करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने किशोरी को सकुशल बरामद किया है। आरोपी दो महीने पहले किशोरी का अपहरण कर ले गया था। पुलिस ने बरामद किशोरी को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा है। बीटा दो कोतवाली प्रभारी अनिल कुमार राजपूत ने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान नौशाद निवासी दरभंगा बिहार के रूप में हुई है। वह सेक्टर चाई फोर स्थित जनता फ्लैट में रह रहा था। आरोपी पांच अगस्त को 16 वर्षीय किशोरी का अपहरण कर ले गया था। लड़की के पिता ने इस मामले में बीटा दो कोतवाली में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया था। इसके बाद से पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी थी। पुलिस ने बताया कि किशोरी को लेकर बिहार भागने वाला था। इसी दौरान मुखबिर से पुलिस को सूचना मिली कि नौशाद परी चौक मेट्रो स्टेशन के समीप देखा गया है। सूचना के आधार पर पुलिस ने नौशाद को गिरफ्तार कर किशोरी को भी सकुशल बरामद किया। पुलिस पूछताछ के दौरान पता चला है कि आरोपी किशोरी से एकतरफा प्रेम करता था। वह उससे शादी करना चाहता था। जिसके चलते क्या उसे लेकर अपने गांव जाने की फिराक में था।

युवक संदिग्ध हालात में आग से जला

नोएडा। सेक्टर-31 निठारी गांव में 20 वर्षीय युवक संदिग्ध परिस्थितियों में जिंदा जला मिला। उसे जिला अस्पताल से दिल्ली सफदरगंज अस्पताल रेफर किया गया है। उसका आईसीयू में इलाज जारी है। पीड़ित के शरीर का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा झुलस गया है। मामले में पीड़ित के छोटे भाई ने अपने चचेरे भाइयों पर ही उसे जिंदा जलाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले को संदिग्ध मानते हुए सभी पहलुओं पर जांच शुरू कर दी है। निठारी गांव निवासी सोनू ने पुलिस को शिकायत देते हुए बताया कि सोमवार रात करीब एक बजे वह घर पर था, तभी उसे उसके बड़े भाई मोनू के चीखने चिल्लाने की आवाज आई, उसने जाकर देखा तो मोनू उसके ताऊ गजराज के घर के बाहर आग से झुलसा पड़ा था। आनन-फानन में उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसका पैरों से ऊपर का पूरा हिस्सा जल गया है। दससे रात में ही सफदरगंज अस्पताल रेफर कर दिया गया। वह आईसीयू में भर्ती है। आरोप है कि उसके घर के रास्ते में ताऊ का भी घर है। वह रास्ते में छज्जा निकाल रहे हैं। पीड़ित पक्ष उसका विरोध कर रहा था। बीते दिनों मामले की पुलिस से भी शिकायत की थी, जिसके बाद निर्माण कार्य रुक गया था, लेकिन सोमवार को उन्होंने दोबारा छज्जे का निर्माण शुरू कर दिया। मोनू इसी का विरोध करने के लिए गया था, जहां ताऊ के बेटों ने उसे जलाकर मारने का प्रयास किया। सोनू ने सेक्टर-20 कोतवाली में अपने दो चचेरे भाइयों के खिलाफ तहरीर दी है।

सरकारी स्कूलों में रहता मिला परिवार और घूमते मिले आवारा पशु

नोएडा। जिले के परिषदीय विद्यालयों में व्यवस्थाओं की मंगलवार को कलाई खुल गई। बेसिक शिक्षा अधिकारी ऐश्वर्या लक्ष्मी को निरीक्षण के दौरान कई प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कंपोजिट स्कूल में न ही शिक्षक अनुपस्थित मिले, बल्कि परिसर में परिवार भी निवास करता पाया गया। कुछ स्कूलों में आवारा पशु भी घूमते मिले। गंदगी का अंबर और छात्र लंच के दौरान स्कूल के बाहर खेलते कूदते पाए गए। उन्हें कई दिनों से ग्रह कार्य भी नहीं दिया जा रहा था। बीएसए ने स्कूल के दोषी अध्यापकों को कारण बताओ नोटिस करते हुए तीन दिनों में जवाब तलब किया है। मंगलवार को बीएसए ऐश्वर्या लक्ष्मी नोएडा में स्कूलों के दौरे पर थी। सबसे पहले उन्होंने उच्च प्राथमिक विद्यालय हरौला का निरीक्षण किया। यहां उन्हें एक अनुदेशक बिना सूचना दिए अनुपस्थित मिले। इसके बाद वह प्राथमिक विद्यालय हरौला पहुंची यहां 1362 विद्यार्थी पंजीकृत पाए गए। निरीक्षण के दौरान बीएसए को स्कूल परिसर में एक बाहरी परिवार निवास करता पाया गया। उन्होंने प्रधान अध्यापक को कारण बताओ नोटिस जारी कर परिवार को स्कूल से निकाले के आदेश दिए है। साथ ही सप्ताह भर में रिपोर्ट मांगी है। बीएसए ने इसके बाद कंपोजिट विद्यालय गिझौड़ का निरीक्षण किया।

नींद की झपकी आने से ट्रक और कैंटर की टक्कर, एक की हालत गंभीर

दनकौर। यमुना एक्सप्रेसवे पर सोमवार रात आगे चल रहे ट्रक से कैंटर गाड़ी टकरा गई। हादसे में कैंटर का हेल्पर गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद उसको गाड़ी से बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया। नींद की झपकी आने से हादसा हुआ। पुलिस ने बताया कि आगरा निवासी रमेश कैंटर गाड़ी का हेल्पर है। वह सोमवार रात कैंटर गाड़ी में संतरे भरकर चालक के साथ यमुना एक्सप्रेसवे के रास्ते आगरा से दिल्ली की आजादपुर मंडी जा रहा था। उसकी गाड़ी जब दनकौर क्षेत्र स्थित चपरगढ़ गांव के नजदीक पहुंची तो नींद की झपकी आ आने की वजह से आगे चल रहे ट्रक से कैंटर गाड़ी टकरा गई। हादसे में हेल्पर रमेश बुरी तरह से गाड़ी में फंस गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और एक्सप्रेसवेकर्मियों ने बड़ी मशक्कत बाद घायल को बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस के मुताबिक, अस्पताल में रमेश की हालत गंभीर बनी हुई है। इस बारे में दनकौर कोतवाली प्रभारी राधा रमण सिंह का कहना है कि आगे चल रहे ट्रक से कैंटर गाड़ी टकराई थी। पीड़ित परिवार की तरफ से कोई लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। शिकायत के बाद ही मामले में जांच आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन के छात्रों ने डीएलएफ एवेन्यू के ब्रांड लेबल ऋतु कुमार, मलमल और फ्रंटियर रास के लिए रैंप वॉक किया

आनंद राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन के छात्रों ने डीएलएफ एवेन्यू के ब्रांड लेबल ऋतु कुमार, मलमल और फ्रंटियर रास के लिए न केवल रैंप वॉक किया बल्कि पार्श्व संगीत भी बनाया। शनिवार, अक्टूबर 8, 2022 को आगामी त्योहारों को देखते हुए इस शो का आयोजन हुआ जिसमें मेकअप, स्टाइल इत्यादि सभी का प्रबंध WUD के छात्रों ने स्वयं किया। शो ने फैशन की दुनिया के दिग्गज और मॉल में आने वाले सभी खरीददारों को लुभाकर सभी रंगों से मनमोहित कर लिया। विख्यात ब्रांड के लिए मॉडल बने यह छात्र एक बात पहुंचना चाहते थे कि फैशन का कोई रंग-ढंग या साइज नहीं होता और यदि यह बात दुनिया को समझानी है तो खुद इस बदलाव को लाना नहीं वरन बनना होगा।

उत्तेजना और गर्व से भरपूर, वर्ल्ड यूनिवर्सिटी के डिजाइन के कुलपति डॉ संजय गुप्ता ने कहा, यह अविश्वसनीय है को हमारे छात्रों ने अपनी ऊर्जा से इस फैशन शो को कैसे अपना बना लिया है। डीएलएफ एवेन्यू और इसके साथ संबंधित सभी प्रतिष्ठित ब्रांड्स के साथ इस तरह एक प्लेटफॉर्म पर आना हमारे बच्चों के लिए एक बहुत ही बड़ी बात है।

सालों से छरू एवेन्यू फैशन का एकमात्र विकल्प रहा है। अपनी नई ऊर्जा और उल्लास से WUD के छात्रों ने इस पर चार चांद लगा दिए। क्रिएटिविटी को मिसाल देते हुए वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन के छात्रों ने मेकअप, स्टाइलिंग, कोरियोग्राफी इत्यादि अपने जिम्मे ली और बखूबी अपने पात्र को निभाया।

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ़ डिज़ाइन रचनात्मक क्षेत्र में छात्रों को शिक्षित करने के लिए समर्पित भारत का पहला विश्वविद्यालय है।

भारत के शैक्षिक केंद्र, राजीव गांधी एजुकेशन सिटी, सोनीपत, हरियाणा में स्थित WUD भारत में शिक्षा प्रणाली में एक क्रांति के अग्रदूत की भूमिका निभाता है। इसने रूढ़िबद्ध शैक्षिक ने पैटर्न को तोड़ा है। इसने डिजाइन से संबंधित स्टडी को पूरी तरह से व्यवसाय उन्मुख से अकैडमिक ओरिएंटेड होने की सुविधा प्रदान की है।इस प्रकार अपने छात्रों को केवल डिप्लोमा और प्रमाण पत्र के बजाय प्रमाणित डिग्री (यूजीसी अधिनियम की धारा 2 (एफ) और 22 (एल) के तहत) उपलब्ध कराता है।

2018 में स्थापित, वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ़ डिज़ाइन एक युवा विश्वविद्यालय है जो आर्किटेक्चर, डिज़ाइन, फ़ैशन, कम्युनिशन, विजुअल आर्ट, परफॉर्मिंग आर्ट और मैनजमेंट जैसे विषयों में स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट लेबल पर कई प्रोग्राम पेश करता है।इसके अलावा भारत में डिजाइन पाठ्यक्रमों के सबसे बड़े पोर्टफोलियो से लैस यह यूनिवर्सिटी कंप्यूटर और डिजाइन, परिवहन डिजाइन, एनीमेशन और गेम डिजाइन, यूआई/यूएक्स, फिल्म औरवीडियो और डिजाइन मैनेजमेंट, आर्ट एडुकेशन, क्यूरेटोरियल प्रैक्टिस आदि में कई अत्याधुनिक कार्यक्रम प्रदान करता है।

दिल्ली महिला आयोग ने ट्रांसजेंडरों के लिए मुफ्त सेक्स रिअसाइनमेंट सर्जरी के प्रावधान के लिए दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया

आयोग द्वारा मामला उठाए जाने के बाद दिल्ली सरकार ने सूचित किया है कि जीटीबी अस्पताल में मुफ्त सेक्स रिअसाइनमेंट सर्जरी की जा रही है

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में ट्रांसजेंडरों के लिए मुफ्त सेक्स रिअसाइनमेंट सर्जरी की सिफारिश की है। ट्रांसजेंडर समुदाय के सामने आने वाली समस्याओं में से एक सरकारी अस्पतालों में मुफ्त सेक्स रिअसाइनमेंट सर्जरी (एसआरएस) की कमी है। इस संबंध में आयोग ने दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में सेक्स रिअसाइनमेंट सर्जरी की सुविधा के प्रावधान के संबंध में जानकारी मांगी थी। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग द्वारा आयोग को सूचित किया गया था कि दिल्ली सरकार के अस्पतालों में सेक्स रिअसाइनमेंट सर्जरी की सुविधा उपलब्ध नहीं है।

आयोग ने बाद में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, दिल्ली सरकार को सरकारी अस्पतालों में मुफ्त सेक्स रिअसाइनमेंट सर्जरी की सुविधा शुरू करने की सिफारिश की थी। आयोग को सूचित किया गया था कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव ने दिल्ली सरकार के महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवा (डीजीएचएस) को मामले की जांच करने और इस संबंध में एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए एक समिति गठित करने का निर्देश दिया था। इसके बाद, जब डीजीएचएस को समिति की स्थिति की जानकारी मांगते हुए हुए एक नोटिस भेजा गया, तो आयोग को सूचित किया गया कि गुरु तेग बहादुर अस्पताल, दिल्ली के बर्न एंड प्लास्टिक विभाग में अब मुफ्त सेक्स रिअसाइनमेंट सर्जरी (एसआरएस) की सुविधा उपलब्ध है। यह भी सूचित किया गया है कि इस संबंध में कोई समिति गठित नहीं की गई है। आयोग को आगे बताया गया है कि प्लास्टिक सर्जन के साथ बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी वार्ड वाला कोई भी अस्पताल सेक्स रिअसाइनमेंट सर्जरी करने में सक्षम है।

स्वाति मालीवाल ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग को भेजे नोटिस में ने बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी वार्ड और सेक्स रिअसाइनमेंट सर्जरी करने में सक्षम प्लास्टिक सर्जनों वाले अस्पतालों की जानकारी। उन्होंने जीटीबी अस्पताल की तरह सरकार से बर्न एंड प्लास्टिक विभाग वाले सभी सरकारी अस्पतालों को मुफ्त सेक्स रिअसाइनमेंट सर्जरी करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी करने की भी सिफारिश की है।

दिल्ली के होटल में महिला से गैंगरेप, अप्राकृतिक यौनाचार का भी आरोप; 3 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में महिलाओं की सुरक्षा हमेशा से एक बड़ा मुद्दा रहा है। अब दिल्ली में एक और महिला के साथ गैंगरेप की घटना सामने आई है। राजधानी दिल्ली के एक इलाके में स्थित होटल में महिला के साथ तीन लोगों पर गैंगरेप करने का आरोप लगा है। आदर्श नगर इलाके के एक होटल में महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म की इस घटना में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिन आरोपियों को पकड़ा गया है उनमें 39 साल का अजय, 34 साल का तारा चंद और 38 साल का नरेश शामिल है। बताया जा रहा है कि सभी आरोपी राजस्थान के अलवर जिले के रहने वाले हैं। पुलिस ने इस घटना की जानकारी दी है। डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (नॉर्थवेस्ट), उषा रंगनानी ने बताया है कि रविवार को पुलिस को एक पीसीआर कॉल के जरिए इस घटना की जानकारी मिली है। डीसीपी ने बताया कि महिला शिकायतकर्ता का कहना है कि आरोपियों में शामिल अजय से उनकी जान-पहचान है। अजय ने रविवार को उन्हें एक होटल में बुलाया था। होटल के कमरे के अंदर उसके दो दोस्त पहले से ही मौजूद थे। पीड़ित महिला का कहना है कि कमरे में इनलोगों ने महिला को कोल्ड ड्रिंक ऑफर किया। कोल्ड ड्रिंक पीने के बाद महिला बेसुध हो गई। आरोप है कि इसके बाद इन तीनों ने मिलकर महिला के साथ गैंगरेप किया। महिला की शिकायत और एमएलसी रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 376 डी (गैंगरेप), 377 (अप्राकृतिक यौनाचार) और 328 (पराध करने के आशय से विष इत्यादि द्वारा क्षति कारित करना) के तहत केस दर्ज किया है।

किशोर ने पिटाई का बदला लेने को कर दिया युवक का मर्डर, दिल्ली पुलिस ने 4 को दबोचा

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के नेब सराय इलाके में 23 वर्षीय एक युवक की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है और दो किशोरों को भी पकड़ लिया गया है। बताया जा रहा है कि यह हत्या पिटाई का बदला लेने के लिए की गई थी। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान संगम विहार निवासी अजय (20) और आमिर (18) के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि मृतक ने पहले एक किशोर की पिटाई की थी, जिसके बाद चारों ने बदला लेने के लिए उस पर हमला किया। पुलिस को रविवार को मारपीट की घटना की सूचना मिली। पुलिस ने बताया कि घायल संगम विहार निवासी फराज को एम्स ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि पूछताछ के दौरान, फराज के एक दोस्त ने बताया कि अजय, आमिर और दो किशोरों ने रविवार को उन्हें रोक लिया, जिसके बाद एक किशोर से उसका विवाद हो गया। अधिकारी ने कहा कि फराज गाड़ी से उतरा और उनसे बातें करने लगा। हालांकि, किशोर ने फराज पर चाकू से हमला कर दिया। फराज ने भागने की कोशिश की, लेकिन दो लोगों ने उसे पकड़ लिया और किशोर ने फिर से उस पर हमला कर दिया। बाद में वे मौके से भाग गए। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) चंदन चौधरी ने कहा कि जांच के दौरान इलाके के सीसीटीवी कैमरे की फुटेज का विश्लेषण किया गया और चारों आरोपियों को पकड़ लिया गया। पुलिस को पता चला कि फराज ने करीब सात दिन पहले एक किशोर की पिटाई की थी। रविवार को किशोर ने फराज को रोका और वे आपस में झगड़ने लगे। पुलिस ने कहा कि इस दौरान उनके बीच तीखी बहस हुई और फराज को चाकू मार दिया गया।

केजरीवाल द्वारा निजी 50 सीएनजी बसों को अपनी उपलब्धि बताना उनकी विफलता को दर्शाता है : चौ0 अनिल कुमार

विवेक राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार ने ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल द्वारा 50 सीएनजी बसों को हरी झंडी दिखाकर सड़कों के लिए रवाना करके, फिर एक बार10हजार बसें करने का दावा दिल्ली के लोगों गुमराह करने वाला है।

उन्होंने कहा कि एक वर्ष पहले 1000 बसों को लाने का दावा करने में विफल होने के बाद केजरीवाल प्राईवेट कांट्रेक्टरों की बसों को दिल्ली की परिवहन निगम की बताकर लोगों की आंखों में धूल झोंकने का काम कर रहे है।जबकि वास्तविकता में डीटीसी की अधिकतर बसें 12 वर्ष पुरानी होकर 7.50 लाख किलोमीटर की क्षमता पूरी करने के बाद दिल्ली की सड़कों पर चल रही है जो कभी भी खतरनाक साबित हो सकती है।

चौ0अनिल कुमार ने कहा कि चुनावी घोषणा पत्र के अलावा केजरीवाल डीटीसी बेड़े में बसें जोड़ने के बड़े-बड़े दावें करने के साथ आज फिर एक नया दावा कि 80 प्रतिशत इलेक्ट्रिक बसों के साथ 10 हजार बसें दिल्ली की जनता की सेवा में होंगी, पूरी तरह से खोखला साबित होगा, क्योंकि दिल्ली सरकार के पास बसें खरीदने के लिए फंड ही नही है।

केजरीवाल सरकारी फंड को पार्टी प्रचार पर खर्च कर रहे है जबकि सच्चाई यह है कि वर्ष 2022 तक केजरीवाल ने दिल्ली सरकार को 38155 करोड़ के कर्ज में डूबो दिया है, इसके बाद दिल्ली सरकार कभी भी दिवालिया घोषित हो सकती है।

चौ0अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली में सुगम परिवहन व्यवस्था के लिए लगभग 11000 बसों की जरुरत है जबकि वर्तमान में डीटीसी और प्राईवेट कलस्टर बसें मिलाकर कुल 7420 बसें दिल्ली की सड़कों पर चल रही है, जिनमें 4000 बसें प्राईवेट है बाकी डीटीसी की बसों में अधिकतर बसें एक्सपाईरी के बाद सड़कों पर चल रही हैं।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि केजरीवाल सरकार में भ्रष्टाचार और अक्षमता के कारण डीटीसी का बेड़ा पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है जिसका झूठा प्रचार करके केजरीवाल खोखली वाहवाही लूटने का प्रयास कर रहे है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल की प्राथमिकता सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुधारने में नहीं है, बल्कि शराब को हर दरवाजे पर पहुचाकर दिल्ली को नशे की राजधानी बनाने का काम कर रहे है।

चौ0अनिल कुमार ने कहा कि एक वर्ष पहले 1000 लो-फ्लोर बसों की खरीद से पहले ही 4288 करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार हुआ, जिसे दिल्ली कांग्रेस ने उजागर किया।

उन्होंने कहा कि प्रति बस की कीमत 85.5 लाख तय होने के बावजूद टेंडर रद्द करके 20 करोड़ के बढ़ोत्तरी के साथ 87.5 लाख में 1000 बसें खरीदना तय होने के बावजूद केजरीवाल सरकार ने 3413 करोड़ का मेंटेनेन्स टेंडर निकाला गया। उन्होंने कहा कि इस पूरी प्रक्रिया में हुए 4288 करोड़ के भ्रष्टाचार की सीबीआई जांच कर रही है।

अस्सी प्रतिशत आखों की बीमारियों का इलाज संभव

नई दिल्ली। अक्टूबर का दूसरा गुरूवार हर वर्ष विश्व दृष्यता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देष्य लोगों में टाली जा सकने वाली अंधता और नजर की कमजोरी के बारे में जागरूता पैदा करना है। भारत में मोतियाबिंद अंधता का सबसे बडा कारण है। इसके अलावा ग्लूकोमा और बचपन से ही अधंता दृष्टिहीनता या नजर की कमजोरी के बडे कारण है। दुनिया भर में चल रहे प्रयासों औ जागरूकता कार्यक्रमों के बावजूद दृष्टिहीनता का वैश्विक भार कम होने के बजाए बढ़ता जा रहा है। इसे बढ़ती जनसंख्या और ज्यादा उम्र वालों की अधिक संख्या से भी जोडा जा सकता है। नजर सम्बन्धी समस्याओं के बारे में लोगों को समय पर जागरूक करना ही नेत्ररोगों से बचाव और समय पर उपचार का एकमात्र उपाय है। सेंटर फॉर साइट के निदेशक डॉ.महिपाल एस.सचदेव का कहना है कि दुनिया भर में अंधता का सबसे बडा कारण मोतियाबिंद है, जिससे बचाव भी सम्भव है और इसका उपचार भी उपलब्ध है। तकनीक में आए क्रांतिकारी बदलावों के कारण अब ग्लूकोमा, मोतियाबिंद और डायबेटिक रेटीनोपैथी जैसे अंधता के कारणों से आखों को आसानी से बचाया जा सकता है। इसके लिए रोग का समय पर पता लगना जरूरी है, क्योंकि ग्लूकोमा और डायबेटिक रेटिनोपैथी से होने वाली अंधता से बचाव तो सम्भव है लेकिन एक बार अंधता हो जाए तो उपचार सम्भव नहीं है। आंखों को बचाने के लिए इन दोनों रोगों का समय पर पता लगना बहुत जरूरी है और इसीलिए आंखों की नियमित जांच भी जरूरी है। भारत में मोतियाबिंद के लाखों मामले है और ऐसे लोगों के लिए रोबोटिक फेमटोसैकंड लेजर तकनीक बहुत बडा सहारा है। इसकी प्रक्रिया की जानकारी देते हुए डॉ.सचदेव ने बताया कि यह तकनीक पूरी तरह स्वचलित है और ज्यादा सूक्ष्मता और परिशुद्धता के साथ काम करती है, जिससे बेहतर परिणाम आते है और बहुत जल्द लाभ होता है। ग्लूकोमा का उपचार सम्भव नहीं है, लेकिन इसे नियंत्रित किया जा सकता है ताकि आंखों को और ज्यादा नुकसान न पहुंचाए। विश्व दृष्यता दिवस का उद्देष्य इन कम प्रचारित लेकिन जीवन को बदल देने वाले नेत्ररोगों के बारे में लोगों को जागरूक करना ही है।

गौड़ सिटी-2 की खराब सड़क को दो सप्ताह में ठीक कराएगा बिल्डर

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की सीईओ रितु माहेश्वरी ने गौड़ सिटी-टू की खराब सड़क को बिल्डर से शीघ्र ठीक कराने के निर्देश दिए हैं। इसे ठीक कराने के लिए बिल्डर को नोटिस भी जारी किया जाएगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की सीईओ रितु माहेश्वरी ने जन शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए मंगलवार को प्राधिकरण दफ्तर में जनसुनवाई की। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के गौड़ सिटी-टू के निवासी मनीष कुमार और अन्य सदस्य भी पहुंचे। उन्होंने सीईओ को बताया कि टाउनशिप के अंदर की रोड क्षतिग्रस्त हो चुकी है। यह रोड बिल्डर को रिपेयर करानी है, लेकिन वह नहीं करा रहा। इससे निवासियों को परेशानी हो रही है। इस पर सीईओ ने विभाग से बिल्डर को नोटिस जारी कर रोड को दो सप्ताह में रिपेयर कराने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान नेफोवा के अध्यक्ष अभिषेक कुमार और अन्य सदस्यों ने सीईओ को ग्रेटर नोएडा वेस्ट की समस्याओं से अवगत कराया और ग्रेटर नोएडा वेस्ट के विजिट करने का आग्रह किया। इसको लेकर सीईओ ने शीघ्र ही विजिट करने पर सहमति दी।

नोएडा : सफाई कर्मी की सड़क दुर्घटना में मौत

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 41 के पास एक सफाई कर्मा की मोटरसाइकिल डिवाइडर से टकरा गई। नोएडा प्राधिकरण में संविदा पर काम कर रहे सफाई कर्मी को एक्सीडेंट से गंभीर चोट आई, उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि अस्पताल में इलाज के दौरान सफाई कर्मी ने मंगलवार तड़के दम तोड़ दिया।

अपर पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि मूल रूप से बुलंदशहर जिला में सिकंदराबाद का निवासी संजय (38) नोएडा प्राधिकरण में संविदा पर सफाई कर्मी के रूप में काम करता था। उन्होंने बताया, संजय अपनी मोटरसाइकिल से सोमवार को सेक्टर 41 के पास से गुजर रहा था तभी उसकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इस घटना में संजय को गंभीर चोट आई। उसे उपचार के लिए नोएडा के सेक्टर 27 स्थित कैलाश अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर आज तड़के तीन बजे उसने दम तोड़ दिया।

सफाई कर्मी की मौत की सूचना पाकर कैलाश अस्पताल पर भारी संख्या में सफाई कर्मी पहुंचे। उनका आरोप था कि संजय का नोएडा प्राधिकरण द्वारा 10 लाख रुपए का बीमा नहीं करवाया गया था।

सड़क चौड़ीकरण की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा

ग्रेटर नोएडा। इमलिया गांव के दलेलगढ़ चौराहे पर टीन शेड एवं कुर्सियां लगवाने एवं सड़क चौड़ीकरण की मांग को लेकर करप्शन फ्री इंडिया संगठन ने प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालक प्रेरणा शर्मा को ज्ञापन सौंपा। संगठन के संस्थापक चौधरी प्रवीण भारतीय ने बताया कि गांव के चौराहे पर विद्यार्थी एवं यात्री खड़े होते हैं। चौराहे पर टीन शेड एवं पत्थर की चार कुर्सी की व्यवस्था हो जाए तो स्कूली बच्चों एवं बड़े बुजुर्ग यात्रियों को बैठने में आसानी एवं सुविधा रहेगी। चौधरी प्रवीण भारतीय ने बताया कि इमलिया चौक से बरसात की तरफ जाने वाली सड़क पर कार्य चल रहा है। इस सड़क के दोनों तरफ इंटरलॉकिंग लगाई जा रही हैं।

दिल्ली में डेंगू के अटैक से केजरीवाल सरकार हुई अलर्ट, अस्पतालों में मरीजों के लिए 10-15 फीसदी बेड रिजर्व

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में डेंगू के बढ़ते मामलों में अब डराना शुरू कर दिया है। हालात के मद्देनजर दिल्ली सरकार अब अलर्ट मोड में आ गई है और राजधानी के सभी अस्पतालों से 10-15 फीसदी बेड डेंगू के मरीजों के लिए आरक्षित रखने को कहा गया है।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने बताया कि कोविड-19 के मरीजों की कम संख्या को देखते हुए दिल्ली सरकार ने अस्पतालों से डेंगू के रोगियों को भर्ती करने के लिए खाली बेड्स का उपयोग करने के लिए कहा है। सिसोदिया ने कहा कि डेंगू के मामलों में बढ़ोतरी के बीच दिल्ली के अस्पतालों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि बेड्स की कमी के चलते किसी भी मरीज को भर्ती करने से मना नहीं किया जाए। बयान में कहा गया है कि सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी के सभी अस्पतालों को अलर्ट पर रखा है और स्थिति पर नजर रख रही है। अस्पतालों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने बेड का 10-15 प्रतिशत मच्छर जनित रोग के मरीजों के लिए आरक्षित करें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी मरीज बेड की कमी के कारण प्रवेश वंचित न रहे। सिसोदिया ने कहा कि वर्तमान मौसम की स्थिति वेक्टर जनित बीमारियों के संचरण के लिए अनुकूल है। उन्होंने कहा कि पिछले दो हफ्तों में डेंगू के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है, लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि अस्पतालों में मरीजों को इलाज मुहैया कराने के लिए सभी इंतजाम किए गए हैं।

दिल्ली में डेंगू के 300 से अधिक नए मामले

बता दें कि, दिल्ली में डेंगू के मामलों की संख्या बढ़ रही है और अक्टूबर महीने के पहले पांच दिन में 300 से अधिक नए मामले सामने आए हैं। इस साल पांच अक्टूबर तक दर्ज कुल 1,258 मामलों में से 693 मामले सिर्फ सितंबर में दर्ज किए गए थे। दिल्ली नगर निगम द्वारा सोमवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में इस साल सितंबर के अंत तक डेंगू के 937 मामले दर्ज किए गए थे। उसके बाद अक्टूबर के पहले पांच दिन में 321 नए मामले सामने आए। इसके साथ ही नगर में वेक्टर जनित बीमारी के मरीजों की संख्या बढ़कर 1,258 हो गई।

संपादकीय

मौतों की जवाबदेही

यह खबर विचलित करती है कि गुरुग्राम द्वारका एक्सप्रेस-वे के किनारे बने गड्ढे में भरे बरसाती पानी में डूबकर छह बच्चों की मौत हो गई। ये बच्चे पास ही की एक श्रमिक बस्ती के थे। हम अक्सर खबर में मरने वालों को आंकड़ा देखते हैं लेकिन उस परिवार के दर्द को महसूस नहीं करते, जिसने एक या अधिक बच्चों को खोया। ये कई संभावनाओं और उम्मीदों का अंत है। उन परिवारों पर भी वज्रपात है जो बच्चे के लिये तमाम धार्मिक स्थलों में मन्नतें मांगते तथा अस्पतालों के चक्कर लगाते रहे। निश्चित तौर पर एक्सप्रेस-वे के निकट मिट्टी खोदने से बने गड्ढे के पास चेतावनी संकेत नहीं लगाये गये होंगे, जो बताते कि ये गड्ढे मौत का सबब बन सकते हैं। आखिर निर्माण कार्य से जुड़े अधिकारियों, इंजीनियरों व ठेकेदारों की जवाबदेही क्यों नहीं तय की जाती? क्यों निर्माण से जुड़ा तंत्र किसी जान की कीमत का अहसास नहीं करता? निस्संदेह, यह पहली घटना नहीं है जिसमें बेकसूर बच्चों या लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी हो। देश में आये दिन ऐसे हादसे होते रहते हैं कि फलां जगह खोदे गड्ढे में गिरकर किसी की मौत हो गई, कभी ओवर ब्रिज का निर्माणाधीन हिस्सा गिरने से लोग मर गये। दरअसल, हमारे सिस्टम में सार्वजनिक निर्माण से जुड़े मानकों में कामचलाऊ रवैया अख्तियार किया जाता है। लेकिन इसकी कीमत उस व्यक्ति व परिवार को चुकानी पड़ती है, जिसका कोई कसूर नहीं होता। वो फिर भी बेमौत मारा जाता है। मृतकों के परिजनों की क्षति को संवेदनशील ढंग से महसूस करना चाहिए। साथ ही आपराधिक लापरवाही बरतने वालों को नजीर की सजा दी जानी चाहिए। तमाम विकसित देशों में सार्वजनिक निर्माण में न केवल गुणवत्ता के उच्च मानकों का निर्धारण होता है बल्कि हादसे होने पर न्यायालय के जरिये मोटा जुर्माना देने को भी बाध्य किया जाता है। जिसके चलते सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन होता है।

कमोबेश, यह स्थिति देश के राष्ट्रीय राजमार्गों की भी है, जहां हर साल लाखों निर्दोष लोग मौत का शिकार बन जाते हैं। इसमें जहां तेज रफ्तार, नशे में ड्राइविंग व लापरवाही की भूमिका होती है, वहीं राजमार्गों के निर्माण संबंधी खामियां भी जिम्मेदार होती हैं। इन जोखिमभरी राहों के निर्माण में डिजाइन में खोट पाया जाता रहा है। यही वजह है कि भारत में विकसित देशों के मुकाबले प्रति व्यक्ति कम वाहन होने के बावजूद सड़क दुर्घटनाओं में मरने वाले लोगों की संख्या दुनिया में सबसे ज्यादा है। कितने दुख की बात है कि लाखों बेकसूर किसी दूसरे की गलती से मारे जाते हैं। लाखों की संख्या ऐसे लोगों की भी है जो इन दुर्घटनाओं में जीवनभर के लिये विकलांग हो जाते हैं। दुखद यह है कि मरने वालों में सबसे ज्यादा संख्या युवाओं की है जो कामकाज के लिये घर से निकलते हैं। उनके निधन से पूरा परिवार गरीबी के दलदल में चला जाता है। ये अभागे उन डेढ़ लाख लोगों में शामिल हैं जो हर साल सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, जिस मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर हमने पिछले दिनों उद्योग जगत के बेशकीमती हीरे सायरस मिस्त्री को खोया, उसके सौ किलोमीटर के दायरे में इस साल साठ लोगों की मौत हो चुकी है। जिसमें राजमार्ग में निर्माण की तकनीक में चूक को भी जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। लेकिन इस तकनीकी खामी पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय देश का ध्यान पिछली सीट पर बेल्ट लगाने के मुद्दे पर केंद्रित कर दिया गया। जबकि राष्ट्रीय विमर्श राजमार्गों में निर्माण संबंधी खामियों को दूर करने पर केंद्रित होना चाहिए था। निस्संदेह, बेकसूर लोगों का असमय जाना रोकने के लिये राष्ट्रीय राजमार्गों में सुरक्षा मानकों में सुधार प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। साथ ही दोषपूर्ण निर्माण के लिए दोषी एजेंसियों तथा अधिकारियों के खिलाफ भी सख्त दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। राजमार्गों में गति जरूरी है, लेकिन उससे पहले मार्गों का रखरखाव व नागरिकों की जीवन रक्षा की प्राथमिकता तय की जानी चाहिए। दुर्घटना उन्मुख क्षेत्रों की पहचान करके उनके डिजायनों में अविलंब सुधार हो।

अअम्बेडकर ने हिंदू धर्म क्यों छोड़ा, क्या हैं उनकी 22 प्रतिज्ञाएं? जिस पर मचा है राजनीतिक घमासान

अभिनय आकाश

15 अक्टूबर 1956 को नागपुर में दीक्षाभूमि पर डॉ अम्बेडकर ने अपने 365,000 दलित अनुयायियों के साथ हिंदू धर्म को छोड़ दिया। इस अवसर पर, उन्होंने 22 प्रतिज्ञाएँ लीं।

सात अक्टूबर को दिल्ली के आंबेडकर भवन का वो सीन निसंदेह ही देश के अधिकांश लोगों के जेहन में लंबे वक्त तक कायम रहेगा। आयोजकों का दावा है कि 10 हजार दलितों ने हिंदू धर्म त्याग कर बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया। वैसे तो भारत का संविधान किसी भी व्यक्ति को अपनी मर्जी से किसी भी धर्म को त्यागने या अपनाने की आजादी देता है। इस नाते जिन लोगों ने बौद्ध धर्म स्वीकार किया ये उनकी व्यक्तिगत आस्था का विषय है। लेकिन दिल्ली सरकार के अब पूर्व हो चुके मंत्री राजेंद्र पाल गौतम की सक्रियता ने मामले को ज्यादा संदिग्ध बना दिया। घटना के 39 सेकंड के वीडियो को ट्वीट करते हुए दिल्ली भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने ट्वीट किया कि आम आदमी पार्टी हिंदू विरोधी क्यों है? आप का ये मंत्री हिंदू धर्म के खिलाफ शपथ ले रहा है और अन्य लोगों को भी इसे लेने के लिए कह रहा है। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के गुजरात दौरे से पहले ही राजेंद्र पाल गौतम का धर्मांतरण कराने वाला मुद्दा गुजरात पहुंच गया। मैं हिंदू धर्म को पागलपन मानता हूं, मैं ब्रह्मा, विष्णु, महेश, राम, कृष्ण को भगवान नहीं मानता हूं। इसी तरह की शपथ वाले सैकड़ों पोस्टर आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की तस्वीरों के साथ गुजरात के कई हिस्सों में लगाए गए। इसके साथ ही केजरीवाल की तस्वीरों को इस्लामिक वेशभूषा में भी दर्शाया गया। इसके बाद 9 अक्टूबर को खबर आई कि राजेंद्र पाल गौतम ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और कहा कि आंबेडकर की प्रतिज्ञाओं पर बीजेपी गंदी राजनीति कर रही है। अब मामला दिल्ली पुलिस तक पहुंच गया है और गौतम को नोटिस भी जारी कर दिया गया।

क्या हैं डॉ आंबेडकर की 22 प्रतिज्ञाएं?

15 अक्टूबर 1956 को नागपुर में दीक्षाभूमि पर डॉ अम्बेडकर ने अपने 365,000 दलित अनुयायियों के साथ हिंदू धर्म को छोड़ दिया। इस अवसर पर, उन्होंने 22 प्रतिज्ञाएँ लीं, जो इस प्रकार हैं

1. मुझे ब्रह्मा, विष्णु और महेश में कोई आस्था नहीं होगी और न ही मैं उनकी पूजा करूंगा।

2. मुझे राम और कृष्ण में कोई विश्वास नहीं होगा, जिन्हें भगवान का अवतार माना जाता है और न ही मैं उनकी पूजा करूंगा।

3. मुझे गौरी, गणपति और हिंदुओं के अन्य देवी-देवताओं में कोई विश्वास नहीं होगा और न ही मैं उनकी पूजा करूंगा।

4. मैं भगवान के अवतार में विश्वास नहीं करता।

5. मैं नहीं मानता और न मानूंगा कि भगवान बुद्ध विष्णु के अवतार थे। मैं इसे सरासर पागलपन और झूठा प्रचार मानता हूं।

6. मैं श्राद्ध नहीं करूंगा और न ही पिंड-दान करूंगा।

7. मैं बुद्ध के सिद्धांतों और शिक्षाओं का उल्लंघन करने वाला कोई कार्य नहीं करूंगा।

8. मैं ब्राह्मणों द्वारा किसी भी समारोह को नहीं कराऊंगा।

9. मैं मनुष्य की समानता में विश्वास करूंगा।

10. मैं समानता स्थापित करने का प्रयास करूंगा।

11. मैं बुद्ध के महान अष्टांगिक मार्ग का अनुसरण करूंगा।

12. मैं बुद्ध द्वारा बताई परमिताओं का पालन करूंगा।

13. मैं सभी जीवों पर दया और करूणा रखूंगा और उनकी रक्षा करूंगा।

14. मैं चोरी नहीं करूंगा।

15. मैं झूठ नहीं बोलूंगा।

16. मैं यौन अपराध नहीं करूंगा।

17. मैं शराब, नशीले पदार्थ आदि मादक द्रव्यों का सेवन नहीं करूँगा।

18. मैं अपने रोजाना के जीवन में अष्टांग मार्ग का अनुसरण करूंगा, सहानुभूति और दया भाव रखूंगा।

19. मैं हिंदू धर्म का त्याग करता हूं जो मानवता के लिए हानिकारक है और मानवता की उन्नति और विकास में बाधा डालता है क्योंकि यह असमानता पर आधारित है, और बौद्ध धर्म को अपना धर्म मानता हूं।

20. मेरा पूर्ण विश्वास है कि बुद्ध का धम्म ही एकमात्र सच्चा धर्म है।

21. मैं मानता हूं कि मेरा पुनर्जन्म हो रहा है।

22. मैं सत्यनिष्ठा से घोषणा और पुष्टि करता हूं कि मैं इसके बाद बुद्ध और उनके धम्म के सिद्धांतों और शिक्षाओं के अनुसार अपना जीवन व्यतीत करूंगा।

आंबेडकर ने क्यों त्यागा हिन्दू धर्म?

साल 1923 में जब बाबा साहब भीमराव आंबेडकर भारत लौटे तो जाति के संदर्भ में उनके सामने कई सवाल थे। शुरुआत में उन्होंने समाजवाद और मार्क्सवाद में इस सवाल का हल खोजा। अंत में उत्तर धर्म में पाया। 14 अक्टूबर 1996 को डॉ. भीमराव आंबेडकर ने नागपुर में लाखों दलितों के साथ मिलकर बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया था। ऐसा उन्होंने क्यों किया ये जानने के लिए आजादी के पहले के भारत में जाना होगा। 1947 में भारत अंग्रेजों से आजादी के सामानांतर एक और मांग उठी। जाति प्रथा से आजादी। एक बार मुंबई में महारों की एक सभा को संबोधित करते हुए बाबासाहेब ने कहा था कि मैं आप सभी को विशेष रूप से बताना चाहता हूं, धर्म मनुष्य के लिए है, न कि मनुष्य धर्म के लिए। मानव उपचार पाने के लिए, अपने आप को परिवर्तित करें। उन्होंने अगले 20 साल सभी धर्मों को पढ़ने में बिताए, और अंततः बौद्ध धर्म को चुना। एक अन्य अवसर पर, उन्होंने लिखा कि जब उन्होंने शुरू में सोचा था कि हिंदू धर्म को भीतर से सुधारा जा सकता है - जैसा कि महात्मा गांधी का मानना था - बाद में उन्होंने अपना विचार बदल दिया। आंबेडकर ने कहा था कि मैंने लंबे समय तक सोचा था कि हम हिंदू समाज को उसकी बुराइयों से छुटकारा दिला सकते हैं और दलित वर्गों को समानता के आधार पर इसमें शामिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अनुभव ने मुझे बेहतर सिखाया है। मैं आज पूरी तरह से आश्वस्त हूं कि दलित वर्गों के लिए हिंदुओं में कोई समानता नहीं हो सकती क्योंकि असमानता पर हिंदू धर्म की नींव टिकी हुई है।

लाहौर सम्मेलन के लिए लिखे भाषण में आंबेडकर ने क्या कहा

1936 में लाहौर के जाति तोदक मंडल के वार्षिक सम्मेलन के लिए लिखे एक भाषण में अम्बेडकर ने तर्क दिया कि हिंदू जाति पदानुक्रम का पालन इसलिए नहीं करते क्योंकि वे अमानवीय या गलत नेतृत्व वाले हैं, बल्कि केवल इसलिए कि यह उनके धर्म का अभिन्न अंग है। वे जाति का पालन करते हैं क्योंकि वे गहरे धार्मिक हैं। लोग जाति का पालन करने में गलत नहीं हैं। मेरे विचार में, उनका धर्म गलत है, जिसने जाति की इस धारणा को जन्म दिया है। उसी भाषण में उन्होंने आगे कहा, झूठ बोलने का कोई फायदा नहीं है। लोगों को यह बताने का कोई फायदा नहीं है कि शास्त्र यह नहीं कहते कि वे क्या कहते हैं, व्याकरणिक रूप से पढ़े जाते हैं या तार्किक रूप से व्याख्या किए जाते हैं। मायने यह रखता है कि लोगों ने शास्त्रों को कैसे समझा है। आपको वह स्टैंड लेना चाहिए जो बुद्ध ने लिया था। आपको वह स्टैंड लेना चाहिए जो गुरु नानक ने लिया था। आपको न केवल शास्त्रों को त्यागना चाहिए, आपको उनके अधिकार को नकारना चाहिए, जैसा कि बुद्ध और नानक ने किया था। आपको हिंदुओं को यह बताने का साहस होना चाहिए कि उनके साथ गलत क्या है उनका धर्म। यह भाषण, हालांकि, कभी नहीं दिया जा सका क्योंकि स्वागत समिति अम्बेडकर के विचारों से खुश नहीं थी और सम्मेलन रद्द कर दिया गया था।

भारतीयों के योगदान का सम्मान करता है न्यूजीलैंड

वीरेंद्र बहादुर सिंह

न्यूजीलैंड में भारतीय मूल के लोगों की संख्या 2,39,193 है। इसमें 1,17,348 लोग ऐसे हैं, जो भारत में पैदा हुए थे। न्यूजीलैंड की कुल जनसंख्या में 4.7 प्रतिशत भारतीय हैं। न्यूजीलैंड के मुख्य शहर ओकलैंड में ही भारतीय मूल के 1,54,824 लोग रहते हैं। वेलिंग्टन में 22,227 भारतीय रहते हैं। न्यूजीलैंड के अन्य शहरों और छोटे-छोटे गांवों में भी भारतीय देखने को मिल जाएंगे। व्यवसाय से ले कर मेडिकल और इंजीनियरिंग तक में भारतीयों का नाम है। न्यूजीलैंड की गणना दुनिया के स्टूडेंट्स के लिए पढ़ने के लिए श्रेष्ठ जगह मानी जाती है। हर साल एक लाख से अधिक विदेशी छात्र पढ़ने के लिए न्यूजीलैंड आते हैं। इसमें भारतीय छात्रों की संख्या दूसरे नंबर पर है। भारत के चेन्नई में पैदा हुई 43 वर्षीया प्रियंका राधाकृष्णन इस समय न्यूजीलैंड की सरकार में मंत्री हैं। न्यूजीलैंड की तमाम सरकारी और प्राइवेट संस्थाओं में तमाम भारतीय उच्च पदों पर काम कर रहे हैं। न्यूजीलैंड के भारतीय मूल के सांसद डा.गौरव शर्मा ने संस्कृत में शपथ ली थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में इस बात का उल्लेख कर के खुशी जाहिर की थी। यह सब कहने का मतलब यह है कि अपने देश के लोगों ने न्यूजीलैंड में अच्छी जगह बनाई है। न्यूजीलैंड के लोग भी भारतीयों को मेहनती और अच्छा समझते हैं। न्यूजीलैंड ने अभी उनके देश के विकास में बड़ा योगदान करने वाले भारतीयों को सम्मानित किया है।

भारत के विदेश मंत्री एस.जयशंकर बीते बुधवार और गुरुवार को दो दिन के न्यूजीलैंड के दौरे पर गए थे। सामान्य संयोगों में कोई भी मंत्री या अन्य अधिकारी किसी भी देश के दौरे पर जाता है तो अपने समकक्ष से मिलकर बातचीत करता है। एस.जयशंकर ने भी न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री नानिया महुता से मिल कर बात तो की ही, साथ ही न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न से भी वन-टू-वन मुलाकात की। एस.जयशंकर से मिलने के लिए जेसिंडा गुलाबी रंग की चुनरी वाली भारतीय ड्रेस पहन कर आई थीं। न्यूजीलैंड में जेसिंडा और एस.जयशंकर का फोटो वायरल हुआ था और न्यूजीलैंड में रहने वाले भारत मूल के लोग जेसिंडा की ड्रेसिंग पर बहुत खुश हुए थे। भारतीयों के सम्मान के समय जेसिंडा ने कहा था कि इस देश के विकास में भारतीय लोगों ने जो भूमिका अदा की है, वह काबिलेतारीफ है।

हमारा देश इस समय आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। इस महोत्सव को एस.जयशंकर की हाजिरी में न्यूजीलैंड में भी मनाया गया। न्यूजीलैंड की सरकार ने इंडिया७5 का विशेष पोस्टल स्टैंप निकाला है। विदेशमंत्री एस.जयशंकर ने न्यूजीलैंड में मोदी७20 ड्रिम्स मिट डिलिवरी नामक पुस्तक का लोकार्पण भी किया है। सिख समुदाय के साथ प्रधानमंत्री के लगाव के बारे में पुस्तक हार्टफेल्ट = द लिगसी आफ फेथ का भी विमोचन किया गया। न्यूजीलैंड के वेलिंग्टन में नए दूतावास की बिल्डिंग की ओपनिंग भी की गई। एस.जयशंकर ने न्यूजीलैंड में अंतर्राष्ट्रीय मामलों के बारे में खुल कर बात की। उन्होंने कहा कि रूस और यूक्रेन के युद्ध के दौरान जोपोरिज्या न्यूक्लियर प्लांट पर हमले का टेंशन बना था। तब दुनिया के तमाम देशों ने भारत से यह अपील की थी कि आप रूस को समझाओ कि वह ऐसा कुछ न करे।

न्यूजीलैंड इंटरनेशनल लेबल पर किसी इश्यू पर भारत के पक्ष में खड़ा रहता है। चीन के मुद्दे पर न्यूजीलैंड ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है। चीन के सामने न्यूजीलैंड ने अनेक बार नाराजगी व्यक्त की है। अलबत्ता, चीन के साथ न्यूजीलैंड के व्यावसायिक संबंध यथावत हैं। पिछले अप्रैल महीने में चीन ने सोलोमन आईलैंड के साथ सुरक्षा समझौता किया था।

राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर अवश्य जाएं और देश के लिए शहादत देने वालों को नमन करें

राष्ट्रीय समर स्मारक को युद्ध स्मारक के नाम से भी जाना जाता है। यह दिल्ली के इंडिया गेट के आसपास के क्षेत्र में फैला हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 25 फरवरी 2019 को 44 एकड़ में बने नेशनल वॉर मेमोरियल को राष्ट्र को समर्पित किया था। राष्ट्रीय समर स्मारक की मांग कई दशकों से हो रही थी लेकिन इसे पूरा किया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने। 2014 में राष्ट्रीय समर स्मारक बनाने के लिए प्रक्रिया शुरू की गयी और 2019 में इसका लोकार्पण किया गया। राष्ट्रीय समर स्मारक बनने से पहले तक इंडिया गेट पर स्थित अमर जवान ज्योति पर ही देश के शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी जाती थी। लेकिन जब राष्ट्रीय समर स्मारक बना तो रक्षा बलों के राष्ट्र के लिये किये गये योगदान को सराहने वाली इस पहल का देश ने भरपूर स्वागत किया। इस साल अमर जवान ज्योति की ज्योति का भी राष्ट्रीय समर स्मारक में विलय कर दिया गया। राष्ट्रीय समर स्मारक को युद्ध स्मारक के नाम से भी जाना जाता है। यह दिल्ली के इंडिया गेट के आसपास के क्षेत्र में फैला हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 25 फरवरी 2019 को 44 एकड़ में बने नेशनल वॉर मेमोरियल को राष्ट्र को समर्पित किया था। इस मेमोरियल में जाने के लिए कोई प्रवेश शुल्क नहीं है। यहां बड़ी संख्या में देश के विभिन्न भागों से तो लोग आते ही हैं साथ ही स्कूली छात्र भी समूहों में आकर हमारे वीर जांबाजों के शौर्य के बारे में जानते हैं। यहां सुंदर बगीचे सबका मन मोह लेते हैं और सुरक्षा बलों के शौर्य से जुड़े प्रतीकों के साथ लोग फोटो खिंचवाते हैं। हालांकि यहां कैमरा ले जाने के कुछ नियम भी हैं। इसके अलावा आप यहां स्थित विक्रय केंद्र से प्रतीक स्वरूप विभिन्न तरह के उत्पाद भी खरीद सकते हैं। राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में 25,942 सैनिकों के नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखे गए हैं। इस युद्ध स्मारक में 1947-48 के युद्ध से गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ संघर्ष तक शहीद हुए सैनिकों के नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित है।

सियासी अखाड़े के अपराजेय पहलवान थे मुलायम, उनका चले जाना बड़ी क्षति

डॉ. रमेश ठाकुर

मुलायम सिंह यादव का सियासी कॅरियर अनुभवों के समुद्र से भरा है। 8 बार विधायक रहे, 7 बार सांसद बने, 3 दफे सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का पद संभाला, उसके अलावा केंद्र सरकार में तीसरा सबसे महत्वपूर्ण पद रक्षा मंत्री को भी सुशोभित किया। विधि का मुकम्मल विधान तो यही है कि जो आया है वो जाएगा। लेकिन जाने वाला अपने जीते जी करके क्या गया? ये सवाल परलोकी होने के बाद बहुत मायने रखता है। जब क्या करने की बात कही जाएगी तो सियासी अखाड़े का अपराजेय खिलाड़ी मुलायम सिंह उर्फ नेताजी के लिए बोलने वाले और कागज़ पर उकेरने वाले शब्दों का शायद अकाल पड़ जाएगा। जुबान भी निशब्द हो जाएगी। ऐसा उस वक्त सभी को हुआ जब समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह के नहीं रहने की खबर गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल से निकली। बीमार चल रहे थे, उम्मीद थी ठीक हो जाएंगे। पर, शायद नियति को कुछ और मंजूर था। शायद उनके जीवन की यात्रा पूरी हो चुकी थी। सोमवार सुबह 8 बजकर 16 मिनट पर उन्होंने अंतिम सांस ली और इस नश्वर शरीर और संसार को हमेशा-हमेशा के लिए त्याग दिया। हम-आप कईयों के पास नेताजी से जुड़े किस्से-कहानियों का स्मरण रूपी खज़ाना होगा, जिसमें कुछ ऐसा होगा जिसमें उनसे जुड़ी कई यादें होंगी। नेताजी के जीवन के कई सफल अध्याय रहे, जिनमें एक शिक्षक, पहलवान व राजनीति की भूमिका अग्रणी रही। उन्हें अच्छा राजनीतिक रणनीतिकार माना जाता था। जनता को अपने बस में करने की कला उनमें कूट-कूट कर भरी थी। उनकी बातों में झूठ व दिखावा नहीं होता था। वास्तविकता झलकती थी। शुरू में वह राजनीति से खासा घृणा करते थे। लेकिन कुछ ऐसा हुआ कि राजनीति को ही उन्होंने अपना पेशा बनाया। जेपी आंदोलन से उनकी राजनीति का आरंभ हुआ। आंदोलन के बाद उन्होंने समाजवादी पार्टी की नींव रखी, बूंद-बूंद पानी की भांति कुनबा इकट्ठा किया। सबसे पहले अपने मूल क्षेत्र इटावा के लोगों को जोड़ा। इटावा के बाद धीरे-धीरे प्रदेश भर के समाजवादी विचारधारा के लोगों को अपने साथ जोड़ा। इसके लिए उन्होंने गांव-खेड़ा, कस्बे व शहरों में जा-जा कर लोगों के भीतर राजनीतिक जागरूकता की अलख जगाई। तब उन्होंने कुछ ऐसा देखा, समझा और एहसास किया कि मुल्क में जो राजनीति हो रही है उससे समाज के निचले, मजलूम, गरीब और असहाय तबके के लोगों का भला नहीं होगा। तब उन्होंने ऐसे लोगों के लिए पहलवानी का अखाड़ा छोड़ और कूद पड़े रातोंरात सियासी मैदान में और ठोक दी ताल। राजनीति में आने से पहले भी उनका जीवन अच्छा था, जीवन यापन के लिए सभी जरूरतें पूरी होती थीं, ज्यादा मगजमारी की आवश्यकता नहीं थी, लेकिन उनसे मजलूमों का दरदरा जीवन नहीं देखा गया। विशेषकर यादव समाज का, जिन्हें वो आगे ले जाना चाहते थे, उनको लगता था कि जैसे दूसरे सियासी दल अपनों का भला करना चाहते हैं, तो वह क्यों पीछे रहें? हालांकि बाद में उन्होंने अपनी इस सोच को त्यागा और सर्व समाज के लिए खुद के जीवन को न्यौछावर कर दिया। मुलायम सिंह यादव का सियासी कॅरियर अनुभवों के समुद्र से भरा है। 8 बार विधायक रहे, 7 बार सांसद बने, 3 दफे सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का पद संभाला, उसके अलावा केंद्र सरकार में तीसरा सबसे महत्वपूर्ण पद रक्षा मंत्री को भी सुशोभित किया। रक्षा मंत्री रहते हुए भी उन्होंने अपनी ऊर्जा का अच्छे से इस्तेमाल किया। मुलायम सिंह के संबंध सभी दलों के साथ अच्छे रहे। बीते 2 अक्टूबर से वह मेदांता अस्पताल में भर्ती थे, उन्हें देखने वालों का तांता लगा रहा। गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से लेकर मोदी मंत्रिमंडल के तमाम मंत्री समय-समय पर उनका हालचाल जानने अस्पताल पहुंचते रहे। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके पुत्र व वर्तमान समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव से फोन पर मुलायम सिंह यादव की दो दफे खैरियत जानी।

काम एक पैसे का नहीं फुर्सत एक मिनट की नहीं!

व्यस्त रहना अक्सर हमारे विचारों के अकेले होने की असुविधा के लिए बनाया गया एक बहाना होता है - एडवोकेट किशन भावनानी

गोंदिया - भारतीय सामाजिक संरचना हजारों वर्ष पुरानी है। विभिन्नता में एकता को प्रदर्शित करना और हमारे पूर्वजों बड़े बुजुर्गों द्वारा शाब्दिक तानों बानों में अनेक कहावतों की एक शाब्दिक संरचना कर डाली है, जो आज के इस आधुनिक डिजिटल युग में भी हम सटीक महसूस करते हैं जबकि हजारों वर्ष पूर्व तो इसकी शाब्दिक रचना करने वालों ने भी नहीं सोचा होगा कि इसकी सटीकता हजारों वर्ष के बाद भी प्रमाणित होते रहेगी!! वैसे तो अनेक कहावतें हैं पर आज हम अपने आप को बहुत व्यस्त बताते हैं, हर बात पर कहते हैं मुझे टाइम नहीं मिला, मैं बिजी हूं, मुझे फुर्सत नहीं, परंतु अगर वहीं पर मेरे बहुत काम का, फायदे का, किसी प्रकार की वित्तीय प्रलोभन का अवसर आ जाएगा तो मैं झट से टाइम निकाल लूंगा!! इसका अर्थ हजारों वर्ष पूर्व ही कहा गया था काम एक पैसे का नहीं फुर्सत एक मिनट की नहीं, काम बिल्कुल नहीं फिर भी समय नहीं, काम कौड़ी का नहीं फुर्सत ढेले की नहीं, बताते चलें कि कौड़ी और ढेला भारतीय मुद्रा की अत्यंत प्राचीनतम इकाई है कौड़ी थोड़ी छोटी और ढेला उससे बड़ी इकाई है, इसलिए हम इस कहावत सहित तमाम कहावतों, लोगोस, पंक्तियों पर जो इसपर आधारित है, असल में व्यस्त रहना अक्सर हमारे विचारों के अकेले होने और असुविधा के लिए बनाया गया एक बहाना है जो मानवीय स्वभाव बन गया है इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से, मुझे फुर्सत नहीं है परंतु काम एक पैसे का नहीं फुर्सत एक मिनट की नहीं इस पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम मुझे फुर्सत नहीं की करें तो हम अक्सर अपने आसपास निरंतर यह सुनते रहते हैं कि वह शान से कहते हैं, मुझे फुर्सत नहीं, परंतु हम महसूस करते हैं कि यह कहने की बात है, फुर्सत तो निकल ही जाती है किसी ने खूब ही कहा है कि, बिजी होना पर्याप्त नहीं है बिजी तो चीटियां भी होती है सवाल उठता है हम कहां बिजी हैं यह शानदार विचार है। हमें इसका जवाब ढूंढना चाहिए।

साथियों बात अगर हम जिंदगी को फुर्सत देने की करें तो, जिंदगी को फुर्सत की जरूरत काम से कुछ कम नहीं है, लेकिन बेहिसाब ख़्वाहिशें यह बात समझने नहीं देतीं। जो समझते हैं वे तमाम व्यस्तताओं के बावजूद समय निकालते हैं और इसे एक उत्सव की तरह मनाने के नित नए तरीके भी ईजाद कर लेते हैं।

वाट्स ने लिखा है कि लोग पैसे बनाना और बचाना तो जानते हैं लेकिन उसका इस्तेमाल करना नहीं, वे जिंदगी का आनंद लेने में असफल रहते हैं क्योंकि वे हमेशा जीने की तैयारी कर रहे होते हैं।

एक जीवित कमाई करने के बजाय वे अधिक कमाई कर रहे हैं, और इस प्रकार जब आराम करने का समय आता है तो वे ऐसा करने में असमर्थ होते हैं। 70 वर्षों में भी कुछ बदला नहीं है।

साथियों बात अगर हम किसी के विचारों की करें तो, कुछ लोगों के लिए फुर्सत का मतलब चार दीवारों के दायरे से थोडा आगे बढकर बाहर निकल कर कुछ करना होता है। यह किसी बाजार या मॉल में जाकर शॉपिंग करना हो सकता है, किसी अजीज दोस्त या रिश्तेदार से मिलना हो सकता है, किसी स्पोर्ट्स क्लब में जाकर दो-चार हाथ आजमाने की कोशिश हो सकती है, कोई हॉबी क्लास ज्वाइन करना हो सकता है या फिर कुछ और, कुछ लोग योग या ध्यान के शिविर में चले जाते हैं, शरीर और मन दोनों को हलका करने, दोनों के विष निकाल कर खुद को बिलकुल नया कर लेने के लिए। जिसकी जैसी भी पसंद हो, उसी के अनुरूप वह अपने लिए अपने दैनिक रुटीन से अलग हटकर कोई काम ढूंढ लेता है। ऐसा काम जो उसे उसके रोज के टाइट शेड्यूल से थोडा ढीला होने का मौका देता है।

यह ढीला होना उसके लिए ऐसे ही होता है जैसे दिन भर की भागदौड के बाद पांव पसारना!! साथियों बात अगर हम फुर्सत के चाहत की करें तो, अपने शौक पूरे करने से लेकर सपनों का संसार बसाने और आराम से जीने भर के लायक धन कमाने तक के लिए काम करना तो सभी चाहते हैं, पर काम के साथ-साथ फुर्सत की चाहत भी सबके भीतर होती है। फुर्सत की चाहत का यह मतलब बिलकुल नहीं कि %आराम बडी चीज है, मुंह ढक के सोइए वाली पोजीशन में आ जाएं। हालांकि हो सकता है कि कुछ लोगों के लिए यह मतलब भी हो और वैसे भी दिन-रात पसीना बहाते इंसान के लिए जरा से आराम की चाहत कोई गुनाह थोडे ही है। बहुत लोगों के लिए आराम का मतलब भी मुंह ढक के पड रहना नहीं होता। उनके लिए इसका मतलब बस घर में बैठे-बैठे कुछ-कुछ करते रहना होता है। कुछ-कुछ यानी कभी किसी कमरे को नए सिरे से सजाना तो कभी कोई किताब पढना, बहुत दिनों से अधूरी पडी किसी पेंटिंग को पूरा करने की कोशिश या हारमोनियम-तबला लेकर बैठ जाना, किसी भूली बिसरी धुन पर सिर धुनना और कोई सिरा पकड में आ जाने पर उसी की मस्ती में खो जाना, ऐसा कुछ भी या इससे भी भिन्न कुछ और, बस घर में बैठे-बैठे करते रहना। संस्कृति के श्लोक में भी आया है कि,पीत्वा मोहमयीं प्रमादमदिरा मुन्मत्तभूतं जगत् ॥ सूर्य् के अवागमन से दिनबदिन इन्सान की जिंदगी कम होती जाती है। व्यापार/व्यवसाय के काम में व्यस्त समय कब निकल जाता है, उसका ध्यान नहीं रहेता। जन्म, जरा (बुढापा), विपत्ति और (साक्षात) मृत्यु देखकर भी हमें डर नहीं लगता!

जितने काबिल थे उतना ही दिया

दस्तक तो देते रहो दरवाजों पर,
एक दूसरे के दरों पर दोस्तों हमेशा।
मुलाकात हो ना हो,सदाओं,आहटों
उम्मीदें रहेगी हमेशा।

बहुत दूर तक देखने की लालच में
बहुत कुछ पास से गुजर जाने दिया,
कल जी लेने की कशमकश ने
बेहतर आज को निकल जाने दिया।

जिंदगी के लिए कसीदे तो बहुत पड़े
हमने, जितने काबिल थे उतना ही
दिया उसने।

फकीरों की संगत
में दो पल क्या गुजार आए हम,
तासीर से लो अब बादशाह हो गए
हम।

लोग कहते हैं मैं बहुत मजे में हूं,
या तो मैं फकीर हूं या नशे में हूँ,
फकीरी अब रास आने लगी है मुझे
अब लोग अहमक कहने लगे हैं
मुझे।

तेरे दर से जो दुआएं देकर गया
फकीर, अकल आने के पहले सूबे
का बड़ा था अमीर।

शार्ट न्यूज

हमीरपुर : बिजली चोरी रोकने में विभाग ही कर रहा पुलिस का असहयोग

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में विद्युत चोरी रोकने एवं बिजली संबंधी मामलों के निस्तारण में राठ के अधिशासी अभियंता ही विद्युत चोरी निरोधक पुलिस (एटीपी) को सहयोग नही कर रहे है। इसकी शिकायत आला अफसरों से की गयी है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि अपर पुलिस अधीक्षक से एटीपी के कर्मियों ने इस बारे में शिकायत की है। थाने की जांच करने सोमवार को आये बिजली विभाग के अपर पुलिस अधीक्षक से एटीपी के थानाध्यक्ष समेत अन्य कर्मियों ने बिजली चोरी रोकने में विभागीय अधिकारी द्वारा सहयोग न करने की शिकायत की। एपीटी थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि जिले में बिजली चोरी के हर माह कम से कम छह सौ से अधिक मामले दर्ज हो रहे हैं। यह संख्या लगातार बढ़ रही है। आज भी जिले में बिजली चोरी नियंत्रण थाने में सात हजार मामले लंबित पड़े हैं। कल केस्को के अपर पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार दिवेदी ने सदर बिजली चोरी नियंत्रण थाने का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान थाने के स्टाफ ने बताया कि बिजली चोरी में जो आरोपी शमन शुल्क जमा करते हैं, उसकी रिपोर्ट एपीटी थाने को नहीं दी जाती है। जिससे समय से मुकदमों के निस्तारण की रिपोर्ट शासन को नहीं भेजी जाती है। इससे सदर थाने में मुकदमों का अंबार लगता जा रहा है।

आजमगढ़ में दो अलग हादसों में दो की मौतः देर रात्रि हुआ हादसा

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले में दो अलग-अलग हादसों में दो लोगों की मौत हो गई जबकि दो लोग घायल हुए हैं। देर रात्रि जिले के कंधरापुर और गंभीरपुर थाना क्षेत्र में हुई मार्ग दुर्घटनाओं में मालवाहक वाहन चालक व युवक की मौत हो गई। इस दुर्घटना में दो लोग घायल हो गए। घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं। कंधरापुर थाना क्षेत्र के मोहिउद्दीनपुर ग्राम निवासी बाललचंद यादव (54) गल्ला व्यवसायी के यहां मालवाहक वाहन चलाते थे। अपनी ड्यूटी समाप्त कर साइकिल से अपने घर लौट रहे थे। हाइवे मार्ग पर स्थित मद्धुपुर गांव स्थित पोखरे के समीप पहुंचे थे। इसी दौरान दूसरी तरफ से आ रही तेज रफ्तार कार सड़क पर बैठे जानवर से टकरा कर अनियंत्रित हुई और साइकिल सवार बालचंद यादव को अपनी चपेट में लेते हुए सड़क के किनारे खड़े पिकप वाहन से टकरा गई। इस दुर्घटना में बालचंद यादव की मौके पर ही मौत हो गई। इस तेज रफ्तार कार की टक्कर से पलटे पिकअप वाहन का चालक भी घायल हो गया। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दूसरी घटना गंभीरपुर थाना अंतर्गत हादसे में अज्ञात वाहन की चपेट में आ जाने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई जबकि पीछे बैठा रिश्तेदार युवक घायल हो गया।

जमीन विवाद में भाई को जिंदा जलाया

नोएडा। नोएडा में जमीन और रास्ते के विवाद को लेकर एक व्यक्ति को जान से मारने का प्रयास किया गया है। युवक को जिंदा जलाने की कोशिश की गई है। जिसमें युवक गंभीर रूप से घायल है। पीड़ित की पहचान मोनू निवासी निठारी हुई है। पीड़ित व्यक्ति को नोएडा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां से उसे दिल्ली के लिए रेफर कर दिया गया है। पीड़ित के भाई ने अपने चाचा के लड़कों सत्येंद्र और भूपेंद्र के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित व्यक्ति मोनू के भाई सोनू ने बताया कि उनकी जमीन और रास्ते का विवाद काफी समय से चल रहा है। विवाद को रोकने का प्रयास किया, तो उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। आरोपी सत्येंद्र पुत्र गजराज और आरोपी भूपेंद्र पुत्र गजराज सिंह ने उसके भाई को जान से मारने की धमकी दी। एडीसीपी आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि मोनू के भाई सोनू ने अपने चचेरे भाई सतेन्द्र व भूपेन्द्र पर जलाने का आरोप लगाया है। मामले में एसीपी-1 नोएडा ने जांच पड़ताल की गई। पूछताछ में सामने आया कि पड़ोसियों ने मोनू को जलते देखा था। तत्काल घर पर इसकी सूचना दी। पुलिस ने बताया कि आरोपित दोनों व्यक्ति में से भूपेन्द्र को फोन करने पर उसके द्वारा मोनू को अस्पताल ले जाया गया। घटना के समय सतेन्द्र एक न्यूज चैनल में डयूटी पर था। अस्पताल जाकर जांच करने पर पता चला की अस्पताल में एंट्री आत्महत्या करने के संबंध में की गई है। सभी बिन्दुओं पर गहनता से जांच की जा रही है।

कोई परेशान करे तो सिखाएं सबक : घबराने की बजाय पुलिस से करें शिकायत

फूलपुर, प्रयागराज। फूलपुर में पुलिस की टीम महिलाओं, युवतियों और छात्राओं को मिशन शक्ति अभियान के प्रति जागरूक कर कर रही है। मंगलवार को थाने की नारी सुरक्षा दल ने कोतवाली क्षेत्र में भीड़भाड़ वाले स्थानों में जाकर महिलाओं और युवतियों को मिशन शक्ति अभियान के बारे में जानकारी दी। उन्हें आत्मरक्षा के लिए जागरूक किया। एसआई अमित कुमार राय ने बाजार और मोहल्लों में महिला और बालिकाओं से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा की। उन्होंने महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सशक्तीकरण अभियान की जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं से कहा कि यदि आते-जाते यदि रास्ते में, कार्य स्थल या फिर घर के आसपास कोई परेशान करे, तो घबराएं नहीं। ऐसे लोगों को सबक सिखाने के लिए टोल फ्री नंबर पर कॉल करके पुलिस को सूचना दें। इस दौरान टीम ने वूमेन पावर लाइन-1090, महिला हेल्पलाइन नंबर-181, चिकित्सीय सहायता के लिए-108 पुलिस कंट्रोल नंबर-112 और चाइल्ड हेल्पलाइन-1098 की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शिकायत करने वालों का नाम-पता गोपनीय रखा जाएगा। इस दौरान महिलाओं और बालिकाओं को कानूनों की जानकारी दी गई। उन्हें सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए जागरूक किया गया।

उड़ीसा ने सिक्किम को 9 विकेट से हराया

लखनऊ। इकाना स्टेडियम में सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी में मंगलवार को सुबह सिक्किम और उडीसा के बीच मैच हुआ। जिसमें सिक्किम टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 100 रन बनाए। सिक्किम की तरफ से सबसे ज्यादा रन पंकज कुमार रावत ने बनाए। उन्होंने 34 गेंद में 34 रन बनाए। इसमें 4 शानदार चौके शामिल थे। वहीं, उड़ीसा की तरफ से जयंता बेहरा ने 4 ओवर में 19 रन देकर 2 विकेट लिए। उडीसा की टीम ने 9 विकेट से यह मैच जीत लिया। 15 ओवर 2 गेंदों में टीम ने 101 रन बना ली। टीम तरफ से सबसे ज्यादा आशीर्वाद ने 30 और अंशी ने 33 और शुभ्रांशु ने 33 रन बनाए। त्रिपुरा की तरफ से ली यांग लेपचा ने एक मात्र विकेट लिए। अब छत्तीसगढ़ और तमिलनाडु के बीच शाम को मैच होगा। बंगाल और झारखंड के बीच खेले जाने वाला मैच रद्द हो गया।

गाजियाबाद में 200 घंटे सफाई करके बनाया रिकॉर्ड

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम के सफाईकर्मियों ने 200 घंटे लगातार सफाई करके इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराया है। चीफ एडिटर डॉ. बिश्वरूप रॉय चौधरी की तरफ से मेयर आशा शर्मा को इसका सर्टिफिकेट दिया गया है। सफाई अभियान के इस कार्यक्रम की शुरुआत 2 अक्तूबर गांधी जयंती पर नंदग्राम क्षेत्र से की गई। बिना रुके लगातार सफाई अभियान चलता रहा। इसका समापन लालकुआं स्थित आईपीएम कॉलेज पर हुआ। ये पूरा अभियान लगातार 200 घंटे चला। अभी तक लगातार 186 घंटे तक सफाई करने का रिकॉर्ड कानपुर नगर निगम के नाम था, जो गाजियाबाद ने तोड़ दिया। इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड की तरफ से महापौर आशा शर्मा, नगरायुक्त नितिन गौड़ को प्रशस्ति पत्र और मेडल भेजा गया है। मंगलवार को नगर निगम सभागार में इस सम्मान की खुशी मनाई गई। अभियान में जुड़ने वाले सफाई मित्र सम्मानित किए गए। रोटरी क्लब गाजियाबाद ग्रेटर के सहयोग को भी सराहा गया।

ज्ञानवापीः 'शिवलिंग' की कार्बन डेटिंग जांच पर बहस पूरी, 14 अक्टूबर को आदेश की संभावना

वाराणसी। वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद में मिले कथित शिवलिंग की कार्बन डेटिंग जांच पर मंगलवार को मुस्लिम पक्ष ने भी अपनी आपत्ति दर्ज करा दी। इसके साथ ही मामले पर दोनों पक्षों की बहस पूरी हो गई है। अब अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को होगी। संभावना है कि उस दिन अदालत अपना आदेश सुना सकती है।

वाराणसी के जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में मामले पर सुनवाई हुई। मुस्लिम पक्ष ने कार्बन डेटिंग जांच पर दाखिल वाद पर मुख्य रूप से दो बिंदुओं पर आपत्ति दाखिल की है। पहली आपत्ति इसके मूलवाद को लेकर है। उनका कहना है कि यह मामला मूल वाद से संबंधित नहीं है। दूसरा जिसे शिवलिंग बताया जा रहा है, वह आकृति सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सील है।

पिछली सुनवाई में जिला जज ने वादी अधिवक्ता से पूछा था कि कार्बन डेटिंग की अर्जी का सम्बंध क्या मूलवाद में नियत रखता है या नहीं। इस पर अधिवक्ता हरिशंकर जैन और विष्णु शंकर जैन ने स्पष्ट किया था कि श्रृंगारगौरी सहित अन्य विग्रहों के पूजा के अधिकार के वाद में अदालत में दृश्य व अदृश्य देवता की बात कही गई थी। ऐसे में यह भी मूलवाद का हिस्सा है। इसके बाद अदालत ने मुस्लिम पक्ष से इस पर आपत्ति मांगी थी। मंगलवार को मुस्लिम पक्ष की तरफ से आपत्ति आई और बहस पूरी करने के साथ ही अदालत ने अपना आदेश सुरक्षित कर लिया।

वहीं, फास्ट ट्रैक कोर्ट में शिवलिंग की आकृति की पूजा-पाठ के वाद पर भी सुनवाई हुई। इस मामले में मुस्लिम पक्ष ने आदेश 7 नियम 11 के तहत पोषणीयता जांचने (मेरिट) का आवेदन दिया है। इस मामले पर अदालत कल सुनवाई करेगी।

लखनऊ में घर घुसकर महिला की पीट-पीट कर हत्या, इलाके में सनसनी

लखनऊ। लखनऊ में कृष्णानगर के भोलाखेड़ा इलाके में सोमवार देर रात घर में घुसे बदमाशों ने सेवानिवृत्त बैंक कर्मी मधुबाला (72) की लोहे की रॉड से पीट- पीट कर हत्या कर दी। घर में बुजर्ग महिला की हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई। परिजनों ने हिस्ट्रीशीटर ललित सोनकर पर भाड़े के बदमाशों से हत्या करवाने का आरोप लगाया है। परिजनों ने ललित समेत चार के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है।

एसीपी कृष्णानगर विनय कुमार द्विवेदी के मुताबिक आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। तीन टीमें गठित कर बदमाशों की तलाश की जा रही है। पारिवारिक रंजिश व लेनदेन समेत अन्य बिन्दुओं पर जांच की जा रही है। हीवेट रोड निवासी ललित सोनकर अमीनाबाद थाने का हिस्ट्रीशीटर है।

छत के रास्ते घर में घुसे बदमाश

कृष्णानगर के भोलाखेड़ा निवासी लेंस कारोबारी सौजन्य सरल के मुताबिक बुआ मधुबाला उनके परिवार के साथ रहती थी। रात करीब तीन बजे बदमाश छत के रास्ते से घर में दाखिल हुए।

उसके बाद बुआ के कमरे की कुंडी तोड़कर अंदर आ कर पिटाई करने लगे। चीखपुकार सुनकर वह भागकर बुी के कमरे के पास आए तो बदमाश तमंचा दिखाकर जान से मारने की धमकी देने लगे। इस बाद खुद को अपने कमरे में छिपकर जान बचाई। ललित सोनकर कई बार धमकी दे चुका था।

देवर ने किया भाभी का रेप, पति ने पंचायत के बीच दे दिया तीन तलाक

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के कंकरखेड़ा इलाके में दहेज की मांग पूरी न होने पर भरी पंचायत में पति ने महिला को तीन तलाक दे दिया। सोमवार को पीड़िता एसएसपी ऑफिस पहुंची और पूरे मामले से अवगत कराया। साथ ही देवर पर भी दुष्कर्म करने का आरोप लगाया। मामला संज्ञान में आने के बाद एसएसपी ने थाना पुलिस को जांच के आदेश दिए हैं।

जानकारी के मुताबिक हाईवे स्थित गांव निवासी महिला ने तहरीर देते हुए बताया कि उसकी शादी तीन वर्ष पूर्व हापुड़ जिले के पिलखुवा में हुई थी। शादी के बाद कुछ दिन तो सब कुछ ठीक चला। इसके बाद ससुराल वाले दहेज को लेकर प्रताड़ित करने लगे। वहीं मारपीट भी की जाने लगी, जिससे तीन माह का गर्भ गिर गया। समझौते को दोनों पक्षों में कई बार पंचायत भी हुई, लेकिन कोई फायदा नहीं मिला। महिला का आरोप है कि करीब आठ माह पूर्व देवर ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म भी किया था।

पीड़िता ने जब मामले की जानकारी पति को दी तो उसके साथ मारपीट की गई। साथ ही घर से निकाल दिया।

विवाहिता तभी से न्याय को भटक रही है। करीब एक महीने पहले गांव में पंचायत हुई थी, जिसमें पति ने तीन तलाक दे दिया। एसएसपी रोहित सिंह सजवान ने मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना पुलिस को जांच के आदेश दिए हैं।

दवा लेकर जा रहे भदोही के किसान की मौत हुई

वाराणसी। वाराणसी में रखौना गांव स्थित रिंग रोड के समीप मंगलवार को तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से मोपेड सवार किसान की मौत हो गई। सूचना पाकर मिर्जामुराद थाने की पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। आरोपी चालक को पुलिस ने ट्रक के साथ हिरासत में ले लिया है। भदोही जिले के औराई थाना अंतर्गत सारीपुर (बाबूसराय) गांव निवासी रामजीत पांडेय (52) हार्ट के मरीज थे। मंगलवार की सुबह वह अपनी मोपेड से दवा लेने के लिए वाराणसी गए थे। दोपहर बाद वह वापस अपने घर जा रहे थे। मिर्जामुराद थाना अंतर्गत रखौना गांव में रिंग रोड के समीप एक तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई।

70 साल के शख्स ने अपनी तीसरी पत्नी को कुल्हाड़ी से काटकर उतारा मौत के घाट

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के शाहपुर गांव तावली में सोमवार देर रात 70 साल के बुजुर्ग ने अपनी पत्नी की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मंगलवार सुबह लगी जब ग्रामीणों ने मकान में महिला का लहूलुहान शव पड़ा देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान महिला के परिजनों ने मौके पर पहुंचकर घटना का विरोध करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने से इंकार कर दिया जिसके बाद पुलिस ने समझा-बुझाकर शांत किया और शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

जानकारी के मुताबिक शाहपुर के गांव सांवली निवासी असगर अली ने सैदपुर निवासी अंजुम से निकाह किया था। असगर अली की पहले दो पत्नियों की मौत हो चुकी थी जिसके बाद उसने तीसरी शादी अंजुम से की थी। बताया जाता है कि पिछले काफी समय से दोनों में कुछ विवाद चला आ रहा था। सोमवार देर रात जब वह अपनी पत्नी के साथ मकान में सोया हुआ था इसी बीच असगर अली ने कुल्हाड़ी से सोते समय अपनी पत्नी अंजुम के सिर पर हमला कर उसकी हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया।

मंगलवार सुबह ग्रामीणों ने मकान में देखा तो वहां पर अंजुम का शव लहूलुहान अवस्था में पड़ा हुआ था। सूचना पर सीओ बुढ़ाना विनय गौतम और थाना प्रभारी राधेश्याम यादव पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और छानबीन करते हुए शव को कब्जे में कर लिया। इस दौरान मृतक महिला के पहुंचे परिजनों ने पोस्टमार्टम हेतु शव ले जाने से साफ इंकार करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद हंगामे के बीच पुलिस ने समझा-बुझाकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी। उधर, ग्रामीणों द्वारा बताया जाता है कि असगर अली ने अपनी दूसरी पत्नी की भी जहर देकर हत्या कर दी थी।

मदरसों की जांचः नहीं मिल रहे फंड के सोर्स

वाराणसी। यूपी में मदरसों की जांच का दौर अंतिम चरण में है। सरकार ने जिस मकसद से मदरसों की जांच शुरू कराई वह पूरा होता दिखाई दे रहा है। तमाम मदरसों को चलाने के लिए आने वाले फंड के सोर्स नहीं मिले हैं। कई मदरसों में तो शौचालय तक नहीं थे। ऐसी हालत देखकर जांच करने वाली टीम भी भौंचक रह गई है। बनारस में दो तहसीलों सदर व राजातालाब में जांच पूरी हो गई है। इसमें 12 मदरसे ऐसे मिले हैं जो अपने फंड का सोर्स नहीं बता पाए हैं। वहीं 87 मदरसे बिना मान्यता के चल रहे हैं। दस मदरसों में शौचालय भी नहीं है।

शासन के निर्देश पर जिले में 10 सितंबर से मदरसों का सर्वे शुरू हुआ

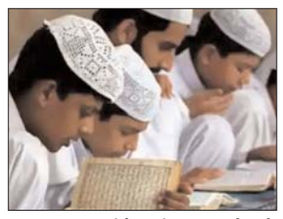

था। एक महीने की जांच में दो तहसीलों में 195 मदरसे मिले हैं। जिसमें 23 अनुदानित हैं, 85 मान्यता प्राप्त और 87 बिना मान्यता के संचालित हैं। ज्यादातर ने अपने आय का जरिया चंदा और छात्रों की फीस को बताया है।

कई मदरसे निजी और सोसाइटी की जमीन पर संचालित हैं। इनकी रिपोर्ट जिला अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने बना ली है। जिला अल्पसख्यंक कल्याण अधिकारी संजय मिश्रा ने बताया कि पिंडरा तहसील की रिपोर्ट अभी नहीं मिली है। वहां की रिपोर्ट आने के बाद इसे डीएम के माध्यम से शासन को भेजा जाएगा।

20 मदरसों में 15 से कम बच्चे

अब तक के सर्वे के मुताबिक 20 मदरसे ऐसे भी मिले हैं जहां 15 से कम छात्र पढ़ रहे हैं। हालांकि यहां शिक्षकों की संख्या भी एक-दो ही है। इन मदरसों को संचालित करने के लिए चंदा मिलता है।

मस्जिद में संचालित मदरसे

सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक छह मदरसे ऐसे मिले हैं जो मस्जिद में संचालित हैं। यानी जमीन मस्जिद के नाम से है। इन मदरसों में छात्रों के साथ ही सुबह और शाम आस-पास के बच्चे भी पढ़ने जाते हैं।

सिर्फ मदरसे के भरोसे नहीं हैं छात्र

मदरसे में पढ़ने वाले करीब 50 फीसदी छात्रों को दूसरे स्कूलो में भी रजिस्ट्रेशन मिला है। यानी ये बच्चे दोनों जगह पढ़ रहे हैं।

अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अधिकारियों का कहना कि बच्चे मदरसे में दीनी तालीम पाने जाते हैं वहीं आधुनिक शिक्षा के लिए अन्य संस्थाओं में पढ़ रहे हैं।

सहारनपुर : कोल्हुओं की हलचल शुरू, फिजां में फैलने लगी गुड़ की महक

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में जायके में स्वादिष्ट और मन को मोहने वाली खुशबू से भरी खूबियों वाले गुड़ बनने का काम तेजी के साथ शुरू हो गया है।

चीनी मिलों ने भी पेराई सत्र की शुरूआत करने की तैयारी करना शुरु कर दिया है। बारिश के कारण चीनी मिलों का पेराई सत्र नवंबर के पहले हफ्ते में जाकर शुरू हो सकता है। तब तक किसानों की मजबूरी कोल्हुओं पर ही गन्ना बेचने की बनी रहेगी।

कोल्हुओं पर गन्ना डालने वाले किसानों का कहना है कि सरकारी भाव 325 रुपये रूपए प्रति क्विंटल से इतर कोल्हुओं पर अभी 230 रुपये से 260 रुपये प्रति क्विंटल मिल रहा है। छोटे किसान मजबूरी में कोल्हुओं पर लुटने-पिटने को विवश हैं। गुड़ बनने का सीजन अक्टूबर माह में शुरू होकर अप्रैल-मई तक चलता हैं। सहारनपुर जिले में बड़ी तादाद में कोल्हू का व्यवसाय कुटीर उद्योग के रूप में विकसित हो गया है। थोड़ी सी पूंजी में ही लोग हर साल इस कारोबार को शुरू कर देते हैं।

जब तक चीनी मिलों पर पेराई शुरू होती है, तब तक कोल्हू संचालक सस्ते भाव पर गन्ना खरीद कर अपनी चांदी काट लेते हैं। देवबंद-नानौता सड़क मार्ग पर दोनों ओर बड़गांव और महेशपुर के आसपास डेढ़ दर्जन कोल्हुओं पर गुड़ और शक्कर बननी शुरू हो गई है।

अयोध्या में बारिश से मकान ढहा, मलबे के नीचे दबा परिवार, दो की मौत, दो घायल

अयोध्या। अयोध्या में इनायतनगर थाना क्षेत्र के हैरिंग्टनगंज पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत बसवार कलां गांव में रुक-रुक कर हुई बरसात के चलते कच्चा मकान गिरने से दीवाद्ध के मलबे में पूरा परिवार दब गया। जिनमें एक महिला और बच्चे की मौत हो गई और दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना की जानकारी पाकर मौके पर पहुंचे हैरिंग्टनगंज चौकी प्रभारी रजनीश पाण्डेय ने हादसे में मारे गए दोनों लोगों के शव को कब्जे में लेकर पंचायत नामा कराने के उपरांत अन्य विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है। बसवार कला मजरे सरफराज नाई का पुरवा में लगातार कई दिनों से हो रही बारिश के चलते अब्दुल मजीद उर्फ डगडग का कच्चा मकान ढह गया। मकान के अन्दर ही पूरा परिवार सो रहा था। अचानक यकायक मकान ढहने से पूरा परिवार दीवाल के मलबे के नीचे दब गया। अगल-बगल रहने वाले लोगों के हल्ला गुहार के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। ग्राम प्रधान अशोक तिवारी ने बताया कि 60 वर्षीय अब्दुल मजीद उर्फ डगडग पुत्र मोहम्मद लतीफ व 58 वर्षीय उनकी पत्नी मेहरूल निशा गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। वहीं बगल में लेटी उनकी 35 वर्षीय बेटी शकीना पत्नी मकसूद व चार वर्षीय नाती साहबान पुत्र मकसूद निवासी ग्राम चितौरा पूरे गढ़वाली अमरगंज थाना खण्डासा की मृत्यु हो गई है। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने हादसे में घायल लोगों को आनन फानन में इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। बताया गया कि शकीना बानो बारावफात में अपने मायके निमंत्रण में आई थी। घटना के बाद पूरे गांव में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी मिलते ही नायब तहसीलदार स्वेताभ सिंह, क्षेत्राधिकारी सत्येंद्र भूषण त्रिपाठी इनायत नगर थाने के प्रभारी निरीक्षक अमरजीत सिंह भी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए और उन्होंने घटना की गहन छानबीन शुरू कर दी।

महोबा : आकाशीय बिजली गिरने से एक किसान की मौत

महोबा। उत्तर प्रदेश में महोबा जिले के श्रीनगर क्षेत्र में कल रात तेज बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से उसकी चपेट में आकर एक किसान की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि यह घटना लुहेड़ी गांव की है। जहां मूंगफली की खुदाई का कार्य होने के कारण 42 वर्षीय किसान हेमाश्रीवास अपने खेत पर ही बनी झोपड़ी में सोया हुआ था। तभी मध्य रात्रि में मूसलधार बारिश के दौरान झोपड़ी से सटे पेड़ में अचानक तेज गड़गड़ाहट के साथ बिजली गिरी। जिससे आग लग जाने के कारण न सिर्फ फूस की झोपड़ी जल कर खाक हो गई बल्कि किसान हेमा भी बुरी तरह झुलस गया। उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। पुलिस के मुताबिक पूरी रात चली बारिश के कारण घटना की जानकारी मृत किसान के परिजनों को नहीं हो सकी।

पुलिस को मिला भारी भरकम जखीरा

मैनपुरी। यूपी पुलिस को एक पूर्व प्रधान के घर से मौत का सामना बनाने का भारी भरकम जखीरा मिला है। बेवर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर हथियार बनाने की फैक्ट्री बरामद की है। गांव का पूर्व प्रधान अपने मकान के पीछे कोठरी में हथियार तैयार करा रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छापेमारी की और तीन तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। मौके से बड़ी संख्या में बने अधबने हथियार बरामद हुए हैं। मुकदमा दर्ज कर तीनों आरोपियों को जेल भेजा गया है।

मंगलवार को अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने पुलिस लाइन के सभागार में इस सफलता की जानकारी दी। एएसपी ने बताया कि बेवर थाना प्रभारी नरेंद्र कुमार शर्मा को मुखबिर से सूचना मिली कि थाना क्षेत्र के ग्राम हुसैनपुर में पूर्व प्रधान कावेंद्र उर्फ बंटू पुत्र कोमल सिंह अपने मकान के पीछे कोठरी में हथियार तैयार करा रहा है।

सूचना पर पुलिस ने छापेमारी की तो वहां हथियार तैयार होते मिले। पुलिस को देखते ही आरोपी भागने लगे लेकिन पुलिस ने दौड़ाकर बंटू के अलावा राजू पुत्र विष्णु दयाल निवासी नगला भूपत थाना किशनी, उमेश पुत्र नवाब सिंह निवासी सिनोड़ा थाना मोहम्मदाबाद जनपद फर्रुखाबाद को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस टीम को दिया 15 हजार का इनाम

मौके से पुलिस ने तीन बने हुए तमंचे, एक बनी हुई बंदूक, चार अधबने तमंचे तथा बड़ी संख्या में हथियार बनाने के उपकरण बरामद किए। पकड़े गए आरोपियों को थाने लाया गया और पूछताछ की गई तो उन्होंने जानकारी दी कि वे एक तमंचा 5 हजार तथा बंदूक 8 हजार में बेच देते हैं। यह हथियार डिमांड पर तैयार किए जा रहे थे। यारोपी अब तक दर्जनों तमंचे और बंदूक मैनपुरी, फर्रुखाबाद, कन्नौज, इटावा आदि जिलों में बेच चुके हैं। आरोपियों ने पूछताछ में कई नाम बताए हैं जिनसे हथियारों की रिकवरी के लिए टीम लगाई गई है। इस सफलता पर पुलिस टीम को एसपी कमलेश दीक्षित ने 15 हजार का इनाम देने की घोषणा की है।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर दो गुटों के बीच हुई पत्थरबाजी

खरगूपुर। यूपी के गोंडा में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक धार्मिक पोस्ट करने के बाद दो समुदायों के बीच विवाद बढ़ गया। देखते ही देखते दोनों गुटों के बीच पत्थरबाजी होने लगी। पुलिस ने इस मामले 25 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

उत्तर प्रदेश के गोंडा में सोशल मीडिया पर आपत्तिजन धार्मिक पोस्ट करने के बाद दो समुदायों के बीच विवाद बढ़ गया। देखते ही देखते दोनों गुटों के बीच पत्थरबाजी होने लगी। मौजूद लोग नारेबाजी करने लगे। जब इसकी सूचना पुलिस को मिली तो मौके पर पहुंचकर पोस्ट करने वाले समेत 25 लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

ये मामला जिले के खरगूपुर क्षेत्र के चौक बाजार है। टिक्की और चाउमीन की दुकान करने वाले एक युवक ने सोशल मीडिया एक आपतिजनक पोस्ट कर दिया।

इस पोस्ट में धर्म विशेष को ठेस पहुंचाने संबंधित टिप्पणी की गई थी। इसकी जानकारी मिलने के बाद पुलिस सक्रिय हो गई और युवक के घर पहुंचकर उसके बारे में पूछताछ करने लगी। बताया जा रहा है कि युवक घर पर नहीं था।

सोमवार रात करीब आठ बजे दूसरे समुदाय के सैकड़ों लोग खरगूपुर बाजार में इक्ठा हो गए। जानकारी के मुताबिक चौक पर मौजूद लोगों ने युवक के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद उसके घर पर हमला बोल दिया। देखते ही देखते भीड़ उग्र हो गई और ईंट-पत्थर और शीशी बोतलें फेंकने लगी। सूचना मिलते ही खरगूपुर थानाध्यक्ष मौके पर पहुंचे।

प्रयागराज में लाठी-डंडे और राड से पिटाई : एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर

प्रयागराज। प्रयागराज में दो युवक मंगलवार भोर में खून से लथपथ हालत में मिले। लोगों की सूचना पर पुलिस पहुंच गई। दोनों को स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर डाक्टरों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। दूसरे की हालत नाजुक बनी है। उसका इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार, गंभीर हालत में एडमिट युवक ने बताया कि उन दोनों पर राड से हमला किया गया है। पुलिस ने मृत युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उधर पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

फिरोजाबाद : नेताजी के निधन से पुरखों के गांव में शोक की लहर

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं समाजवादी नेता मुलायम सिंह यादव का पुश्तैनी गांव फिरोजाबाद जनपद में होने के कारण उनका इस जिले से खास रिश्ता था। नेताजी के उपनाम से लोकप्रिय श्री यादव के निधन की खबर से सोमवार को पूरे जिले में शोक की लहर दौड़ गई।

गौरतलब है कि फिरोजाबाद की शिकोहाबाद तहसील का इटौली गांव श्री यादव का पुश्तैनी गांव है। इस गांव में उनके खानदान के लोग रहते हैं। नेताजी के दादा मेवाराम यादव इस गांव से सैंफई जाकर बस गये थे। गांव इटोली के लिये नेता जी के निधन का समाचार निजी तौर पर दुख का वाहक बना। गांव वाले बताते हैं कि आज इस मनहूस खबर सुनने के बाद गांव के तमाम घरों में चूल्हे भी नहीं जले। दरअसल श्री यादव ने शिकोहाबाद में ही रहकर एके कॉलेज में शिक्षा ग्रहण की थी। गांव के लोगों के बीच खेलने कूदने के साथ पहलवानी के दांव पेंच भी उन्होंने इसी गांव के अखाड़े में सीखे और आजमाये थे।

इन यादों को उनके परिजन आज भी ताजा किए हुए हैं। शिकोहाबाद में एके कॉलेज में उनके नाम से एक छात्रावास भी बना हुआ है।

शार्ट न्यूज

जियो बीपी लगाएगी महिंद्रा की इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए फास्ट चार्जिंग स्टेशन

मुंबई। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने आगामी इलेक्ट्रिक वाहनों हेतु चार्जिंग नेटवर्क स्थापित करने के लिए जियो बीपी के साथ समझौता किया है। इसके तहत जियो बीपी देश भर में महिंद्रा डीलरशिप नेटवर्क और वर्कशॉप में डीसी फास्ट चार्जर स्थापित करेगा। इसके अलावा पिछले साल ही इन कंपनियों ने ईवी उत्पादों और सेवाओं के निर्माण के क्षेत्र में भी एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। देश में शुरूआत में 16 शहरों में यह फास्ट चार्जिंग स्टेशन शुरू किए जाएंगे जिसके बाद इन्हें जनता के लिए शुरू किया जाएगा। गौरतलब है कि महिंद्रा ने इस महीने की शुरुआत में अपनी पहली ऑल–इलेक्ट्रिक सी सेगमेंट एसयूवी–एक्सयूवी400 लॉन्च की थी। कंपनी अगले कुछ वर्षों में देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की एक पूरी श्रृंखला लॉन्च करेगी। जिसके लिए ग्राहकों को फास्ट चार्जिंग नेटवर्क देने के लिए जियो बीपी के साथ साझेदारी की गयी है। उल्लेखनीय है कि आरआईएल और बीपी का संयुक्त उद्यम शहरों और प्रमुख राजमार्गों पर चार्जिंग सुविधाएं स्थापित करते हुए अपने जियो–बीपी पल्स ब्रांडेड ईवी चार्जिंग नेटवर्क का विस्तार कर रहा है।

रुपया 19 पैसा चढ़ा

मुंबई। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर के कमजोर पड़ने के बल पर आज अंतरबैंकिंग मुद्रा कारोबार में रुपया 19 पैसे की उछाल लेकर 82.21 रुपये प्रति डॉलर पर रहा। पिछले दिवस रुपये 82.40 रुपये प्रति डॉलर पर लुढ़क गया था। रुपया आज पांच पैसे की मजबूती के साथ 82.35 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। सत्र के दौरान यह 82.42 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक उतरा लेकिन इसी दौरान डॉलर के कमजोर पड़ने की खबर से मिले समर्थन के बल पर रुपया 82.21 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया और यही इसका उच्चतम स्तर भी रहा।

हाउसिंगडॉटकॉम की इंश्योरटेक प्लेटफॉर्म रिस्ककवरी के साथ साझेदारी

नयी दिल्ली। प्रॉपटेक प्लेटफॉर्म हाउसिंगडॉटकॉम ने आज बीमा वितरण व्यवसाय में प्रवेश करने की घोषणा के साथ ही इंश्योरटेक प्लेटफॉर्म रिस्ककवरी के सहयोग में अपनी तरह के पहले रेंट प्रोटेक्ट कवर की पेशकश की। कंपनी ने आज यहां कहा कि यह कवर अपने खरीदारों को 99 रुपये प्रति माह के प्रीमियम पर कई बीमा लाभ प्रदान करेगा। रेंट प्रोटेक्ट कवर के लॉन्च के साथ उसके ग्राहक ऑनलाइन किराया भुगतान के समय बीमा का लाभ उठा सकते हैं। भारतीय प्रॉपटेक क्षेत्र में यह अपनी तरह की पहली पेशकश है। बीमा दो लाख रुपये तक की 15 गंभीर बीमारियों को कवर करेगा। इसके अलावा एक लाख रुपए की व्यक्तिगत दुर्घटना योजना और अचानक अस्पताल में भर्ती होने पर 60,000 रुपये तक का चिकित्सा खर्च भी कवर किया जाएगा। बीमा पॉलिसी की अवधि वार्षिक होगी, हालांकि, प्रीमियम का भुगतान मासिक रूप से किया जा सकता है। ग्राहक बेनिफिट क्लेम राशि का उपयोग देय किराये का भुगतान करने के लिए कर सकते हैं अन्यथा यह उपरोक्त कारणों से डिफ़ॉल्ट के जोखिम में होता।

अमिताभ बच्चन के 80वें जन्मदिन पर डाबर रैड पेस्ट का 'देश का लाल' अभियान

नयी दिल्ली। आयुर्वेदिक कंपनी डाबर इंडिया लिमिटेड के आयुर्वेदिक ओरल केयर ब्राण्ड डाबर रैड पेस्ट ने बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन के 80वें जन्मदिन पर विशेष म्युज़िकल वीडियो 'देश का लाल – ईर बीर पत्ते' लॉन्च किया है। कंपनी के विपणन उपाध्यक्ष अभिषेक जुगरान ने आज कहा, ''पूरे डाबर परिवार की ओर से मैं श्री बच्चन को उनके 80वें जन्मदिन की बधाई देना चाहता हूँ। हमें खुशी है कि हम इस म्युज़िकल वीडियो के साथ उनका जन्म दिन मना रहे हैं। यह और भी खास हो जाता है जब श्री बच्चन खुद नए अवतार में अपने लोकप्रिय गीत 'ईर बीर पत्ते' पर परफोर्म करते हैं। नया म्युज़िकल कैंपेन इस बात पर रोशनी डालता है कि किस तरह डाबर रैड पेस्ट आयुर्वेद एवं आधुनिक विज्ञान का बेहतरीन संयोजन है और उपभोक्ताओं को कम्पलीट ओरल केयर देता है।' कंपनी के ओरल केयर के विपणन प्रमुख हरकवल सिंह ने कहा सुपरस्टार के साथ तैयार किया गया यह स्पेशल म्युज़िक वीडियो दर्शकों को संदेश देता है कि डाबर रैड पेस्ट उनके मुंह को किसी भी तरह की समस्याओं से सुरक्षित रखता है और वे निश्चिंत होकर स्वादिष्ट भारतीय व्यंजनों का लुत्फ़ उठा सकते हैं। श्री बच्चन ने इस म्युज़िक को अपने स्टाइल में गाकर इसे और भी खास बना दिया है। इसके माध्यम से वे दर्शकों को बता रहे हैं कि दुनिया का नंबर 1 आयुर्वेदिक टूथपेस्ट डाबर रैड पेस्ट उनके दांतों की सभी समस्याओं को दूर करता है।

भारत ईयूए के बीच क्षेत्रीय मुद्राओं में व्यापार पर बातचीत बढ़ाने पर सहमति

नयी दिल्ली। भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने आपसी व्यापार एक दूसरे की मुद्राओं के माध्यम से करने के मुद्दे पर बातचीत जारी रखने पर सहमति जताई है। भारत ने यूएई के सरकारी निवेश कोष से निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए इस सम्बंध में कुछ और रियायतें दिए जाने की यूएई की मांग पर गौर करने का आश्वासन भी दिया है। वाणिज्य पीयूष गोयल ने भारत–यूएई उच्च स्तरीय संयुक्त कार्य बल की 10वीं बैठक में दोनों पक्षों के बीच आर्थिक, व्यापारिक और निवेश संबंधी मुद्दों पर चर्चा की। पारस्परिक व्यापार एक दूसरे की मुद्रा में किए जाने के विषय में भी बातचीत हुई। श्री गोयल तथा अबू धाबी अमीरात की कार्यकारी परिषद के सदस्य महामहिम शेख हमीद बिन जायद अल नाहयान के साथ मिल कर इस बैठक की अध्यक्षता की। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की यहां मंगलवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है, क्षेत्र राष्ट्रीय मुद्राओं में द्विपक्षीय व्यापार करने के लिए एक तंत्र का निर्माण करना इस बैठक में चर्चा का एक महत्वपूर्ण मुद्दा था। बयान में कहा गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक और संयुक्त अरब अमीरात के सेंट्रल बैंक के बीच एक साझा डिजिटल भुगतान मंच के रूप में एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) के इस्तेमाल के मुद्दे पर चल रही चर्चा का उल्लेख करते हुए, इसे जारी रखने पर दोनो पक्ष सहमत हुए हैं। बयान में पीयूष गोयल के हवाले से कहा गया है भारत–यूएई संबंधों में अभूतपूर्व गति देखी जा रही है तथा बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग के लिए बड़ी संख्या में अवसर मौजूद हैं।

कमर्शियल ईवी को सुपर चार्ज करने के लिए तोशिबा और ईवी एज का करार

नयी दिल्ली। तोशिबा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने आज ईवी एज ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक करार की घोषणा की है जिसके तहत 10,000 ईवी एज इलेक्ट्रिक कमर्शियल वाहनों को रिचार्जेबल लिथियम–आयन बैटरी की आपूर्ति की जाएगी। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह साझेदारी के बाद दो वर्षों के दौरान विकास और साझे प्रमाणीकरण का काम होगा और इन सैल्स को ईवी एज के प्रॉपराइटरी अल्ट्रा–स्टेबल व रैपिड चार्जिंग बैटरी पैक्स में लगाया जाएगा।यह करार 2023में पर्याप्त बैटरी की उपलब्धता की गारंटी सुनिश्चित करेगा। इस तरह ईवी एज को तेजी से अपना उत्पादन बढ़ाने और भारत में हजारों डिलिवरी वैन की आपूर्ति करने में मदद मिलेगी। तोशिबा इंडिया के साथ साझेदारी से यह भी तय होगा की ईवी एज अपने लागत व मार्जिन लक्ष्यों को प्राप्त कर सके। कमर्शियल डिलिवरी वैन में लिथियम टाइटेनियम ऑक्साइड बिक्री का यह पहला डिप्लॉयमेंट है।

सिस्को ने हाइब्रिड वर्क से लिए पेश किया इंडिया वेबैक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर

एजेंसी

नयी दिल्ली। तकनीकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी सिस्को के अध्यक्ष डेव वेस्ट ने कहा है कि 2030 तक भारत में डिजिटल कर्मचारियों की संख्या में तीन गुना वृद्धि होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि इन संभावनाओं के दोहन के लिए हमारा लक्ष्य एक बेहतर अनुभव वाली अधिक समावेशी डिजिटल सुविधा प्रदान करना है।

सिस्को ने भारत में कहीं से भी बैठकर काम करने के बढ़ते रुझान को देखते हुए काम के हाइब्रिड मॉडल की सुविधा के लिए उपभोक्ताओं में अपने ऑनलाइन वेबैक्स मंच को अपना रहे ग्राहकों की संख्या में तेजी से वृद्धि लाने के लिए इंडिया वेबैक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर और आवश्यक नियामक लाइसेंस में निवेश किया है।

उन्होंने आज यहां संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी देते हुए दावा किया कि इंडिया वेबैक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर सेवा की दरें विशेष रूप से भारत के ग्राहकों को ध्यान में रखकर गठित की गयी हैं। इससे ग्राहकों की लागत में 50 प्रतिशत तक कम हो जाएगा।

श्री वेस्ट ने कहा कि देश में सहयोग समाधानों के लिए इंडिया वेबैक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर अपनी तरह की पहली सेवा है। वेबैक्स में एक समर्पित डेटा सेंटर है जो सिस्को के सुरक्षित उत्पादों और समाधानों से समर्थित है। इसका लक्ष्य सर्वश्रेष्ठ डेटा गोपनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

उन्होंने कहा कि मासिक आधार पर लाखों प्रतिभागियों के साथ इस परिवर्तन में वेबैक्स वैश्विक स्तर के कुछ प्लेटफार्मों में से एक है और सिस्को की देश में हाइब्रिड वर्क (कहीं से भी काम करने की सुविधा) में तेजी लाने के लिए किए गए निवेशों की श्रृंखला में यह नया डेटा सेंटर नवीनतम है। इससे भौगोलिक सीमाओं, समाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि या भाषा की परवाह किए बिना नए अवसर पैदा कर सकते हैं।

डेटा सेंटर ग्राहकों को कई सेवाएं प्रदान करेगा और कंपनी को निरंतर विकास बनाए रखने, समृद्ध उपयोगकर्ता अनुभव की सुविधा प्रदान करने और वेबैक्स प्रणाली में उद्योगों में अग्रणी सुरक्षा और प्रबंधन प्रदान करने की अनुमति देगा।

वेबैक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर परिचालन लागत को कम करते हुए तकनीकी दक्षता बढ़ाएगा। डेटा सेंटर सिस्को को देश में अधिक स्टार्ट–अप, ग्राहकों, भागीदारों और सेवा प्रदाताओं के साथ साझेदारी करने और नए नवाचारों को तेजी से बाजार में लाने की सुविधा देगा।

सिस्को इंडिया और सार्क की अध्यक्ष डेजी चित्तिलापिल्ली ने कहा, हाइब्रिड वर्क के दायरे और गति को बढ़ावा देने के प्रयास में यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। जिस तरह अधिक कंपनियां हाइब्रिड होंगी, सुरक्षित और अनुकूल हाइब्रिड कार्य के समाधानों की मांग में बढ़ोतरी होगी। इस निवेश के साथ हम एक बढ़ते बाजार में अपना विस्तार करना चाहते हैं जिसके भारत में 2025 तक 25 करोड़ डॉलर से अधिक पहुंचने की उम्मीद है।%%

सिस्को हाइब्रिड वर्क स्टडी 2022 रिपोर्ट के अनुसार लगभग चार में से तीन भारतीय कर्मचारी भविष्य में हाइब्रिड कार्य पर्यावरण के पक्ष में हैं सभी क्षेत्रों में हाइब्रिड काम के लिए प्राथमिकता में वृद्धि देखी है। मार्च 2020 के बाद से अमेरिका के बाद भारत में सबसे अधिक उपयोग हो रहा है।

महंगे कर्ज ने मकान खरीदने वालों की सामर्थ्य घटायी, अहमदाबाद सबसे किफायती

एजेंसी

मुंबई। नाइट फ्रैंक इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार रिजर्व बैंक द्वारा नीतिगत ब्याज दर रेपो में वृद्धि से देश के सभी प्रमुख आवासीय बाजारों में लोगों की मासिक आय के हिसाब से किस्तें बढ़ गयी है और मकान खरीदने का उनका सामर्थ्य कम हुआ है।

रिपोर्ट के अनुसार चालू वर्ष 2022 में रिजर्व बैंक द्वारा चालू वर्ष में 30 सितंबर को रेपो में 0.50 प्रतिशत की वृद्धि के साथ कुल मिला कर रेपो दर 1.90 प्रतिशत ऊंची हो गयी। इससे आवास कर्ज की किस्तें ऊंची हुई हैं और पिछले दो वर्ष की तुलना में घर खरीदारों का सामर्थ्य घटा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि गृह ऋण दर में 0.95 प्रतिशत की संचयी वृद्धि से घर खरीदारों की सामर्थ्य और खरीद के निर्णयों को और भी प्रभावित करेगी।

चालू कैलेंडर वर्ष 2022 के नौ महीने के आकलन के आधार पर तैयार नाइट फ्रैंक इंडिया के आवास सामर्थ्य सूचकांक के अनुसार, अहमदाबाद देश के शीर्ष आठ शहरों में सबसे किफायती आवास बाजार बना रहा।

अहमदाबाद शहर में एक औसत ग्राहक के लिए मकान का ईएमआई (मासिक किस्त) उसकी आय के 22 प्रतिशत के बराबर है जबकि पिछले दो साल यह 20 प्रतिशत और 2010 में 46 प्रतिशत थी।

सामर्थ्य सूचकांक में अहमदाबाद के बाद पुणे (26 प्रतिशत) और चेन्नई (27 प्रतिशत) है। मुंबई इस हिसाब से सबसे महंगा शहर है जहां मकान की मासिक किस्त मासिक आमदनी के 57 प्रतिशत है। वहां पिछले दो साल में यह अनुपात 53 प्रतिशत तथा 2010 में 93 प्रतिशत था। इस सूची में मुंबई के बाद हैदराबाद (31 प्रतिशत), दिल्ली एनसीआर (30 प्रतिशत), बेंगलुरु (28 प्रतिशत) तथा कोलकाता और चेन्नई (दोनों 27–27 प्रतिशत) और पुणे (26 प्रतिशत) का स्थान है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि महामारी के दौरान 2010 से 2021 तक लोगों की आमदनी की दृष्टि से मकान की किस्तों के अनुपात में लगातार सुधार (कमी का रुझान) देखा गया क्यों कि इस दौरान रिजर्व बैंक की नीतिगत ब्याज दर एक दशक के सबसे निचले स्तर पर चली गयी थी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि रिजर्व बैंक द्वारा लगातार चौथी बार रेपो दर बढाए जाने के बाद कर्ज महंगा होने मकान खरीदना महंगा हुआ है। केंद्रीय बैंक ने 30 सितंबर को रेपो में 0.50 प्रतिशत की वृद्धि की थी और इस तरह इस वर्ष रेपो में कुल 1.90 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ब्याज बढ़ने के बाद से खरीदारों का सामर्थ्य घटा है। इस दौरान मासिक आय की तुलना में किस्त का अनुपात औसतन दो प्रतिशत बढ़ गया है और ईएमआई भार में 7.4 प्रतिशित की वृद्धि हुई है।

नाइट फ्रैंक इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा, वर्ष 2022 में आवास ऋण की औसत दरों में वृद्धि के कारण लोगों के लिए घर की वहनीयता बिगड़ी है।

औसत गृह ऋण दर में 0.95 प्रतिशत की संचयी वृद्धि घर खरीदारों की सामर्थ्य और इस प्रकार उनके खरीद निर्णयों को भी प्रभावित करेगी। खरीदार अपनी खरीद को टालने के बजाय बड़े पैमाने पर कम कीमत वाले मकान के लिए आवश्यक समझौता करेंगे।

देश में 5 जी औसत डाउनलोड स्पीड 500 एमबीपीएस

नयी दिल्ली। देश में हो रहे 5जी के रोल आउट की स्पीड लगभग 500 एमबीपीएस तक जा पहुंची है। ऊकला की आज आयी रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। ऊकला ने उन चार शहरों में औसत 5जी डाउनलोड स्पीड की तुलना की है, जहां जियो और एयरटेल दोनों ने अपने 5जी नेटवर्क खड़े किए हैं। भारती एयरटेल ने आठ शहरों में अपनी 5जी सेवाएं शुरू की हैं। जियो का 5जी बीटा ट्रायल अबतक चार शहरों दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और वाराणसी में चुनिंदा उपयोगकर्ताओं को उपलब्ध है।

ऊकला की स्पीडटेस्ट इंटेलिजेंस रिपोर्ट के अनुसार, जून से अब तक के आंकड़े बताते है कि राजधानी दिल्ली में एयरटेल की औसत 5जी डाउनलोड स्पीड 197.98 एमबीपीएस रही जबकि जियो के नेटवर्क पर 5जी की औसत डाउनलोड स्पीड रिकॉर्ड 598.58 एमबीपीएस दर्ज की गई। यह एयरटेल की स्पीड से तीन गुना से भी अधिक है।

5जी की औसत डाउनलोड स्पीड में सबसे अधिक अंतर कोलकत्ता में देखने को मिला। एयरटेल की औसत डाउनलोड स्पीड 33.83 एमबीपीएस थी जबकि जियो की औसत डाउनलोड स्पीड करीब 14 गुना अधिक 482.02 एमबीपीएस थी। भारत के सबसे घनी आबादी वाले शहरों में से एक मुंबई में एयरटेल एक बार फिर, जियो से कहीं पीछे छूट गया।

महिंद्रा की ई एसयूवी के लिए जियो बीपी लगाएगा फास्ट चार्जिंग स्टेशन

मुंबई। यात्री वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा की आने वाली ई–एसयूवी के लिए चार्जिंग नेटवर्क स्थापित करने के वास्ते महिंद्रा एंड महिंद्रा और जियो बीपी ने हाथ मिलाया है। पिछले साल ही इन कंपनियों ने ईवी उत्पादों और सेवाओं के निर्माण के क्षेत्र में एक समझौता किया था। जियो बीपी देश भर में एम एंड एम डीलरशिप नेटवर्क और वर्कशॉप में डीसी फास्ट चार्जर स्थापित करेगा। शुरूआत में देश के 16 शहरों में यह फास्ट चार्जिंग स्टेशन शुरू किए जाएंगे। बाद में इन चार्जिंग स्टेशन्स को जनता के लिए खोल दिया जाएगा। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने इस महीने की शुरुआत में अपनी पहली ऑल–इलेक्ट्रिक सी सेगमेंट एसयूवी – एक्सयूवी400 लॉन्च की थी। कंपनी अगले कुछ वर्षों में देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की एक पूरी श्रृंखला लॉन्च करेगी। इसके लिए फास्ट चार्जिंग के बुनियादी ढांचे की जरूरत पड़ेगी और अपने ग्राहकों को फास्ट चार्जिंग नेटवर्क देने के लिए कंपनी ने जियो बीपी के साथ साझेदारी की है। आरआईएल और बीपी का संयुक्त उद्यम शहरों और प्रमुख राजमार्गों पर चार्जिंग सुविधाएं स्थापित करके, अपने जियो–बीपी पल्स ब्रांडेड ईवी चार्जिंग नेटवर्क का विस्तार कर रहा है ताकि ईवी मालिकों के लिए बेहतरीन चार्जिंग सुविधा दी जा सके।

सितंबर में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या दो प्रतिशत बढ़ी: इकरा

नयी दिल्ली। देश में कोरोना महामारी के मामलों में कमी आने के बाद से घरेलू विमानन उद्योग में लगातार सुधार के बीच अगस्त 2022 के 1.01 करोड़ घरेलू हवाई यात्रियों के तुलना में सितंबर 2022 में दो प्रतिशत बढ़कर यह संख्या 1.03 करोड़ पर पहुंच गयी। रेटिंग एजेंसी इकरा ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आलोच्य माह में दर्ज की गयी संख्या पिछले वर्ष सितंबर 2021 के मुकाबले 46 प्रतिशत अधिक है। यह हालांकि कोरोना से पूर्व सितंबर 2019 से 10 प्रतिशत कम है।

इकरा लिमिटेड के कॉर्पोरेट रेटिंग्स के उपाध्यक्ष और सेक्टर प्रमुख सुप्रियो बनर्जी द्वारा तैयार की गयी रिपोर्ट में कहा गया है कि अप्रैल–सितंबर 2022 की अवधि में विमानों में घरेलू यात्रियों की संख्या वार्षिक आधार पर 111 प्रतिशत बढ़कर 6.27 करोड़ रही लेकिन यह अप्रैल–सितंबर 2019 अवधि से 11 प्रतिशत कम है।

रेटिंग एजेंसी ने कहा, सितंबर 2022 में एयरलाइनों से यात्रियों को ले जाने की क्षमता एक वर्ष पूर्व के समान माह से 27 प्रतिशत अधिक रही, लेकिन यह कोरोना से पहले सितंबर 2019 से नौ प्रतिशत कम है। ऐसा अनुमान जताया जा रहा है कि घरेलू विमानन क्षेत्र में क्षमता के मुकाबले यात्रियों की संख्या सितंबर 2022 में 84 प्रतिशत रही जो सितंबर 2021 में 73 प्रतिशत और सितंबर 2019 में 86 प्रतिशत थी।

रिपोर्ट के अनुसार विमानन ईंधन (एटीएफ) में लगातार बढ़ोतरी और सामान्य मुद्रास्फीति का माहौल उद्योग की आय पर असर पड़ता है। अक्टूबर 2022 में वार्षिक आधार पर एटीएफ के दाम 60 प्रतिशत अधिक है हालांकि इसमें 4.5 प्रतिशत की कमी आयी है। इकरा ने रिपोर्ट में कहा, वित्त वर्ष 2022–23 में परिचालन में सामान्य स्थिति और महामारी के नियंत्रण में आने से विमानों में घरेलू यात्रियों की संख्या में तेजी से सुधार होने की उम्मीद है। हालांकि प्रतिस्पर्धी माहौल के बीच डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट आने के अलावा एटीएफ की ऊंची कीमतों के कारण घरेलू एयरलाइनों के लिए कमाई में सुधार की रफ्तार धीमी रह सकती है।

ऑनलाइन ट्रैकिंग से बचाव के लिए आया नॉर्टन एंटीट्रैक

नयी दिल्ली। कंज्यूमर साइबर सुरक्षा के क्षेत्र की कंपनी नॉर्टनलाइफलॉक ने आज भारत में बिल्कुल नई ऑनलाइन प्राइवेसीपेशकश नॉर्टन एंटीट्रैक को रिलीज़ करने की घोषणा की।

कंपनी ने कहा कि थर्ड–पार्टी कंपनियां और वेबसाइट, उपभोक्ताओं की ऑनलाइन सर्च को ट्रैक करती हैं और उनके व्यक्तिगत डेटा जुटाती हैं। नॉर्टन एंटीट्रैक की मदद से लोग इस पर कंट्रोल रख सकते हैं कि क्या उन्हें डिजिटल फुटप्रिंट छोड़ना है या नहीं। इसकी वजह है ऐसा सॉल्यूशन जो ट्रैकर की तत्काल पहचान कर लेता है और उस पर तुरंत ही रिएक्शन करता है तथा एडवांस्डएंटी–फिंगरप्रिंटिंग टेक्नोलॉजी की मदद से उन्हें ब्लॉक करता है।

नॉर्टन एंटीट्रैक मैक और विंडोज़ पीसी के लिए एक ऐप तथा ब्राउज़र एक्सटेंशन है जिससे लोगों को अपनी ऑनलाइन निजता को कंट्रोल करने और अपने डेटा को निजी रखने का मौका मिलता है। यह ट्रैकिंग और फिंगरप्रिंटिंग की कोशिशों से उपयोगकर्ताओं की पहचान सुरक्षित रखने में मदद करता है, एंटी–फिंगरप्रिंटिंग टेक्नोलॉजी की मदद से यह उन साइटों को अनट्रेसेबल डेटा वापस भेजता है जहां उपयोगकर्ता गया था और इस दौरान उनके कंप्यूटर की स्पीड कम नहीं होती है और न ही उनके ब्राउज़िंग अनुभव में कोई बाधा आती है और न ही वेब फंक्शन में।

कंपनी के निदेशक भारत एवं सार्क देश ऋतेश चोपड़ा ने कहा, हालांकि ढेर सारे ऑनलाइन प्राइवेसी टूल उपलब्ध हैं, लेकिन ज़्यादातर कंपनियां हमें अनोखी खूबियों के माध्यम से हमारी पहचानकर सकती हैं जिससे फिंगरप्रिंट बनते हैं।

हमारे शोध के मुताबिक, बड़े ट्रैकर लगभग सभी ऑनलाइन उपयोगकर्ताओं की करीब दो–तिहाई ब्राउज़िंग हिस्ट्री के बारे में जानते हैं। इस शोध के परिणामस्वरूप हम जानते हैं कि हर सप्ताह ग्राहकों को 177 अलग–अलग तरह के ट्रैकर का सामना करना पड़ता है।

इनमें से 84 फीसदी ट्रैकर का सामना ऑनलाइन जाने के पहले 12 घंटों के दौरान करना पड़ता है।

लॉट्स होलसेल सोल्यूशन्स का उत्तर भारत में विस्तार

नयी दिल्ली। सीपी होलसेल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित कंपनी लॉट्स होलसेल सोल्यूशन्स ने आज उत्तर भारत में विस्तार करते हुये अपना सबसे बड़ा आउटलेट लॉन्च किया।

कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि 64,000 वर्ग फीट में फैला सरिता विहार का यह नया स्टोर नेताजी सुभाष पैलेस, अक्षरधाम, और नोएडा के बाद दिल्ली/एनसीआर का चैथा आउटलेट है। नए स्टोर की शुरुआत के साथ कंपनी एंट्री लेवल एवं सुपरवाईज़र स्तर के पदों पर विविधता लाते हुए लगभग 200 युवाओं की भर्ती कर चुकी है।

यह नया स्टोर एक ही छत के नीचे 4000 से ज्यादा उत्पाद होलसेल मूल्यों में प्रस्तुत करता है।

यहाँ फ्रेश प्रोड्यूस, पैकेज़्डफूड, ग्रोसरीज़, एवं अन्य फास्ट मूविंग कंज़्यूमर गुड्स जैसी श्रेणियों में उत्पादों की श्रृंखला मिलती है।

एनएमडीसी ने रेलटेल के साथ डिजिटल समाधानों के लिए किया समझौता

एजेंसी

नयी दिल्ली। खनन क्षेत्र की सरकारी कंपनी राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) ने अपनी सूचना एवं संचार तथा डिजिटल प्लेटफार्म सुविधाओं को मजबूत बनाने लिए रेलवे के उपक्रम रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के साथ एक समझौता किया है।

यह समझौता कंपनी के कॉरपोरेट कार्यालय और खनन परिसरों–दोनों क्षेत्र के लिए है।

इस्पात मंत्रालय की मंगलवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार एनएमडीसी के महाप्रबंधक (सीएंडएएमपी, आईटी) एच. सुंदरम प्रभु और रेलटेल के कार्यकारी निदेशक मनोहर राजा ने सोमवार को हैदराबाद स्थित एनएमडीसी के मुख्य कार्यालय में इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर एनएमडीसी के सीएमडी सुमित देब भी उपस्थिति थे।

बयान में एनएमडीसी के सीएमडी सुमित देब के हवाले से कहा गया है कि यह साझेदारी संसाधनों के वांछित उपयोग और खनिज जवाबदेही का निर्माण करेगी और खनन क्षेत्र में एक मजबूत डिजिटल परिवर्तन का रास्ता तैयार करेगी। उन्होंने आगे कहा कि भारत की अग्रणी खनन कंपनी के रूप में एनएमडीसी ऑटोमेशन और डिजिटलाइजेशन को शुरुआती तौर पर अपना रही है।

एनएमडीसी के निदेशक (वित्त) अमिताभ मुखर्जी ने कहा कि रेलटेल परामर्श, परियोजना प्रबंधन और कार्यान्वयन सेवाएं प्रदान करेगी, जिससे दक्षता और पारदर्शिता बढ़ेगी। एनएमडीसी को शीर्ष कंपनियों की सूची में बनाए रखने के लिए यह एक बड़ा कदम है।

यह समझौता ज्ञापन (एमओयू) एनएमडीसी की पहले से ही राष्ट्रीय रेलवे दूरसंचार के साथ साझेदारी पर आधारित है।

इसके तहत एनएमडीसी के 11 स्थानों पर एमपीएलएस वीपीएन और सात स्थानों पर इंटरनेट लीज्ड लाइन्स (आईएलएल) और पिछले सात वर्षों से हाई–डेफिनिशन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग समाधान प्रदान किया जा रहा है।

शेयर बाजार में भूचाल, सेंसेक्स और निफ्टी डेढ़ फीसद उतरा

मुंबई। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के गंभीर रूप लेने की आशंका से वैश्विक स्तर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर हुयी चौतरफा बिकवाली के दबाव में आज शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन गिरावट में रहा और इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी में करीब डेढ़ फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 843.79 अंक टूटकर 57147.32 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 257.45 अंक उतरकर 16983.55अंक पर रहा। छोटी और मझौली कंपनियों पर भी बिकवाली का असर देखा गया जिससे बीएसई का मिडकैप 1.61 प्रतिशत गिरकर 24757.61 अंक पर और स्मॉलकैप 1.47 प्रतिशत फिसलकर 28589.23 अंक पर रहा।

बीएसई में शामिल सभी समूहों में बिकवाली हुयी। इस दौरान धातु, पावर,, एनर्जी, टेलीकम्युनिकेशंस, आईटी और टेक जैसे समूहों में तेजी बिकवाली हुयी। बीएसई में कुल 3563 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 2347 कंपनियों को नुकसान हुआ जबकि 1086 कंपनियां ही लाभ में रही। 130 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

वैश्विक स्तर पर चीन के शंघाई कंपोजिट 0.19 प्रतिशत की बढ़त को छोड़कर शेष सभी प्रमुख सूचकांक गिरावट में रहा। इसमें ब्रिटेन का एफटीएसई 1.26 प्रतिशत, जर्मनी का डैक्स 1.28 प्रतिशत, जापान का निक्केई 2.64 प्रतिशत और हांगकांग का हैंगसेंग 2.23 प्रतिशत की गिरावट शामिल है।

बीएसई का सेंसेक्स 13 अंकों की बढ़त के साथ 58 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार करते हुये 58004.25 अंक पर खुला। सत्र के शुरूआती कारोबार में ही यह 58027.52 अंक के उच्चतम स्तर तक चढ़ा लेकिन इसके बाद शुरू हुयी बिकवाली से यह 57050.40 अंक के निचले स्तर तक टूटा। अंत में यह पिछले दिवस के 57991.11 अंक की तुलना में 1.46 प्रतिशत अर्थात 843.79 अंक गिरकर 57147.32 अंक पर रहा।

सेंसेक्स में शामिल30 कंपनियों में से मात्र दो ही बढ़त बनाने में सफल रही जबकि शेष 28 को नुकसान हुआ।

एनएसई का निफ्टी 15 अंकों की बढ़त के साथ 17256.05 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 17261.80 अंक के उच्चतम और 16950.30 अंक के निचले स्तर के बीच रहा। अंत में यह पिछले दिवस के 17241 अंक की तुलना में 257.45 अंक अर्थात 1.49 प्रतिशत उतरकर 16983.55 अंक पर रहा।

निफ्टी में शामिल 50 कंपनियों में से मात्र तीन बढ़त में रही जबकि 47 को नुकसान उठाना हुआ।

भारत में लॉन्च हुआ स्पोर्टी बॉर्न ईवी बीवाईडी एटो 3

नयी दिल्ली। इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली कंपनी बीवाईडी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने आज भारतीय बाजार में अपना पहला स्पोर्टी बॉर्न प्रीमियम एसयूवी ईवी बीवाईडी एटो 3 लाँच करने के साथ ही 50 हजार रुपये में बुकिंग शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां इस एसयूवी का अनावरण किया। उसने कहा कि अल्ट्रा–सुरक्षित ब्लेड बैटरी और बॉर्न ईवी प्लेटफॉर्म (ई–प्लेटफॉर्म 3.0) से लैस इस एसयूवी में 50 मिनट के भीतर 80 प्रतिशत तक की फास्ट चार्जिंग की सुविधा है, एआरएआई के परीक्षणों के अनुसार 521 किलोमीटर की रेंज के साथ 60.48 केडब्ल्यूएच की बैटरी क्षमता और 7/3 सेकेंड में 100 किलोमीटर प्रति घंटे की गति पकड़ने में सक्षम है। इसमें एल2 एडवांस्ड ड्राइविंग असिस्टेंस सिस्टम, बीवाईडी डिपॉयलट, 7 एयरबैग, पैनोरमिक सनरूफ, 12.8–इंच का एडेप्टिव रोटेटिंग सस्पेंशन इलेक्ट्रॉनिक पैड, 360 डिग्री होलोग्राफिक ट्रांसपेरेंट इमेजिंग सिस्टम, एनएफसी कार्ड की, व्हीकल टू लोड मोबाइल पॉवर स्टेशन और अन्य प्रमुख कॉन्फ़िगरेशन हैं जो बाजार में इस कार की प्रतिस्पर्धा बढ़ाते हैं। उसने कहा कि यह ई–प्लेटफॉर्म 3.0 पर निर्मित पहला मॉडल है, जिसे ब्लेड बैटरी, 8–इन–1 इलेक्ट्रिक पॉवरट्रेन, और अत्यधिक एकीकृत डोमेन कंट्रोलरों के साथ शुद्ध इलेक्ट्रिक वाहनों की अगली पीढ़ी के लिए डिज़ाइन किया गया है।

शार्ट न्यूज

सिग्नेचर ने तीसरा स्थान अर्जित किया

नयी दिल्ली। सिग्नेचर एफसी ने अनुष्का सैमुएल और आशा के दो-दो गोलों की बदौलत मंगलवार को ग्रोइंग क्लब को 4-2 से हराकर खेलो इंडिया महिला प्रीमियर लीग में तीसरा स्थान हासिल कर लिया। सोनी और पूनम ने ग्रोइंग के गोल जमाये। सिग्नेचर की मिन्हा को मैच की श्रेष्ठ खिलाड़ी आंका गया। दिन के पहले मैच में रॉयल रेंजर्स ने अखाला के दर्शनीय गोल से हंस एफसी को 1-0 से परास्त किया। सिग्नेचर ने शुरू से ही दबदबा बनाया और निश्चित अंतराल से गोल जमा कर अपनी जीत को सहज बना दिया। इस जीत के साथ सिग्नेचर ने लीग में चैंपियन हॉप्स और उपविजेता गढ़वाल एफसी के बाद तीसरा स्थान अर्जित कर लिया है।

फ्लड लाइट में ही होगा सुरजीत हॉकी टूर्नामेंट

जालंधर। देश का अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त 39वां सुरजीत हॉकी टूर्नामेंट फ्लड लाइट में खेला जाएगा। सुरजीत हॉकी सोसाइटी के कार्यकारी अध्यक्ष लखविंदर पाल सिंह खैरा ने मंगलवार को बताया कि सोसाइटी की पांच सदस्यीय कोर ग्रुप में उनके साथ महासचिव सुरिंदर सिंह भापा, मानद सचिव रणबीर सिंह टूट, संयुक्त सचिव रमणिक सिंह रंधावा और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) इकबाल सिंह संधू ने खेल मंत्री पंजाब गुरमीत सिंह मीत हेयर से मुलाकात की और उन्हें फाइनल मैच में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने श्री मीत को 27 अक्टूबर से शुरू हो रहे सुरजीत हॉकी टूर्नामेंट की खराब फ्लड लाइट के बारे में भी अवगत करवाया गया। इस मौके पर खेल मंत्री मीत हेयर ने कहा कि हॉकी की प्रगति में सुरजीत हॉकी सोसाइटी का अहम योगदान है और सोसाइटी द्वारा आयोजित टूर्नामेंट पंजाब का एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर और प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है। उन्होंने कहा कि सरकार खिलाड़ियों को हर तरह की सुविधाएं मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सोसाइटी के प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि सुरजीत हाकी टूर्नामेंट शुरू होने से पहले स्टेडियम को फ्लड लाइट्स ठीक कर दी जाएंगी।

दीप्ति ने टी20 में करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की

दुबई। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने महिला एशिया कप 2022 में शानदार प्रदर्शन की बदौलत अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ आईसीसी टी20 रैंकिंग हासिल कर ली है। आईसीसी की ओर से मंगलवार को जारी रैंकिंग के अनुसार दीप्ति ने टी20 महिला गेंदबाजों की रैंकिंग में 724 पॉइंट के साथ तीसरा स्थान हासिल किया है। उन्होंने एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ तीन जबकि बंगलादेश और थाईलैंड के खिलाफ दो-दो विकेट हासिल किये, जिससे वह नवंबर 2019 के बाद पहली बार तीसरे पायदान पर आई हैं। इसके अलावा उन्होंने टी20 ऑलराउंडर रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया की ऐशले गार्डनर को पछाड़कर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि बल्लेबाजों की रैंकिंग में वह 35वें पायदान पर आ गयी हैं। इसी बीच, दीप्ति की हमवतन रेणुका सिंह (तीन पायदान चढ़कर आठवीं रैंकिंग पर), स्नेह राणा (30 पायदान चढ़कर 15वीं रैंकिंग पर) और पूजा वस्त्राकर (सात पायदान चढ़कर 28वीं रैंकिंग पर) ने टी20 गेंदबाजों की सूची में बढ़त हासिल की है। बल्लेबाजों की रैंकिंग में जेमिमाह रॉड्रिगेज़ दो पायदान चढ़कर छठे स्थान पर आ गयी हैं। भारत के खिलाफ 37 गेंदों पर नाबाद 56 रन की मैच जिताऊ पारी खेलने वाली पाकिस्तान की ऑलराउंडर निदा डार पांच पायदान चढ़कर 39वीं रैंक पर पहुंच गयी हैं। वह ऑलराउंडरों की सूची में भी एक पायदान ऊपर चढ़कर सातवां स्थान हासिल कर चुकी हैं।

विश्व कप के लिये ऑस्ट्रेलिया रवाना होंगे शाहीन

क्राइस्टचर्च। पाकिस्तान के शीर्ष तेज़ गेंदबाज़ शाहीन शाह अफ़रीदी अपने रिहैब कार्यक्रम से गुजरने के बाद शनिवार, 15 अक्टूबर को ब्रिस्बेन में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप ऑस्ट्रेलिया 2022 के लिए राष्ट्रीय टीम में शामिल होंगे। पीसीबी ने मंगलवार को इसकी घोषणा करते हुए बताया कि शाहीन 17 और 19 अक्टूबर को होने वाले अभ्यास मैचों में चयन के लिये उपलब्ध होंगे। इन मैचों के दौरान टीम प्रबंधन उनकी फिटनेस का आंकलन करेगी।

पहली बार महिला एशिया कप के सेमीफाइनल में थाईलैंड

सिलहेट। थाईलैंड ने बंगलादेश और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच मुकाबला बारिश के कारण रद्द होने के बाद मंगलवार को पहली बार महिला एशिया कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई। बंगलादेश को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिये मंगलवार को यूएई के खिलाफ टी20 मुकाबले में जीत दर्ज करनी थी। वह अंक तालिका में चौथे नंबर पर विराजमान थाईलैंड से दो अंक पीछे थे, हालांकि उनका नेट रन रेट ज्यादा था। यदि बंगलादेश यह मुकाबला जीत जाती तो वह रन रेट के आधार पर सेमीफाइनल में जगह बना लेती, लेकिन लगातार बारिश के कारण मैच को एक भी गेंद फेंके बिना रद्द कर दिया गया। गौरतलब है कि थाईलैंड ने महिला एशिया कप 2022 में अपने अभियान की शुरुआत बंगलादेश के खिलाफ हार के साथ की थी, जबकि अपने आखिरी मुकाबले में उन्हें भारत के हाथों परास्त मिली थी। इसके बावजूद थाईलैंड ने पाकिसतान, यूएई और मलेशिया के खिलाफ जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह बनाई।

उष्णकटिबंधीय तूफान 'जूलिया' से अल सल्वाडोर में आठ लोगों की मौत

सैन सल्वाडोर। अल सल्वाडोर में उष्णकटिबंधीय तूफान 'जूलिया' की चपेट में आने से कम से कम आठ लोगों की मौत हो गयी है और 1,000 से अधिक लोगों ने आश्रय गृहों में पनाह ली है। उप गृह मंत्री राउल जुआरेज ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और घर पर पेड़ गिरने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया ने बताया कि एक मकान की दीवार गिरने से सेना के पांच जवान भी शहीद हो गए। श्री जुआरेज ने कहा कि अधिकारियों द्वारा स्थापित 81 आश्रयों में से 35 में करीब 1,000 लोग रह रहे हैं।

युगांडा में इबोला वायरस से मरने वालों की संख्या 17 हुई

कंपाला। पूर्वी अफ्रीकी देश युगांडा में इबोला वायरस से होने वाली मौतों की संख्या 17 हो गई है। युगांडा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता इमैनुएल ऐनब्यूना ने सोमवार को बताया कि देश में 20 सितंबर को पहली बार वायरस के मामले सामने आये थे। इस संक्रमण से मरने वालों की अब 17 हो गई है। उन्होंने बताया कि 09 अक्टूबर तक पिछले 48 घंटों में इस संक्रमण के चार नए मामलों की पुष्टि होने के बाद इससे प्रभावित होने वालों की संख्या 48 हो गयी। उन्होंने बताया कि 48 पुष्ट मामलों में से नौ स्वास्थ्यकर्मी हैं। उन्होंने बताया कि 14 लोग इससे ठीक हुए हैं। उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम इबोला को लेकर किए जा रहे उपायों पर चर्चा करने के लिए देश में है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार वरिष्ठ अधिकारी इबोला वायरस की रोकथाम को लेकर 12 अक्टूबर को होने वाली उच्च स्तरीय आपातकालीन मंत्रिस्तरीय बैठक में भी भाग लेंगे।

फिरकी में फंसे प्रोटियाज, भारत ने शृंखला 2-1 से जीती

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत ने स्पिन गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद शुभमन गिल की 49 रन की पारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका को तीसरे एकदिवसीय मैच में मंगलवार को सात विकेट से हराकर तीन मैचों की शृंखला 2-1 से जीत ली।

दक्षिण अफ्रीका पहले बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 99 रन पर सिमट गयी, जिसके बाद भारत ने 100 रन का लक्ष्य 19.1 ओवर में तीन विकेट गंवाकर हासिल कर लिया।

भारत की ओर से स्पिनरों ने दर्शनीय प्रदर्शन करते हुए आठ विकेट झटके। कुलदीप यादव ने चार विकेट अपने नाम किये जबकि शाहबाज़ अहमद और वाशिंगटन सुंदर ने दो-दो विकेट लिये। इसके अलावा मोहम्मद सिराज ने भी दो विकेट चटकाये।

गिल ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 57 गेंदों पर आठ चौकों के साथ 49 रन बनाये, हालांकि वह एकदिवसीय क्रिकेट में अपने चौथे अर्द्धशतक से चूक गये और लक्ष्य से सिर्फ तीन रन की दूरी पर आउट हो गये। इसके बाद श्रेयस अय्यर ने छक्का लगाकर भारत को जीत तक पहुंचाया।

भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी और स्पिनर शुरू से ही दक्षिण अफ्रीका पर हावी रहे। सुंदर ने पारी के तीसरे ओवर में सलामी बल्लेबाजी क्विंटन डी कॉक को छह रन पर चलता किया।

मोहम्मद सिराज ने यानेमन मलान (15) और रीज़ा हेंड्रिक्स (03) का

विकेट निकाला, लेकिन इसके बाद की पारी पूरी तरह से फिरकी गेंदबाजों के नाम रही। शाहबाज़ ने एडेन मार्करम को नौ रन पर चलता किया, जबकि सुंदर ने कप्तान डेविड मिलर को सात रन पर बोल्ड किया। हेनरिक क्लासेन ने दक्षिण अफ्रीका को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन वह भी 42 गेंदों पर चार चौकों के साथ 34 रन बनाकर शाहबाज़ का शिकार हो गये।

कुलदीप (18/4) ने 26वें ओवर में बिना रन दिये ब्योर्न फोर्टिन और आनरिक नॉर्खेया का विकेट निकाला।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आये दक्षिण अफ्रीका के आठ बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके और मार्को जैनसेन (14) का विकेट गिरने के साथ प्रोटियाज की पारी को 27.1 ओवर में 99 रन पर समाप्त हुई। यह दक्षिण अफ्रीका का भारत के खिलाफ सबसे छोटा और एकदिवसीय क्रिकेट में उनका चौथा सबसे छोटा स्कोर है।

भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए तेज़ शुरुआत की और गिल ने शिखर धवन के साथ पहले विकेट के लिये छह ओवर में 42 रन जोड़े। धवन हालांकि आठ रन के निजी स्कोर पर दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रनआउट हो गये। धवन तीन मैचों की सीरीज में चार, 13 और आठ के निजी स्कोर के साथ कुल 25 रन ही जोड़ सके।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आये किशन (10) ने दो दर्शनीय चौके जड़े, लेकिन फोर्टिन ने उन्हें विकेटकीपर डी कॉक के हाथों कैच आउट करवा दिया।

इसके बाद विकेट पर आये अय्यर ने गिल के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिये 39 रन की साझेदारी की। जब भारत को तीन रनों की दरकार थी तब गिल 49 रन के स्कोर पर लुंगी एनगिडी की गेंद पर पगबाधा हो गये। इसके बाद अय्यर ने छक्का लगाकर भारत को जीत दिलाई। अय्यर ने 28 रनों की अपनी नाबाद पारी में 23 गेंदों पर तीन चौके और दो छक्के लगाये, जबकि संजू सैमसन दो रन बनाकर नाबाद रहे।

इस जीत के साथ भारत ने एकदिवसीय सीरीज 2-1 से अपने नाम की।

हमारे खिलाफ गोल करना आसान नहीं होगा : डेनरबी

भुवनेश्वर। भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम के कोच थॉमस डेनरबी ने फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप में अमेरिका के खिलाफ मुकाबले से पहले सोमवार को कहा कि उनकी टीम के खिलाफ गोल करना आसान नहीं होगा।

डेनरबी ने अपनी टीम पर भरोसा जताते हुए कहा, हमारे पास एक ऐसी टीम है जिसे हम बहुत अच्छी तरह से बचाव करने के लिये जानते हैं। कल सभी देख सकेंगे कि हमारे खिलाफ स्कोर करना कितना मुश्किल होगा। अगर हम अपने द्वारा बनाए गए अवसरों का उपयोग करते हैं, तो हम मैच में कुछ अंक बना सकते हैं।

अमेरिका जीत के प्रबल दावेदार के रूप में आएगा लेकिन यह सब कागज पर है। हमारा ध्यान हमारी योजना पर है।

अगर हमारा दिन अच्छा रहा और हमने शुरुआती गोल किये, तो यह हमारे लिए अच्छा होगा। डेनरबी ने कहा, घरेलू फायदा हमेशा होता है। कुछ लड़कियां स्टेडियम में बड़ी भीड़ देखकर थोड़ा दबाव महसूस कर सकती हैं, हालांकि मैच का परिणाम पिच पर तय किया जाएगा।

भारत की कप्तान अस्तम उरांव ने शुरुआती मैच से पहले टीम के उत्साह के स्तर के बारे में बात की और कहा कि टीम शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत है।

उरांव ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा, हम अमेरिका के खिलाफ खेलने के लिए और 6-7 महीने के प्रशिक्षण के बाद टूर्नामेंट शुरू करने के लिए उत्साहित हैं। कल वह दिन है जब हमें मैदान पर सब कुछ छोड़ना होगा। हमारा पूरा ध्यान आगे के मैचों पर है और हमारे लिए कुछ और मायने नहीं रखता है।

उन्होंने कहा, हमें आज अच्छी नींद लेनी है और आराम करना है। सभी खिलाड़ी शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत महसूस कर रहे हैं।

आईपीएल ने आत्मविश्वास दिया : कुलदीप

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत के स्पिन गेंदबाज कुलदीप यादव ने मंगलवार को कहा कि आईपीएल 2022 ने उन्हें आत्मविश्वास दिया है और उनके नियमित प्रदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कुलदीप ने यहां अरुण जेटली स्टेडियम पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच में 18 रन देकर चार विकेट लिये, जबकि तीन मैचों की शृंखला में उन्होंने कुल छह विकेट हासिल किये।

कुलदीप ने मैच के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, मुझे आईपीएल से आत्मविश्वास मिला है। मैं उसके बाद कुछ समय के लिये दोबारा चोटग्रस्त हुआ था, लेकिन मैंने वेस्ट इंडीज़ दौरे पर, ज़िम्बाब्वे दौरे पर और भारत-ए के मैचों में अच्छी गेंदबाजी की। इससे मुझे आत्मविश्वास मिला।

आईसीसी विश्व कप 2019 में भारत के प्रमुख गेंदबाज रहे कुलदीप टी20 विश्व कप 2021 के बाद टी20 विश्व कप 2022 के लिये भी टीम में जगह नहीं बना सके, हालांकि उन्होंने भारत की 'दूसरी टीम' के साथ मिले मौकों का भरपूर फायदा उठाया है।

कुलदीप ने विश्व कप पर एक सवाल के जवाब में कहा, मैं विश्व कप की टीम का हिस्सा बनने पर निराश नहीं हूं। मैं प्रक्रिया पर ज्यादा ध्यान दे रहा हूं। मैं एक बार में एक मैच पर ध्यान दे रहा हूं और एक गेंदबाज के रूप में सुधार करने का प्रयास कर रहा हूं। जो भी खिलाड़ी विश्व कप टीम का हिस्सा बने वे सर्वश्रेष्ठ हैं और उनके साथ मेरी शुभकामनाएं हैं।

कुलदीप ने अगले साल भारत में होने वाले 50 ओवर के विश्व कप के बारे में कहा, मैं अभी विश्व कप 2023 पर ध्यान नहीं दे रहा हूं। वह अभी बहुत दूर है, और मैं काफी व्यावहारिक हो गया हूं। मैंने भारत के लिये इतने मैच खेले हैं, जिससे मुझे हर प्रारूप में गेंदबाजी करने का तरीका समझ आ गया है। विश्व कप 2023 से पहले हमें काफी शृंखलाएं खेलनी हैं। मेरा मुख्य लक्ष्य होगा कि मैं इन शृंखलाओं में अच्छा प्रदर्शन करूं।

लेमेट, सेतुंगचिम की हैट्रिक से चंडीगढ़, नागालैंड सुब्रतो कप फाइनल में

नयी दिल्ली। राजकीय मॉडल उच्च माध्यमिक विद्यालय (चंडीगढ़) ने लेमेट की हैट्रिक की बदौलत सुब्रतो कप अंडर-17 बालक सेमीफाइनल में मंगलवार को 10+2 जिला स्कूल (झारखंड) को 5-1 से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। चंडीगढ़ का सामना फाइनल में गुरुवार को पिलग्रिम उच्च माध्यमिक विद्यालय (नागालैंड) से होगा, जो सेमीफाइनल में सीटी हायर सेकेंडरी स्कूल (मणिपुर) को 3-1 से हराकर आ रहा है। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर स्टेडियम पर खेले गये दिन के पहले मैच में लेमेट ने चंडीगढ़ के लिए 15वें, 24वें, 60वें और 69वें मिनट में गोल जमाये। विजयी टीम का पांचवां गोल अर्जुन (44वां मिनट) ने किया जबकि झारखंड का एकलौता गोल डोगर पूर्ति ने 32वें मिनट में जमाया। दिन के दूसरे मुकाबले में मणिपुर ने नागालैंड को कड़ी टक्कर दी, हालांकि सेतुंगचिम की हैट्रिक ने नागालैंड को मजबूत स्थिति में डाल दिया।

सऊदी अरब को अंजाम भुगतने की धमकी क्यों दे रहा अमेरिका? इस वजह से हुआ आगबबूला

वाशिंगटन। अमेरिका के सबसे करीबी देशों में से एक सऊदी अरब अपनी अलग राह पकड़ता नजर आ रहा है। सऊदी अरब और अमेरिका के बीच संबंधों में महत्वपूर्ण बदलाव आ सकते हैं। अमेरिकी सांसदों का एक वर्ग पश्चिम एशियाई देश सऊदी अरब को हथियारों की आपूर्ति को प्रतिबंधित करना चाहता है। बता दें कि सऊदी अरब हथियारों के लिए लगभग पूरी तरह से अमेरिका पर निर्भर है। लेकिन तेल को लेकर पनप रहे ताजा विवाद ने इस रिश्ते में कड़वाहट घोल दी है।

OPEC+ तेल उत्पादक देशों का सबसे बड़ा समूह है। इस समूह में सऊदी अरब का दबदबा है। ओपेक प्लस ने 5 अक्टूबर को तेल उत्पादन में कटौती का ऐलान किया जिससे अमेरिका नाराज हो गया। बता दें कि इस समूह में रूस भी सदस्य देश है। हालांकि तेल में कटोती के ऐलान के बाद से अमेरिकी सरकार लगातार सऊदी अरब को तेल उत्पादन बढ़ाने के लिए मनाने में जुटी थी। खबर है कि अमेरिका की बातों को सऊदी अरब ने अनसुना कर दिया।

सऊदी के नेतृत्व में ओपेक प्लस ने कहा है कि यूक्रेन युद्ध, चीन में बढ़ रहे

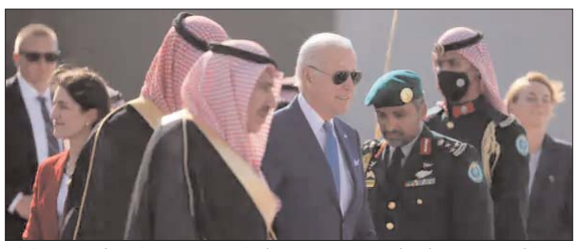

कोविड-19 केस ऐसी कुछ वजहें हैं जिससे वैश्विक बाजार उथल-पुथल मची है। इसलिए तेल के अंतरराष्ट्रीय कीमतों को बनाए रखने के लिए तेल उत्पादन में कटौती जरूरी है। इस निर्णय के तहत ओपेक प्लस देश 20 लाख बैरल प्रतिदिन तेल उत्पादन में कटौती करेंगे। इससे वैश्विक बाजार में तेल की कीमत में तेजी आएगी।

अमेरिका और सऊदी अरब के बीच संबंधों की डोर तेल से ही जुड़ी है। अमेरिका इस क्षेत्र में सऊदी अरब को उसके दुश्मनों के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करता है, विशेष रूप से, ईरान के खिलाफ। सऊदी अरब बदले में अपने बाजारों में एक विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तेल उत्पादन बढ़ाता है। इसके अलावा अभी सऊदी अरब यमन में ईरान के साथ छद्म युद्ध में उलझा हुआ है और परमाणु सौदे को लेकर बातचीत फिर से शुरू होने से परेशान है। इस बीच तेल उत्पादन में कटौती ने अमेरिकी सांसदों को नाराज कर दिया है।

डेमोक्रेट सीनेटर बॉब मेनेंडेज, रिचर्ड ब्लूमेंथल और रो खन्ना ने भी सऊदी के खिलाफ एक्शन लेने की बात कही है। गार्जियन के मुताबिक, अमेरिकी सांसद मेनेंडेज ने कहा, मैं सऊदी अरब के साथ किसी भी सहयोग को हरी झंडी नहीं दूंगा जब तक कि किंगडम यूक्रेन में युद्ध के संबंध में अपनी स्थिति का पुनर्मूल्यांकन नहीं करता। बहुत हो गया।

मेनेंडेज ने कहा कि प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ओपेक+ कार्टेल के माध्यम से पुतिन के युद्ध को बढ़ाने में मदद कर रहे थे। रो खन्ना और ब्लूमेंथल ने पोलिटिको पत्रिका में लिखा, सऊदी का निर्णय अमेरिका के लिए एक बड़ा झटका था, लेकिन अमेरिका के पास भी जवाब देने का एक तरीका है- अमेरिका सऊदी के हाथों में अमेरिकी युद्ध टेक्नोलॉजी के बड़े पैमाने पर हस्तांतरण को तुरंत रोक सकता है। इन डेमोक्रेट्स ने सऊदी को अपने सबसे बड़े दुश्मन का स्पष्ट सहयोगी करार देते हुए कहा कि इन रणनीतिक रक्षा प्रणालियों को सऊदी को नहीं देना चाहिए।

इसके अलावा, अमेरिकी सीनेटर क्रिस मर्फी ने रविवार को कहा कि यह स्पष्ट है कि सऊदी अरब से हमें उतना सहयोग नहीं मिला, जितना हमें चाहिए था। उन्होंने कहा कि डेमोक्रेटस के अन्य सदस्य भी इस पक्ष में हैं कि गल्फ कंट्री (खाड़ी देशों) के साथ संबंधों पर पुनर्विचार करना चाहिए। अमेरिका के तीन अन्य डेमोक्रेटिक नेता ने संयुक्त बयान में कहा कि अमेरिका खाड़ी देशों के साथ संबंध में सुपरपावर की भूमिका में आए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जब उन्होंने उस विकल्प को चुना है तो उसके नतीजों के लिए भी उन्हें तैयार रहना चाहिए।

पाकिस्तान में नहीं थम रहे हिन्दुओं पर जुल्म, 15 दिनों के भीतर चौथी लड़की का अपहरण

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में हिन्दुओं के खिलाफ जुल्म थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामला सिंध प्रांत के हैदराबाद शहर का है। लड़की के मां-पिता का आरोप है कि उनकी बेटी का अपहरण कर लिया गया है। पाकिस्तान में 15 दिनों के भीतर इस तरह की यह चौथी घटना है। बताया जा रहा है कि लड़की का अपहरण तब किया गया जब घर लौट रही थी। इससे पहले पाकिस्तान में हिन्दू समुदाय की तीन लड़कियों का अपहरण करने और जबरन इस्लाम धर्म कबूल करने का मामला सामने आया था।

अपहृत लड़की के माता-पिता के अनुसार, उसका अपहरण हैदराबाद के फतेह चौक इलाके से उस समय किया गया था, जब वह घर लौट रही थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस में शिकायत कर दी गई है लेकिन लड़की अभी तक नहीं मिली है। यह अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय की तीन महिलाओं का अपहरण करने और उन्हें जबरन इस्लाम में परिवर्तित करने के कुछ दिनों बाद आया है। अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगातार सामने आ रहे अत्याचारों के बीच पाकिस्तान में रह रहे हिन्दुओं में आक्रोश और डर बना हुआ है। इससे पहले 24 सितंबर को नसरपुर इलाके से 14 वर्षीय लड़की का अपहरण कर लिया गया था। जबकि मीरपुरखास कस्बे में घर लौटते समय एक अन्य हिन्दू लड़की का भी किडनैप हो चुका है।

अपहरण फिर मुस्लिम युवक से जबरन शादी

इससे पहले पाकिस्तान के मीरपुरखास कस्बे में ही एक हिन्दू शख्स ने आरोप लगाया था कि उसकी पत्नी का अपहरण किया गया। कुछ समय बाद उसे पता लगा कि उसका धर्म परिवर्तित कर दिया गया है और एक मुस्लिम युवक से उसकी शादी कर दी गई है। इस मामले में पुलिस पर भी भेदभाव करने के संगीन आरोप लग चुके हैं।

श्रीलंका ने अपने को निम्न आय वाली श्रेणी में लाने को मंजूरी दी

कोलंबो। श्रीलंका सरकार ज्यादा से ज्यादा वित्तीय सहायता, ऋण और रियायत प्राप्ति को ध्यान में रखते हुए अपने देश को निम्न आय वाली श्रेणी में लाने की मंजूरी प्रदान की है। डेली मिरर ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार संकटग्रस्त देश को अंतर्राष्ट्रीय विकास संघ से रियायती अनुदान प्राप्त होने का मार्ग प्रशस्त करने के लिए यह प्रस्ताव लाया गया है। वर्तमान में श्रीलंका विकासशील/ उभरती निम्न-मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्था के रूप में वर्गीकृत है। द्वीप राष्ट्र को 2020 में उच्च-मध्यम आय वर्ग में उन्नत किया गया था लेकिन इसके ठीक एक वर्ष बाद ही उसने अपनी वर्तमान स्थिति में गिरावट कर दिया था।

न्यूजीलैंड ने 75 रूसी नागरिकों के खिलाफ लगाया प्रतिबंध

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड की विदेश मंत्री नानाया महुता ने मंगलवार को कहा कि उनका देश 51 और रूसी नागरिकों और 24 अधिकारियों के खिलाफ प्रतिबंध लगा रहा है, जो हाल ही में रूस का हिस्सा बने क्षेत्रों से संबंधित हैं। 1 न्यूज टीवी चैनल की खबर के अनुसार, रूसी अरबपति अलेक्जेंडर अब्रामोव, उनके परिवार के साथ-साथ एवराज़ कंपनी को भी प्रतिबंधों में शामिल किया गया है। उनके न्यूजीलैंड में प्रवेश करने पर रोक लगा दिया गया है। नए प्रतिबंधों की सूची में रूसी रेलवे के प्रमुख ओलेग बेलोजियोरोव, सरकारी परमाणु एजेंसी रोसाटॉम के प्रमुख एलेक्सी लिखचेव, सरकारी हथियार निर्यातक रोसोबोरोनेक्सपोर्ट के प्रमुख अलेक्जेंडर मिखीव, रूस के कृषि मंत्री दिमित्री पात्रुशेव आदि शामिल हैं। न्यूजीलैंड ने डोनेट्स्क और लुहान्स्क पीपुल्स रिपब्लिक (डीपीआर और एलपीआर), खेरसन और ज़ापोरिज्जिया क्षेत्रों के वरिष्ठ अधिकारियों को भी प्रतिबंधित किया।

पाकिस्तान समेत 54 गरीब देशों को तत्काल कर्ज राहत की जरुरत : संरा

जेनेवा। संयुक्त राष्ट्र ने मंगलवार को कहा कि वैश्विक संकट के कारण पाकिस्तान समेत 54 देशों को कर्ज राहत की सख्त जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने चेतावनी दी कि दर्जनों विकासशील देश तेजी से गहराते ऋण संकट का सामना कर रहे हैं और निष्क्रियता के जोखिम गंभीर हैं। तत्काल राहत के बिना, कम से कम 54 देशों में गरीबी का स्तर बढ़ जाएगा और जलवायु अनुकूलन में सख्त निवेश की जरूरत नहीं होगी। यूएनडीपी ने कहा कि यह चिंताजनक है क्योंकि प्रभावित देश दुनिया में सबसे अधिक जलवायु-असुरक्षित हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और वाशिंगटन में जी20 के वित्त मंत्रियों की बैठकों से पहले प्रकाशित एजेंसी की रिपोर्ट में त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर डाला गया। यूएनडीपी के प्रमुख अचिम स्टेनर ने जिनेवा में संवाददाताओं से कहा कि बार-बार चेतावनियों के बावजूद अब तक बहुत कम हुआ है, और जोखिम बढ़ रहे हैं।

नाबालिग को गोली मारने पर पुलिस अधिकारी को किया बर्खास्त

वाशिंगटन। अमेरिका में टेक्सास के सैन एंटोनियो में एक अमेरिकी पुलिस अधिकारी को मैकडॉनल्ड्स कार पार्क में एक नाबालिग को गोली मारने पर बर्खास्त कर दिया गया। पुलिस ने यह जानकारी मंगलवार को दी। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने कहा कि अधिकारी जेम्स ब्रेनेंड को संभावित गड़बड़ी की सूचना मिलने के बाद फास्ट फूड जॉइंट पहुंचे। पुलिस अधिकारी को यह लगा कि पिछली रात एक कार सवार उनसे बचकर भाग गया था। संभवत- वह वही कार थी जिस पर नाबालिग लड़का सवार था। बीबीसी ने कहा कि जब 17 वर्षीय लड़का अपने एक दोस्त के साथ कार में बैठकर बर्गर खा रहा था, तभी अधिकारी ने उसके कार का दरवाजा खोला। लड़के ने अधिकारी को पीछे धकेल दिया। इसके बाद अधिकारी ने उन पर गोलियां बरसा दी। पीड़ित नाबालिग के वकील के अनुसार उनका मुवक्किल गोली लगने से घायल हो गया और अभी वह अस्पताल में उपचाराधीन है।

भारत का श्रीलंकाई पर्यटन को पटरी पर लाने में मदद का वादा

कोलंबो। भारत में टूर्स एवं ट्रेवल्स ऑपरेटरों ने श्रीलंका के पर्यटन उद्योग को सकारात्मक रुप से बढ़ाने के लिए मदद करने का वादा किया है। दैनिक 'एफटी' अखबार ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट में बताया कि ट्रेवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीएएआई) ने कहा कि वह भारत में श्रीलंका के पर्यटन स्थलों के बारे में बताने से पीछे नही हटेगा। टीएएआई की अध्यक्ष ज्योति मयाल ने 'मिरर बिजनेस' से कहा कि भारतीय ट्रेवल और टूर्स एजेंट का मानना है कि श्रीलंका का समर्थन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा ,मेरा मानना है कि श्रीलंका समर्थन का हकदार है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

जॉब के लिए इन चीजों की कुर्बानी कभी न दें

हम आठ से दस घंटे जॉब करते हैं और वह भी अपना पूरा सौ प्रतिशत देकर। आप भले ही अपने जॉब से कितना भी प्यार क्यों न करते हों लेकिन आपको अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सीमा बनाकर रखने की जरूरत होती है। अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो हमारा काम, हमारा स्वास्थ्य, हमारा निजी जिंदगी प्रभावित होगी। आइए जानते हैं कि ऐसी कौन सी 5 चीजें हैं जिसे आपको अपने जॉब के लिए कभी कुर्बान नहीं करना चाहिए।

आपका स्वास्थ्य

यह बहुत ही मुश्किल होता है कि काम के समय आप अपने स्वास्थ्य के लिए सीमा तैयार कर ले क्योंकि आपको इसके दुष्प्रभाव का अंदाज ही नहीं होता। आप तनाव का स्वागत करते हैं, नींद खो देते हैं और बिना व्यायाम के लंबे समय पर बैठकर काम करते हैं। जब तब आपको इस बारे में पता चलेगा आपकी हालत खराब हो चुकी होगी। इसलिए इस बात को सुनिश्चित कर लें कि आपकी जॉब के कारण आपके हेल्थ पर कोई गलत प्रभाव तो नहीं पड़ रहा है। कोई भी जॉब ऐसी नहीं है जिसकी कीमत आपके स्वास्थ्य से बढ़कर हो।

आपका परिवार

यह बहुत ही आसान होता है कि आपका परिवार आपके जॉब के कारण प्रभावित हो रहा हो। हममें से कई लोग यह करते हैं क्योंकि हम हमारी नौकरी को हमारे परिवार का चलाने का साधन मानते हैं। आप यह सोचते हैं कि बच्चों को अच्छे कॉलेज-स्कूल में पढ़ाना है तो मुझे ज्यादा पैसा कमाना होगा। बस फिर क्या आप परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम भी नहीं बिता पाते। आप ऐसी कई मेमोरिज मिस कर देते हैं जो आपके परिवार को खुशियां देती है।

आपका विवेक

वह जॉब जो आपके विवेक का एक छोटा सा हिस्सा भी ले ले तो यह आपके लिए अच्छा नहीं है। आपका विवेक कुछ ऐसा है कि इसे आपको ही मॉनिटर करना होगा और खुद को हेल्दी रखने के लिए सीमाएं तय करनी होगी।

आपकी पहचान

जब आपका काम आपकी पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है तो यह खतरनाक साबित हो सकता है कि आपकी पूरी पहचान केवल आपका काम ही हो। अपनी पहचान के बाहर का काम कर के आपको सुखद एहसास होगा। यह आपके तनाव दूर करने में मदद करेगा और एक व्यक्ति के रूप में विकास करने में मददगार साबित होगा।

आपके संपर्क

आपके संपर्क आपकी मेहनत और प्रयास का उत्पाद है। किसी भी जॉब की खातिर आप अपने अच्छे संपर्क सूत्रों से मुंह नहीं मोड़ सकते हैं।

वर्कप्लेस क्राइसेस से इन तरीकों से डील करें

ऐसे समय के दौरान जिम्मेदारी संगठनात्मक नेतृत्व की होती है कि आगे की योजना तैयार करे और कर्मचारियों को आश्वस्त करें।

वर्कप्लेस पर क्राइसेस अनेक रूप ले सकता है। यह प्रतिष्ठा को लेकर या मुकदमेबाजी का मुद्दा हो सकता है या फिर प्राकृतिक आपदा। यह भी हो सकता है कि रिवेन्यू में कमी होने से कॉस्ट कटिंग और डाउनसाइजिंग का दौर चले। ऐसे समय के दौरान जिम्मेदारी संगठनात्मक नेतृत्व की होती है कि आगे की योजना तैयार करे और कर्मचारियों को आश्वस्त करें।

पारदर्शिता

आतंरिक या बाह्य किसी भी तरह के क्राइसेस में कर्मचारियों को चिंता होती है कि वह किस तरह से प्रभावित होंगे। उनके साथ स्पष्ट रूप से संवाद किया जाए और बड़ी खबरें न छुपाई जाए। क्राइसेस को लेकर पारदर्शी रहे और सावधानी से काम करें।

विश्वास रखें

एक लीडर के रूप में आपसे उम्मीद की जाती है कि वर्कप्लेस क्राइसेस से निपटने के लिए आप कॉन्फिडेंट रहें। जहां भी आवश्यक हैं, वहां हस्तक्षेप करें और समाधान के लिए हटकर सोचने से डरे नहीं।

ईमानदार रहें

व्यक्तिगत रूप से कर्मचारियों से मिलें और उन्हें निश्चिंत करें कि इस संकट आप उनका ध्यान रखेंगे। ईमानदारी से स्थिति बयां करते हुए जरूरी एक्शंस को लेकर उनसे बात करें।

मदद मांगने में न हिचकें

अपने कर्मचारियों के पास जाएं और उनसे सलाह मांगे। ऐसा करना आपकी लीडरशिप पर सवाल नहीं है बल्कि यह एक अच्छा तरीका है जिसमें क्राइसेस के समय कर्मचारियों को अपना योगदान देने में गर्व ही महसूस होगा।

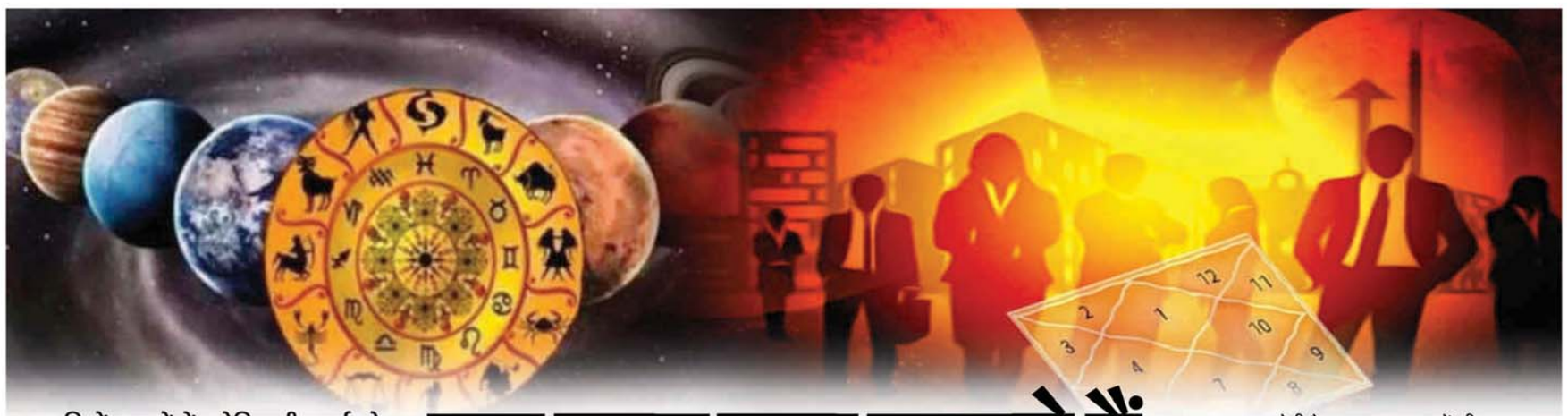

इस तरह बना सकते हैं ग्रह, नक्षत्रों में करियर

इन दिनों युवाओं में ज्योतिष की पढ़ाई को लेकर भी खूब क्रेज है। बाजार में ज्योतिषियों की बढ़ती मांग को देखते हुए युवाओं को इसमें भविष्य संवारने का सुनहरा मौका दिया है। ज्योतिष कोर्स को लेकर युवाओं के बढ़ते रुझान को देखते हुए यह एक बेहतरीन करियर विकल्प बन गया है। पिछले कुछ सालों में इस फील्ड में काफी स्कोप बढ़ा है। यही नहीं ज्योतिष के साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं।

कुंडली मिलान से लेकर, मांगलिक कार्य, शादी ब्याह, पंचाग, राशिफल, अंकविज्ञान, कर्मकांड आदि भी इसी दायरे में आते हैं। ज्योतिष, पूजा-पाठ के कई तरह के कोर्स उपलब्ध है। 12 वीं करने के बाद भी आप इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं। स्नातक ऑनर्स या शास्त्री की डिग्री तीन साल की होती है। दो साल का पीजी कोर्स या आचार्य की डिग्री हासिल की जा सकती है। आप पीएचडी भी कर सकते हैं।

ज्योतिष अलंकार कोर्स के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इसके बाद आप ज्योतिषाचार्य का कोर्स कर सकते हैं। ज्योतिष और अध्यात्म के साथ-साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए भी धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं। अधिकतर संस्थानों और विश्वविद्यालयों में संस्कृत के साथ ही ज्योतिष विज्ञान, कर्मकांड, धर्मशास्त्र, व्याकरण, वेद, पुरोहित आदि की पढ़ाई होती है। वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, वैदिक दर्शन, जैन-बुध्द दर्शन, धर्मशास्त्र मीमांसा, धर्मागम आदि का अध्ययन संस्कृत विषय के तहत ही किया जाता है। हालांकि कई संस्थानों में ज्योतिष प्रज्ञ में सर्टिफिकेट कोर्स तो ज्योतिष भूषण में डिप्लोमा कोर्स भी आयोजित कर रहे हैं।

संभावनाएं

ज्योतिष में करियर बनाने के इच्छुक लोगों को रत्न, पत्थर, ग्रह-नक्षत्र के साथ भारतीय लोगों के दृष्टिकोण को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। इस क्षेत्र में कभी भी मंदी नहीं आती क्योंकि अधिकतर भारतीय पारंपरिक हैं और ज्योतिष पर विश्वास करते हैं। कोई भी व्यक्ति अखबार, न्यूज चैनलों के अलावा पत्रिकाओं में भविष्यवक्ता भी बन सकता है।

स्किल्स

इस फील्ड में आप तभी सफल हो सकते हैं जब आप में लगातार कुछ न कुछ सीखने के गुण हों। आपका व्यक्तित्व आकषर्क हो, आप लोगों के साथ दोस्ताना रवैया रख सकें। केवल पैसा कमाना ही आपका मकसद न होकर दूसरों की सहायता करना भी होना चाहिए। ईमानदारी इस पेशे में काफी अहमियत रखती है। साथ ही, जिम्मेदारी की भावना भी आप में कूट-कूट कर भरी होनी चाहिए। लोगों को अपनी बातों से कंविंस करना इस फील्ड की मुख्य चुनौती है। आप अपनी बात हर समय तर्कयुक्त ढंग से रखें जिससे सामने वाला आपकी बातों पर हामी भरे। ज्योतिष सीखना और भविष्यवाणी करना आसान काम नहीं है। इसके लिए कठिन परिश्रम की आवश्यकता होती है। नकारात्मक बातों की भविष्यवाणी करने से पहले आपको इस बात का ख्याल रखना होता है कि ग्राहक कहीं बेहद निराश में न डूब जाए।

कोर्सेस

बीएससी इन एस्ट्रोलॉजी, एमएससी इन एस्ट्रोलॉजी, सर्टिफिकेट कोर्स इन एस्ट्रोलॉजी, डिप्लोमा कोर्स इन भारतीय ज्योतिष, बीएम/एमए/पीएचडी इन एस्ट्रोलॉजी, एमए इन संस्कृत रिसर्च इन एस्ट्रोलॉजी, कोर्स इन वेदांग ज्योतिष, टू ईयर ग्रेडेट कोर्स इन वैदिक एस्ट्रोलॉजी, एम इन एस्ट्रोलॉजी (पत्राचार), बीए (संस्कृत), ज्योतिष एमए (आचार्य), ज्योतिष बीए (संस्कृत), ज्योतिष फलित, ज्योतिष बीए (ज्योतिष), एमए (फलित ज्योतिष), एमए (सिध्दांत ज्योतिष), बीए शास्त्री (सिध्दांत ज्योतिष), बीए (फलित ज्योतिष), ज्योतिष डिप्लोमा कोर्स, ज्योतिष डिप्लोमा पुरोहित सर्टिफिकेट ट्रेनिंग कोर्स इन पुरोहित, पीजी डिप्लोमा इन वास्तुशास्त्र रिफ्रेशर कोर्स इन ज्योतिष (ज्योतिष प्रज्ञ और ज्योतिष भूषण), ज्योतिष प्रवीण बेसिक एस्ट्रोलॉजी कोर्स (एक साल)।

इन तरीकों से दूर कर सकते हैं अपनी कमजोरियां

कई बार हम बिना सोचे-समझे दूसरों की आलोचना कर देते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हम यह नहीं सोचते कि इसका परिणाम क्या होगा। दूसरों की आलोचना पर ध्यान देने या उनकी कमियां निकालने में समय गंवाने के बजाय हमें खुद को सशक्त बनाने पर ध्यान देना चाहिए। अपने आप को कमजोर या हीन समझने के बजाय यह देखें कि आखिर वह कौन-सी खासियत है, जो आपके भीतर है, जिसे आगे बढ़ाकर आप कामयाबी के शिखर की तरफ बढ़ सकते हैं। कभी भी यह न सोचें कि आपके भीतर कोई हुनर नहीं है। अगर आपको लगता है कि वाकई कोई अच्छाई आपमें नहीं है, तो किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जरा ठहरें। कुछ दिन पूरी एकाग्रता के साथ आत्म-मंथन करें। अपनी रुचियों, आदतों, व्यवहार, बातचीत, प्रतिक्रिया आदि पर ध्यान दें। आपको जरूर पता चल जाएगा कि आप में कौन-सी अच्छाई है। अगर फिर भी समझ में नहीं आता, तो घर के किसी समझदार सदस्य, अध्यापक या फिर काउंसलर की मदद से खुद की ताकत को जानें-समझें। इससे आपको अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

घबराएं न हार से

अगर आप कभी किसी परीक्षा या टेस्ट में फेल हो जाते हैं, किसी टीम का हिस्सा होते हुए भी बेहतर परफॉर्म नहीं कर पाते या फिर किसी वजह से शर्मिंदा होना पड़ता है, तो ऐसी स्थिति में भी धैर्य बनाए रखें। हताश बिल्कुल न हों। खुद को संयत रखें। फिर यह सोचें कि आखिर आप असफल क्यों हुए? आपसे कहां चूक हो गई? आपने गलती कहां की? अपनी हार या असफलता में छिपे कारणों को ढूंढें। जब तक आप उन कारणों को ढूंढकर उन्हें दूर करने का प्रयत्न नहीं करेंगे, कामयाबी आपसे दूर ही रहेगी। अगर आप खुद को विजेता के रूप में देखता चाहते हैं, तो अपनी कमियों-कमजोरियों को ढूंढकर उन्हें यथाशीघ्र दूर करें। याद रखें, दुनिया में ऐसे बहुत कम कामयाब लोग होंगे, जिन्होंने कभी असफलता का स्वाद नहीं चखा होगा। कामयाबी के शिखर पर पहुंच चुके तमाम लोगों को अपने प्रयासों में कई बार हार मिली। चाहे बल्ब के आविष्कारक थॉमस एडिसन हों या फिर नए संसार की खोज में निकले कोलंबस और वास्को-डि-गामा जैसे लोग। बार-बार की असफलता के बावजूद ऐसे उत्साही लोगों ने उम्मीद का दामन नहीं छोड़ा। आखिर एक दिन ऐसा आ ही गया, जब उन्हें कामयाबी मिली और दुनिया भर ने उनका लोहा माना। अगर आप भी किसी परीक्षा या प्रतियोगिता में असफल हो जाते हैं, तो इसे जिंदगी का आखिरी इम्तेहान समझने के बजाय इस बात पर विचार करें कि आखिर किन कमियों के कारण आपको सफलता नहीं मिल सकी। इन कमियों को दूर कर फिर दोगुने उत्साह के साथ प्रयास करें।

आत्ममुग्धता से बचें

अक्सर यह भी देखने में आता है कि छोटी-छोटी सफलताएं पाकर हम आत्ममुग्ध हो जाते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि बड़े लक्ष्य को पाने के लिए किए जाने वाले हमारे प्रयास शिथिल पड़ने लगते हैं। कई बार हम खुद को बेहद काबिल मानकर यह सोच लेते हैं कि हमें सफलता तो मिल ही जाएगी। मगर जब ऐसा नहीं होता और असफलता हाथ लगती है, तो हमें शॉक लगता है। तब हमें एहसास होता है कि काश दूसरों की तारीफों के कारण हम आत्ममुग्धता के शिकार न हुए होते।

सकारात्मकता का साथ

आप चाहे पढ़ाई कर रहे हों या नौकरी, अपनी सोच को हर समय सकारात्मक बनाए रखें। परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों, संघर्ष चाहे जितना करना पड़े, सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेंगे, तो इसके अच्छे परिणाम भी जरूर दिखेंगे। किसी के बारे में बुरा सोचने या उसकी निंदा करने के बजाय अच्छा सोचें, अच्छा करें। दूसरे क्या कर रहे हैं या क्या नहीं कर रहे हैं, इस पर नजर रखने के बजाय हमेशा अपने दायित्व को पूरा करने पर ध्यान दें। अपने काम में नित नई पहल करते हुए जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ेंगे, तो सफलता भी मिलेगी और नई पहचान भी बनेगी।

किस तरह क्वॉलिफाई कर सकते हैं सीसैट

युवाओं में सिविल सर्विसेज की प्रिलिम्स, यानी सीसैट (सिविल सर्विसेज एप्टिट्यूड टेस्ट) बहुत मायने रखती है। अगर आपमें पैशन है, तो आप इस परीक्षा में अपनी योग्यता दिखाकर अच्छे अंक पा सकते हैं। जानते हैं सी-सैट सहित सिविल सेवा परीक्षा से संबंधित कुछ सामान्य सवालों के जवाब।

सीसैट की तैयारी में कितना समय लगता है

सीसैट (प्रिलिम्स) में 2 ऑब्जेक्टिव टाइप सेक्शन होते हैं। पहला पेपर जनरल स्टडीज का और दूसरा पेपर एप्टीट्यूड टेस्ट का होता है। अगर उम्मीदवार प्रिलिम्स की तैयारी कर रहा है, तो उसे दोनों यानी जनरल स्टडीज पेपर 1 और जीएस मेन्स की तैयारी साथ में ही करनी चाहिए। जहां तक समय का सवाल है, तो प्रिलिम्स की तैयारी के लिए 6 से 8 महीने का समय लग जाता है। अगर उम्मीदवार सही तरीके से तैयारी करे, तो वह जीएस मेन्स का 60 से 70 प्रतिशत भाग कवर कर सकता है। इसके अलावा नोट्स बनाने भी बहुत जरूरी हैं। आपको सिलेक्शन पाने के लिए कुछ हटकर करना पड़ेगा।

सीसैट व मेन्स का जीएस पेपर क्या एक-दूसरे से किसी तरह संबंधित हैं?

शायद ही इन दोनों में कुछ कॉमन हो। फिर भी, अगर हम इसकी गहराई में जाएं, तो एक संबंध देख सकते हैं कि अगर किसी उम्मीदवार की जीएस बहुत अच्छी है, तो यह उसे रीडिंग काम्प्रिहेंशन सेक्शन में मदद कर सकती है, जिससे सीसैट में कम से कम 40 से 60 प्रतिशत प्रश्न पूछे जाते हैं।

सीसैट पेपर 1 और 2 के लिए विद्यार्थियों की क्या रणनीति होनी चाहिए?

पेपर 1 - इसके लिए सबसे जरूरी यह है कि उम्मीदवार एनसीईआरटी की पुस्तकों को बहुत अच्छे-से पढ़े। कक्षा 6 से 12 तक की हिस्ट्री, सिविक्स और जिओग्रॉफी को अच्छे से पढ़ें। कक्षा 9 से 12 तक की इकोनॉमिक्स का गहराई से अध्ययन करें और कक्षा 11 व 12 की सोशलॉजी पर फोकस करें। एनसीईआरटी बुक्स के साथ-साथ आपको एक अच्छा अखबार भी नियमित रूप से पढ़ना चाहिए। इसके अलावा वार्षिक बुक भी अच्छे से पढ़ें। आपको इकोनॉमिकल और पॉलिटिकल साप्ताहिक मैगजीन भी पढ़नी चाहिए।

पेपर 2 - इसके लिए आपको कक्षा 7 से 10 तक की मैथ्स पर बहुत अच्छा कमांड होना चाहिए। इसके अलावा रीजनिंग का बेसिक ज्ञान भी अच्छा होना चाहिए।

करंट अफेयर्स के तहत किस तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं?

जहां तक प्रिलिम्स का सवाल है, कुछ साल पहले तक करंट अफेयर्स से काफी प्रश्न पूछे जाते थे, लेकिन पिछले 2-3 सालों से इन प्रश्नों में कुछ कमी आई है। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि सिविल सर्विसेज एग्जाम का कोई स्पष्ट ट्रैंड नहीं होता है। करंट अफेयर्स के प्रश्न सीसैट में नहीं पूछे जाते, बल्कि मेन्स में पूछे जाते हैं। इसीलिए उम्मीदवारों को अपने आसपास की घटनाओं से अपडेट रहना चाहिए।

सीसैट में एक सामान्य विद्यार्थी की सफलता की कितनी संभावना होती है?

2019 में लगभग 5 लाख उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए बैठे थे, जिसमें 3.7 प्रतिशत ही सीसैट क्रैक कर पाए, जबकि करीब 80 प्रतिशत उम्मीदवार ऐसे भी थे, जो बहुत आश्वस्त थे अपने चयन को लेकर मगर वे प्रिलिम्स तक नहीं क्वॉलिफाई कर पाए। वास्तव में प्रतिस्पर्धा 20 प्रतिशत उम्मीदवारों के बीच ही थी। पिछले 5-6 साल से सक्सेस रेट 3-6 प्रतिशत रहा है। सीसैट कठिन तो है पर असंभव नहीं है। एक सामान्य विद्यार्थी भी कड़ी मेहनत करके सीसैट क्वॉलिफाई कर सकता है।

क्या सीसैट क्वॉलिफाई करने के लिए कोचिंग जरूरी है?

कोचिंग जरूरी तो नहीं है, फिर भी अगर आप कोई कोचिंग ज्वॉइन करना चाहते हैं, तो बहुत सोच-समझकर ऐसा करें और हो सके तो उसी से मार्गदर्शन लें, जिसने खुद यह परीक्षा दी हो। कारण यह कि कई कोचिंग संस्थानों में फैकल्टी अच्छी नहीं होती।

सीसैट में सफलता का मुख्य सूत्र क्या है?

सबसे जरूरी बात तो यह है कि उम्मीदवारों का कॉन्सेप्ट बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए। कॉन्सेप्ट क्लीयर हो, तो सी-सैट मुश्किल नहीं। सभी विषयों पर मेहनत करें। किसी विषय को नजरअंदाज न करें।